वर्ष 72 ▸▸ अंक 196 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 15 अप्रैल, 2025
▸▸ वैशाख कृष्ण पक्ष 03, विक्रम संवत् 2082
▸▸ नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

अपनी ताकत पर भरोसा करो, उधारी की ताकत तुम्हारे लिए घातक है।
-सुभाषचंद्र बोस

ऑफ बीट
मुर्गी नहीं, पहले धरती पर आया था अंडा

धरती पर पहले अंडा आया या मुर्गी, यह बहस सभी लोगों को बचपन से सुनने को मिलती है। कोई कहता है कि पहले मुर्गी आई हो तो कोई दावा करता है कि अंडा आया होगा। लेकिन अब इसका सही जवाब वैज्ञानिकों को मिल गया है। शोध में दावा किया गया है कि मुर्गी से पहले अंडा आया, क्योंकि ये एक अरब साल से भी ज्यादा समय पहले विकसित हुआ था, जबकि मुर्गियां सिर्फ 10 हजार साल से ही अस्तित्व में हैं। रॉयल बेल्जियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल साइंसेज के जीवाश्म विज्ञानी कोएन स्टीन ने कहा, अंडा (कशेरुकी) विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि इसने बाद में कई जी-जंतुओं को जन्म दिया। मुर्गियों के शुरुआती सरीसृप पूर्वज जीवित जानवरों को जन्म देने वाले विविपेरस थे, जिनका जन्म अंडे से हुआ था।

आईपीएल में आज

लखनऊ बनाम चैन्नई
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्टर्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: बेंगलुरु ने राजस्थान को 9 विकेट से हराया।

पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

12 अप्रैल से जेल में है, खराब सेहत का हवाला देकर जमानत के लिए कोर्ट भी पहुंचा

ब्रुसेल्स, जेएनएन। पंजाब नेशनल बैंक लोन धोखाधड़ी मामले के आरोपी मेहुल चोकसी को बेल्जियम ने गिरफ्तार कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय जांच एजेंसियों की प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को उसकी गिरफ्तारी हुई थी। फिलहाल वह जेल में है। उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बेल्जियम ने कहा कि उसे आगे की न्यायिक प्रक्रिया के लिए जेल में रखा गया है। बता दें कि भारत ने पिछले साल भी उसे गिरफ्तार करने का अनुरोध किया था। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। हालांकि, मेहुल ने अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए कोर्ट से जमानत मांगी है। उसकी ओर से कहा गया है कि इलाज कराने के लिए बेल्जियम आया था और अपनी पत्नी के साथ एंट्वर्प में रह रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई कब होगी। गौरतलब है कि चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। चौकसी 2018 में भारत छोड़कर पहले दुबई, फिर एंटीगुआ भाग गया था और वहां की नागरिकता ले ली थी। सीबीआई और ईडी ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस और रेड कॉर्नर अलर्ट जारी कर रखा था। अप्रैल 2025 की शुरुआत में वह इलाज के बहाने बेल्जियम आया और यहीं पर वह कानून के शिकंजे में आ गया। हालांकि यह भी कहा जा रहा ■ शेष पृष्ठ 7 पर

यह है पीएनबी घोटाला

मेहुल चोकसी, उसके भांजे व भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और बैंक अधिकारियों पर पीएनबी को 13 हजार पांच सौ करोड़ का चूना लगाने का आरोप है। आरोप है कि चोकसी, उसकी कंपनी गीतांजलि जेम्स और अन्य ने कुछ बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी करके लेटर ऑफ अंडरटेकिंग जारी करवाए। यह एक तरह की बैंक गारंटी होती है, जो एक बैंक दूसरे बैंक के लिए जारी करता है।

पत्नी की मदद से हासिल किया रेजिडेंसी कार्ड

चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम का 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' हासिल किया था। इसमें उसकी पत्नी ने मदद की थी। दरअसल उसकी पत्नी प्रीति बेल्जियम की नागरिक है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि चोकसी ने बेल्जियम के अधिकारियों को फर्जी दस्तावेज सौंपे थे। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता छिपाकर गलत जानकारी दी, ताकि उसे भारत न भेजा जा सके। अब पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया है। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई 2018 और 15 जून 2021 के थे।

भारत ने शुरू की प्रत्यपर्ण की प्रक्रिया

भारत सरकार ने तुरंत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मुंबई की विशेष अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को औपचारिक याचिका के साथ बेल्जियम के अधिकारियों को सौंपा गया है। भारत और बेल्जियम के बीच 1997 से प्रत्यर्पण संधि है। इस संधि के तहत एक देश दूसरे देश से भगोड़े अपराधी को वापस बुला सकता है, बशर्ते अपराध दोनों देशों में 'प्रत्यर्पण योग्य' हो और राजनीतिक या नस्लीय उत्पीड़न के दायरे में न आता हो।

इलाज के लिए प्रत्यर्पण रोकने की मांग करेगा

चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि उनका मुवक्किल जमानत के लिए अपील दायर कर चुका है। आगे वह यह भी अपील करेगा कि उसे हिरासत में न रखा जाए और कैद से बाहर रहकर उसे खुद का बचाव करने और प्रत्यर्पण अपील का विरोध करने की अनुमति दी जाए। प्रत्यर्पण रोकने की भी अपील की जाएगी। अदालत को बताया जाएगा कि चोकसी के भागने का कोई जोखिम नहीं है। वह बहुत बीमार है और कैंसर का इलाज करा रहा है। यह भी कहा जाएगा कि चोकसी का मामला राजनीतिक मामला है और भारतीय जेलों की हालत बहुत खराब है।

प्रत्यर्पण में बाधाएं

- बेल्जियम की अदालत सबसे पहले भारत के सबूतों, आरोपपत्रों और गिरफ्तारी वारंट की वैधता की समीक्षा करेगी। यह देखा जाएगा कि क्या भारत में चौकसी को निष्पक्ष सुनवाई मिलेगी।
- बेल्जियम यूरोपीय यूनियन का हिस्सा है और यूरोपीय मानवाधिकार संधियों का पालन करता है। अगर बेल्जियम की अदालत भारत के पक्ष में निर्णय देती है, तब भी चौकसी यूरोपीय कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स में अपील कर सकता है।

टैरिफ खत्म करने की अपील न सुनने से जिनपिंग नाराज

चीन ने अमेरिका को 7 कीमती धातुओं की सप्लाई रोकी

बीजिंग, जेएनएन। चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर रोक लगा दी है। ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं। इस फैसले से दुनियाभर में मोटरव्हीकल, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ेगा। गौरतलब है कि चीन ने 4 अप्रैल को इन धातुओं के निर्यात पर रोक का प्रस्ताव बना लिया था। इसके बाद रविवार को शी जिनपिंग ने अमेरिका से सौदेबाजी करने की कोशिश की थी। उनके निर्देश पर चीन के व्यापार मंत्रालय ने ट्रंप से टैरिफ पूरी तरह खत्म करने का अनुरोध किया था। इस अपील पर जब अमेरिका से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो सोमवार को कीमती धातुओं की सप्लाई रोक दी गई। इतना ही नहीं, चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट को भी शंघाई बंदरगाह पर रोक दिया है। यह शिप सोमवार को ही रवाना होना था। चीन के इस कदम के बाद ट्रेड पर और गहराने का खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, बड़ी-बड़ी कंपनियां जैसे एप्पल, सोनी, सैमसंग, टेस्ला, लॉकहीड मार्टिन और बोइंग इन धातुओं पर निर्भर हैं। चीन इन दुर्लभ धातुओं का सबसे बड़ा उत्पादक है। 2024 में उसने 270 हजार टन धातुएं बनाईं। दूसरी तरफ, अमेरिका ने सिर्फ 45 हजार टन धातुएं बनाईं। यानी चीन का उत्पादन अमेरिका से पांच गुना ज्यादा है। चीन न सिर्फ इन धातुओं को बनाता है, बल्कि इन्हें दुनिया भर में बेचता भी है। अमेरिका अपनी जरूरत का 70 प्रतिशत हिस्सा चीन से ही लेता है। बाकी हिस्सा मलेशिया, जापान और एस्टोनिया जैसे देशों से आता है।

ये धातुएं नहीं देगा चीन

गैडोलिनियम- इस धातु से मैग्नेट, इलेक्ट्रॉनिक सामान, एमआरआई-सीटी स्कैन मशीन, डेटा स्टोरेज डिवाइस और परमाणु रिएक्टर को चलाने वाले यंत्र बनते हैं।
टर्बियम- यह धातु बिजली बचाने वाले बल्ब और मरकरी लैंप में इस्तेमाल होती है।
डिस्प्रोसियम- यह इलेक्ट्रिक गाड़ियों के विभिन्न पुर्जे बनाने में इस्तेमाल होती है।
ल्यूटेशियम- इस धातु का इस्तेमाल कच्चे तेल को साफ करने वाली मशीनों में होता है।
स्कैंडियम- यह धातु लड़ाकू जेट, ड्रोन और अन्य रक्षा उपकरणों में इस्तेमाल की जाती है।
येट्रियम- धातु सफेद एलईडी लाइट, लेजर, कैमरा लेंस और सुपरकंडक्टर में इस्तेमाल होती है।

गोल्डमैन ने जारी किया नया अनुमान

1.30 लाख रु. प्रति 10 ग्राम तक जा सकते हैं सोने के दाम

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी और चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना अंतरराष्ट्रीय बाजार में 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। अगर इस वैश्विक अनुमान के हिसाब से गणना की जाए तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.30 लाख रुपए तक जा सकते हैं। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने यह अनुमान जारी किया है। हालांकि ऐसा तभी होगा जब ट्रेड वॉर और मंदी का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा।

अगर ट्रेड वॉर और मंदी का जोखिम नहीं बढ़ता है, तब भी सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। यानी भारत की सोने की कीमत एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से ऊपर निकल जाएगी। बैंक का कहना है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं और अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के कारण गोल्ड अब निवेशकों के लिए एक सुरक्षित निवेश विकल्प बनता जा रहा है। सोना मंदी में सबसे ज्यादा काम आने वाली धातु है। इसे महंगाई के खिलाफ भी हेज किया जा सकता है। गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि उसने भी अपने पोर्टफोलियो में गोल्ड को शामिल किया है ताकि मंदी की आशंका से बचाव किया जा सके। उसका कहना है कि निवेशकों का झुकाव हाल के हफ्तों में गोल्ड की ओर बढ़ा है फिर चाहे वह फिजिकल हो या ईटीएफ।

अभी 93,353 रुपए के रिकॉर्ड हाई पर है गोल्ड

सोना अभी अपने रिकॉर्ड हाई पर है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 93,353 पर पहुंच गया है। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 17,191 रुपए यानी 22.57 प्रतिशत बढ़ गए है। एसोसिएशन का अनुमान है कि यह ट्रेंड अभी जारी रहेगा।

गुजरात में 1800 करोड़ की 300 किलो ड्रग्स जब्त

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात में इंडियन कोस्ट गार्ड ने 300 किलो ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत 1,800 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जब्त ड्रग्स मेथामफेटामाइन है। यह जब्ती पोरबंदर से 190 किलोमीटर दूर हुई है। बताया जा रहा है कि कोस्ट गार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा की ओर सर्च के लिए जहाज भेजा था। अंधेरे के बीच कोस्ट गार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को कहा। इससे घबराए तस्करों ने ड्रग्स को समुद्र में फेंका और भाग निकले। कोस्ट गार्ड की टीम ने समुद्र में फेंकी गई ड्रग्स को रेस्क्यू बोट की मदद से बाहर निकाला। बोट का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की आशंका है। गुजरात ड्रग्स तस्करी का अहम रूट बनता जा रहा है।

बंगाल में हिंसा जारी, 24 परगना में पुलिस की गाड़ियां जलाईं, हाईवे पर लगाया जाम

कोलकाता, जेएनएन। वक्फ कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा के बाद अब 24 परगना में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। बसंती हाईवे पर बैरमपुर में पुलिस ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट के कार्यकर्ताओं को लेकर जा रही एक गाड़ी को रोका, जिससे अशांति फैल गई। भीड़ ने पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी। बताया जा रहा है कि भांगर, मिनाखा और संदेशखाली के फ्रंट के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन के लिए सोमवार सुबह 10 बजे से हाईवे जाम करने का ऐलान किया था। इसके लिए वे 22 परगना के

रामलीला मैदान में एकत्रित हो रहे थे। पुलिस ने यहां भीड़ नहीं जुटने दी। रामलीला मैदान जा रहे कार्यकर्ताओं ने रोके जाने पर पुलिस को घेर लिया। इन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद उग्र भीड़ ने पुलिस की 5 बाइक में तोड़फोड़ की और उनमें आग ■ शेष पृष्ठ 7 पर

मुर्शिदाबाद में हालात सामान्य, घर लौटे विस्थापित

उधर, मुर्शिदाबाद में हालात सामान्य हो गए हैं। सोमवार को राज्य के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर जावेद शमीम ने बताया- दुकानें खुलने लगी हैं। विस्थापित परिवार अपने घर लौट चुके हैं। मालदा और मुर्शिदाबाद जिला प्रशासन मिलकर लोगों की सुरक्षित वापसी करवा रहा है। अब तक 210 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पिता-पुत्र की हत्या मामले में अलग केस दर्ज किया गया है। हालांकि, हिंसाग्रस्त्र क्षेत्रों में इंटरनेट अब भी बैन है।

सलमान को फिर धमकी कहा- घर में घुसकर मारेंगे

मुंबई, जेएनएन। सलमान खान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सएप मैसेज कर सलमान की कार को बम से उड़ाने की बात कही है। रविवार देर रात भेजे गए इस मैसेज में लिखा है- हम सलमान को घर में घुसकर मारेंगे। मुंबई की वर्ली पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस केस में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया था।

तीसरे दिन भी गुना में तनाव, कर्नलगंज क्षेत्र के कई घरों में पथराव, लाठी चार्ज

जागरण, गुना। हनुमान जयंती के जुलूस पर हुए पथराव की घटना के बाद गुना शहर में तीसरे दिन भी तनावपूर्ण माहौल रहा। सोमवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। स्थिति उस समय और अधिक बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों की एक भीड़ विवादित क्षेत्र की ओर बढ़ने लगी।

पुलिस ने हालात संभालने के लिए हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने उस गली में जाने का प्रयास किया, जहां शनिवार को जुलूस पर पथराव हुआ था। पुलिस ने उन्हें रोकने की

कोशिश की लेकिन माहौल तनावपूर्ण होता चला गया। इस दौरान डाकघर के पास स्थित धोबी गली क्षेत्र में उपद्रवियों ने कुछ घरों पर पथराव और तोड़फोड़ कर दी। पुलिस और प्रशासन पहले से ही मस्जिद चौराहे पर तैनात था, इसका फायदा उठाकर उपद्रवियों ने पीछे के रास्तों से हमला किया।

अब तक 17 आरोपी गिरफ्तार

सांप्रदायिक तनाव के बीच 7 और हिंसा के आरोपी गिरफ्तार किए गए। अब तक 17 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। प्रशासन ने कहा है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून व्यवस्था को भंग करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

लूट के इरादे से तीन जैन मुनियों पर धारदार हथियारों से हमला

6 गिरफ्तार, घटना के विरोध में सिंगोली रहा बंद

जागरण, नीमच। रविवार रात छह बदमाशों ने तीन जैन मुनियों पर हमला कर दिया। जैन मुनि सिंगोली मार्ग स्थित हनुमान मंदिर में विश्राम करने रुके थे। रात 12 बजे आरोपियों ने लूट के इरादे से लाठी और धारदार हथियार से हमला किया। घटना के बाद दो बदमाशों को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। वहीं, पुलिस ने 6 आरोपियों गणपत नायक, गोपाल, कन्हैयालाल, राजू और बाबू शर्मा को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। हमले में घायल मुनियों ने अस्पताल जाने से इंकार कर दिया, जिसके बाद सभी को

जैन स्थानक भवन में रखा गया है। घटना के बाद जैन समाज की ओर से नगर बंद का आह्वान किया गया। सिंगोली थाना टीआई भूरा लाल भाभर ने बताया कि जैन संत शैलेष मुनि, बलभद्र मुनि और मुनींद्र मुनि विहार पर हैं। वे सिंगोली से नीमच जा रहे थे। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

रिपोर्ट | जेएलएल ने बताया, व्यापार और पर्यटन के केंद्र बन रहे टियर-टू और टियर-थ्री शहर

छोटे शहरों में भी होने लगा होटल कारोबार का विस्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। 2024 में भारत के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर ने एक नया मोड़ लिया है। अब महानगरों से निकलकर यह उद्योग तेजी से छोटे शहरों की ओर बढ़ रहा है। जॉन्स लैंग लासैल (जेएलएल) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल में होटल लेन-देन का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा टियर-टू और टियर-थ्री शहरों से आया है। इसका मतलब है कि अब व्यापार और पर्यटन दोनों ही क्षेत्रों में छोटे शहरों की हिस्सेदारी बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में लगभग 25 होटलों के सौदे हुए हैं, जिनमें से अधिकांश पहले से संचालित हो रही प्रॉपर्टीज थीं। ये सौदे व्यापारिक और पर्यटन दोनों ही क्षेत्रों में हुए। इन सौदों ने हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नई ऊर्जा का संचार किया है और यह दिखाता है कि निवेशक अब छोटे शहरों को भी भविष्य की संभावना के रूप में देखने लगे हैं। इस सौदे में निवेशकों का प्रोफाइल भी काफी विविध रहा है। 51 प्रतिशत लेनदेन हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स, फैमिली ऑफिस और निजी होटल ■ शेष पृष्ठ 7 पर

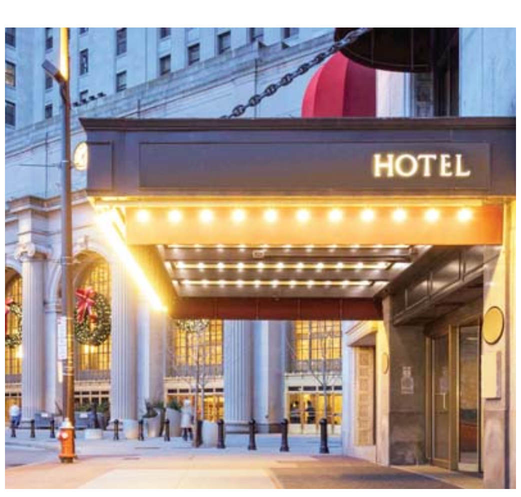

2025 की पहली तिमाही में भी जोश

जेएलएल के होटल्स एंड हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर जयदीप डांग के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही ने ही इस क्षेत्र में तेजी दिखा दी है। अभी तक चेन्नई और गोवा में दो प्रमुख डील्स जेएलएल की मदद से फाइनल हो चुकी हैं। वे कहते हैं कि सकारात्मक आर्थिक माहौल, वाणिज्यिक क्षेत्रों का विस्तार और सरकार की नई पर्यटन बजट नीति जैसे कारणों ने इस सेक्टर में उत्साह बढ़ाया है। कुल मिलाकार, भारत में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर तेजी से एक मल्टी-लेयर मार्केट में बदल रहा है - जहां एक ओर मेट्रो शहरों में उच्च मांग बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे शहरों में नई मांग का निर्माण हो रहा है। जेएलएल की रिपोर्ट यह दिखाती है कि अब गुणवत्ता वाली होटल सेवाएं छोटे शहरों तक पहुंच रही हैं, जो आने वाले सालों में स्थानीय पर्यटन, रोजगार, और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देंगी।

नए होटल प्रोजेक्ट्स की बाढ़

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में कुल 28 हजार 281 नए होटल यूनिटों की घोषणा हुई, जो 2023 के 13 हजार 600 की तुलना में दोगुनी से अधिक है। इसे ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स के रूप में देखा गया, जो कि नए निर्माण और योजनाओं का संकेत है। इससे साफ है कि डेवलपर्स को इस क्षेत्र में लंबे समय तक विकास की उम्मीद है। चाहे बात घरेलू पर्यटन की हो या कारोबारी यात्राओं की, भारत के अंदर यात्रा की प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है और होटल चेन इस मांग को पहचान कर निवेश कर रही हैं। जहां एक ओर छोटे शहर तेजी से उभर रहे हैं, वहीं टियर-वन शहरों में भी बड़ी होटल डील्स हो रही हैं। मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहरों में 250 से अधिक चाबियों वाले होटल प्रोजेक्ट्स की घोषणा हुई है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि मेट्रो शहरों में भी मांग बनी हुई है और निवेशक इन क्षेत्रों में भरोसा बनाए हुए हैं।

इंदौर में नकली नोट खपाने आई गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

प्रिंटर, नोट का कागज, लैपटॉप एवं एटीएम कार्ड जब्त

जागरण, इंदौर। शहर में नकली नोटों की छपाई का मामला सामने आया है। इंदौर क्राइम ब्रांच ने नकली नोटों की छपाई के रैकेट का खुलासा किया है। होटल में छापा मारकर पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, जो वहां नकली नोट लेकर आए थे। पकड़े गए तीनों आरोपी छिंदवाड़ा जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से कलर प्रिंटर, नोट छापने वाला कागज, लैपटॉप, एटीएम कार्ड और अन्य सामान भी बरामद किया है। क्राइम ब्रांच टीम ने डीसीपी राजेश त्रिपाठी के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए अब्दुल शोएब, रहीश खान और प्रफुल्ल कुमार कोरी को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे निजी काम से इंदौर आए हैं और होटल में रुके हुए थे। शक होने पर जब उनके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें 50,000 के नकली नोटों की एक गड्डी मिली। पुलिस ने जब इन नोटों की जांच की, तो वे पूरी तरह नकली निकले। इसके अलावा उनके पास से अलग-अलग सीरीज के और भी नकली नोट बरामद हुए।

पहले पकड़े थे 2 लाख रुपए के नकली नोट

गौरतलब है कि इंदौर की लसूडिया पुलिस ने 20 जनवरी 2025 को नकली नोट के साथ आरोपी शुभम रजक को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान उसने मोहित उर्फ महिपाल का नाम बताया। पुलिस ने महिपाल को 23 जनवरी को पकड़ा था। इसके बाद पुलिस ने जांच के बाद मोहित समेत अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 200 और 500 रुपए के 2 लाख के नकली नोट बरामद हुए। साथ ही, नोट छापने के उपकरण भी जब्त किए थे।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में भीषण आग

लखनऊ, जेएनएन। लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में सोमवार रात करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। आग अस्पताल के सेकेंड फ्लोर पर लगी है। यहां बच्चों का एनआईसीयू भी है। यहीं पर महिलाओं की भी यूनिट है। इस फ्लोर पर 35-40 मरीज भर्ती थे। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। मौके पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंची हैं। डॉक्टरों ने बताया कि हर कोशिश की जा रही है कि भर्ती बच्चों को कोई नुकसान न पहुंचे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक लोकबंधु अस्पताल पहुंच गए हैं। आग की वजह से पूरे अस्पताल धुआं ही धुआं भरा हुआ है। अस्पताल की लाइट काट दी गई है। इससे अस्पताल के बाहर अंधेरा है। बाहर अंधेरे में मरीज भाग रहे हैं। कुछ तीमारदार अपने मरीजों को स्ट्रेचर पर ले जा रहे हैं। लोकबंधु अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी का कहना है कि आग रात करीब 10 बजे लगी थी। अभी तक की छानबीन में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। स्थिति नियंत्रण में है। अस्पताल में लगी आग की घटना का मुख्यमंत्री योगी ने संज्ञान लिया है।

प्रिज्म सीमेंट में अंतरविभागीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

जागरण, सतना

प्रिज्म सीमेंट जो प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की एक इकाई है में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अंतरविभागीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का सफ्ल आयोजन किया गया। इस आयोजन में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना के साथ अपनी टीम भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं का समापन 10 अप्रैल को एक भव्य समापन समारोह के साथ हुआ। देवेन्द्र मिश्रा एजीएम सीएसआर एवं जनसंपर्क ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रतियोगिता में टीम खेलों जैसे वॉलीबॉल रस्साकशी क्रिकेट बैडमिंटन कैरम और टेबल टेनिस का आयोजन किया गया। वही व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में शॉटपुट डिस्कस थ्रो और स्लो साइक्लिंगए 100 मीटर व 50 मीटर रेस जैसे रोचक खेलों का भी आयोजन किया गया। समापन समारोह में मनीष कुमार सिंह प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीष कुमार सिन्हा सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आशीष कुमार हिंगर हेड एकाउण्ट्स एवं अर्न्तयामी सामल हेड पर्सनल एंड आईआर सहित सभी विभागाध्यक्ष वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारीगण मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनीष कुमार सिंहए प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड ने प्रतिभागियों के जोश और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करती हैं बल्कि आपसी सहयोग और सौहार्द को भी बढ़ावा देती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मनीष कुमार सिन्हा सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि प्रिज्म सीमेंट में हमारा सदैव प्रयास रहा है कि कार्यस्थल केवल कार्य का स्थान न होकर एक ऐसा मंच बने जहाँ हर कर्मचारी को आत्मविकास स्वास्थ्य और सौहार्द का अवसर मिले। आशीष कुमार हिंगरए हेड एकाउण्ट्स ने कहा कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ने न केवल हमारे कर्मचारियों की खेल प्रतिभा को उजागर किया हैए बल्कि टीम वर्क अनुशासन और सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा दिया है। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता के विजेताओं और उपविजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं प्राइज प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी विजेताओं का उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार गौतम वेलफेयर मैनेजर एवं नीलेश्वर मिश्रा द्वारा किया गया। आयोजन में भूपेन्द्र सिंह ठाकुर गौरव शुक्ला और सुशील कुमार का विशेष सहयोग रहा।

गढ़ी मनकेसर में कवि सम्मेलन संपन्न

धन्य है ऐसी विभूतियां जिनका परिवार उनके न रह जाने के बाद भी उन्हें सम्मानित करता है : दिलीप मिश्रा

जागरण, सतना। रामनगर ब्लॉक के गढ़ी मनकेसर में स्वर्गीय पुष्पराज सिंह पुष्प स्मृति विराट कवि सम्मेलन लोढा ढार माता मंदिर के प्रांगण में संपन्न हुआ जिसके आयोजक डॉक्टर किरण राजेश सिंह एवं डॉक्टर अखिलेश सिंह रहे सरपंच गोलू सिंह ने भी कार्यक्रम में अपनी अहम भूमिका निभाई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में रामपुर नैकिन के जनपद उपाध्यक्ष ऋषि राज मिश्रा पूर्व जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह शिव प्रसाद पांडे राजीव सिंह उपस्थित रहे कार्यक्रम में जिला पंचायत के पूर्व सदस्य दिलीप मिश्रा ने कहा की धन्य है ऐसी विभूतियां जिनके ना रह जाने के बाद भी लोग उन्हें याद करते हैं पुष्पराज सिंह पुष्प जो एक बड़े कवि थे मैं उन्हें शत.शत नमन करता हूं व उनके परिवार को भी धन्यवाद देता हूं जिनका परिवार ऐसी विभूतियों को समय.समय पर उनके ना रह जाने के बाद भी याद कर रहे हैं कार्यक्रम में बड़े.बड़े कवि जिसमें श्रीनिवास शुक्ला सरस दो यु वी सिंह परिहार अंजली सिंह रमेश प्रताप सिंह राखी राजबहोर पाठक मनोज रमाकांत द्विवेदी सावन राम लखन सिंह मंहगना अरोड़ा अनमोल नरेंद्र प्रताप सिंह बेहिसाब अमित कुमार द्विवेदी निकिता इत्यादि कवि उपस्थित थे।

सहायक उपकरण प्रदान करने एलिम्को द्वारा परीक्षण शिविर आयोजित

रीवा। लखौरीबाग स्थित दिव्यांगजनों के पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत स्नेह शिक्षण एवं मानव सेवा संस्थान में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भारत सरकार द्वारा मानसिक दिव्यांग एवं सेरेब्रल पॉल्सी से ग्रसित बच्चों हेतु निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एलिम्को की ओर से परीक्षण हेतु सौरभ मिश्रा उपस्थित रहे। इनके द्वारा स्नेह संस्था के अंतर्गत संचालित स्नेह मंदबुद्धि एवं मूक बधिर विद्यालय एवं प्रयास दिशा सेंटर के दिव्यांग छात्र-छात्राओं का परीक्षण किया गया। परीक्षण शिविर के अंत में संस्था संस्थापक एवं अध्यक्ष रामसेवक साहू ने एलिम्को से आए सौरभ मिश्रा का आभार व्यक्त किया।

इंटरनेशनल रिसर्च कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार

सम्मानित हुए डॉ अखिलेश और शोधार्थी श्वेता निगम

जागरण, सतना। एकेएस विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के एसोसिएट डीन प्रो अखिलेश ए वाऊ और शोधार्थी श्वेता निगम को कार्यस्थल समावेशन पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ है। स्वेता निगम शोधार्थी कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में शोधार्थी हैं उन्होंने विश्वविद्यालय में उनके सुपरवाइजर डॉ अखिलेश ए वाऊ के कुशल निर्देशन में हिस्सा लिया। प्रतिष्ठित 13वीं इंटरनेशनल रिसर्च कॉन्फ्रेंस 2025 में वह सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित हुईं। यह सम्मेलन 22 मार्च 2025 को आदित्य इंस्टीट्यूट ऑफमैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, मुंबई में आयोजित किया गया था। उन्होंने एआई.ड्रिवन, आरपी,बॉट्स के माध्यम से कर्मचारियों के लिए समावेशन एवं मानसिक स्वास्थ्य सुधार विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।उनका शोध कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन का उपयोग करके कार्यस्थल समावेशन को बढ़ाने पर केंद्रित है ताकि विकलांग कर्मचारियों को विशेष सहायता मिल सके और उनकी उत्पादकता एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया जा सके। इस सम्मेलन में अनेक उच्च गुणवत्ता पूर्ण शोध पत्र अग्रणी शिक्षाविदों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों और छात्रों की उपस्थिति में प्रस्तुत किए गए। प्रोचांसलर अनंत कुमार सोनी कुलपति प्रोबीएचोपड़े,डीन प्रो जीकेप्रधान ने शुभकामनाए दी हैं।

भाजपा ने जिले भर में हर्षोल्लास से मनाई अंबेडकर जयंती

जागरण, सतना। सामाजिक सुधारक दलित आंदोलन के प्रणेता एवं भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती जिलेभर में बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के सांसद गणेश सिंह जिलाध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय महापौर योगेश ताम्रकार' ने सोमवार को सेमरिया चौक स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय ने जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा आज बाबा साहब की जयंती पर मैं उन्हें कोटि.कोटि नमन करता हूँ। यह उन्हीं की प्रेरणा का परिणाम है कि आज देश सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने की दिशा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उनके सिद्धांत एवं आदर्श आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को नई दिशा व गति प्रदान कर रहे हैं। सांसद गणेश सिंह ने अपने संबोधन में कहाए श्समाज वही बदल सकता है जिसने अपना इतिहास पढ़ा हो। जिसने अपना इतिहास नहीं पढ़ा वह न तो समाज को बदल सकता है और न ही खुद को। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के अलौकिक शिल्पकार और विश्व बंधुत्व के पुजारी थे। उनके ज्ञान का प्रकाश और सर्वजन हिताय की भावना से भारत की पावन भूमि धन्य हुई है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाने तथा आपसी सद्भावए शांति और एकजुटता के साथ राष्ट्रोत्थान में योगदान देने का संकल्प लिया। भाजपा 'जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता श्श्यामू'ने जानकारी देते हुए बताया कि अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के सभी 26 मंडलों एवं 1376 बूथों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक के रूप में जिला महामंत्री रमाकांत गौतम, सरोज गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल सिंह, निरंजन प्रजापति को नियुक्त किया गया था।

दिल पर नहीं पड़ेगा इलाज का बोझ, अब महंगा टेस्ट भी फ्री में

जागरण,रीवा। बीमार दिलों के लिए कुछ राहत भरी खबर है। दरअसल हृदय से जुड़ी ईको कार्डियोग्राफी की जाँच अब जिला अस्पताल में हो सकेगी और इसके लिए जेब पर बिल्कुल भी भार नहीं पड़ेगा। इसके अलावा हार्ट से जुड़ा टीएमटी टेस्ट भी जिला अस्पताल में जल्द निःशुल्क किया जा रहा है। ईको जांच भी इस माह के अंतिम सप्ताह तक शुरू की जा रही है। जिला अस्पताल में इस तरह की सुविधा शुरू होने से हर रोज पहुँचने वाले ऐसे दर्जन भर मरीजों को फायदा होगा। सामान्य तौर अब मरीज को इसके लिए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और प्राइवेट केन्द्रों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा और न ही निजी स्तर पर जाँच के लिए 2000 से 3000 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। सुपर स्पेशलिटी में भी यह सुविधा 500 रुपए प्रति मरीज के हिसाब से दी जाती है लेकिन जिला अस्पताल में मरीज निःशुल्क इसका लाभ ले सकेंगे। अस्पताल प्रबंधन की मानें तो मशीन की टेस्टिंग हो गई है।

विंध्य कौशल आर्ट फेस्टिवल का सीएम राइज में हो रहा भव्य आयोजन

जागरण, सतना। विंध्य कौशल आर्ट फेस्टिवल द्वारा क्षेत्र में कला के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सीएमराइज विद्यालय में रंग प्रवर्तन सांस्कृतिक समिति रुंगवा द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें पहले दिन रामपुर बघेलान विधायक विक्रम सिंह विक्की द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया साथ ही उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन से क्षेत्र की प्रतिमाएं निकलकर सामने आती हैं और अपने क्षेत्र का नाम भी रोशन होता है इसलिए ऐसे आयोजन क्षेत्र में होते रहने चाहिए। जिसके तहत तीसरे दिन दो नाटकों की प्रस्तुत हुई सर्वप्रथम ष्नाटक मौत रात भर क्यों नहीं आतीष्जिसका निर्देशन अंकित मिश्रा ने किया है।प्रस्तुति रंग उत्सव नाट्य समिति की थी इसकी कहानी एक मध्यमवर्गीय परिवार के व्यक्ति की है जो कर्ज के बोझ तले तथा अपने परिवार की जरूरतों को पूरा न कर पाने की वजह से आत्महत्या करने का निर्णय लेता है। आत्महत्या के विभिन्न तरीकों को अपनाने की कोशिश करता है।और हर तरीके में विफ्ल रहता है। इसके बाद नाटकष् पुराने चावल ष् की प्रस्तुति हुई जिसके निर्देक हर्षवर्धन सिंह परिहार और प्रस्तुति चरैवेति द कल्चरल वेरिएंट सोसायटी की थीं इस नाटक में शिवम् चौधरीएअमितेश सेन सिखा पाण्डेय ने अभिनय किया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक प्रभाकर सिंह विधायक प्रतिनिधि विद्याधर तिवारी श्रीप्रकाश पांडेय संयोजक विजयंत पांडेय विवेक त्रिपाठी जयंत पांडेय पुष्पराज कुशवाहा अमन मिश्रा पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष कमलेश कचेर पार्षद शिवांक त्रिपाठी पार्षद अब्दुल इश्हाक प्रशांत त्रिपाठी ऋषिधर त्रिपाठी सहित अन्य दर्शक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

14 अप्रैल से 7 जून तक 24 शुभ मुहूर्त में बजेगी शहनाई

जागरण, रीवा। पिछले एक महीने से शुभ मुहुर्त पर लगा विराम अब समाप्त हो गया। रविवार 13 अप्रैल से खरमास समाप्त माने जायेंगे, फिर गुरु ग्रह का उदय होगा। इसके साथ ही, जिले में वैवाहिक आयोजनों की धूम आरम्भ हो जायेगी। गांव से लेकर शहर तक विवाह, उपनयन आदि शुभ कार्य होने लगेंगे। इस ग्रीष्म ऋतु में दूर-दूर से आने वाली बैंड-बाजे की आवाज लोगों को आनंदित करेंगी। इस बार विगत वर्ष की अपेक्षा अधिक शुभ मुहूर्त हैं, जिनकी संख्या 14 अप्रैल से 7 जून तक 24 दर्शित हो रही है। अर्थात लोगों को मांगलिक कार्यक्रम सम्पन्न करने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। बता दें कि वर्ष 2025 के अप्रैल महीने में शुभ लग्न अप्रैल में 14, 16, 18, 20, 21, 25, 29 एवं 30 दिनांक को शुभ मुहूर्त दर्शित हो रहे हैं। जबकि मई में 1, 5, 6, 7, 8, 9, 11, 13, 15, 18, 22, 23 एवं 28 दिनांक को शुभ मुहूर्त बताए गए हैं। जून महीने में केवल चार दिवस 2, 4, 5, 7 तारीख को शुभ मुहूर्त हैं। इसके पश्चात पुनः चार माह का विराम मांगलिक कार्यों पर लग जायेगा।

फिर नवम्बर से आरम्भ होंगे शुभ मुहूर्त : तदुपरांत नवम्बर में देवउठनी एकादशी से 22, 23, 24, 25, 29 और 30 दिनांक को शुभ मुहूर्त रहेंगे। वर्ष 2025 के अंतिम माह दिसम्बर में भी 1, 4, 5, 6 एवं 10 दिनांक को शुभ मुहूर्त रहेंगे। अर्थात् वर्ष 2025 में शुभ मुहूर्त की भरमार है। जबकि वर्ष 2024 में कमोवेश कम शुभ मुहूर्त रहे, जिसकी भरपाई वर्ष 2025 में हो रही है।

सज्जनपुर मंडल में कार्यक्रम सम्पन्न

जागरण, रामपुर बाघेलान। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार सज्जनपुर मंडल में भारत रत्न संविधान निर्माता करोड़ों देशवासियों के आत्म गौरव के प्रतीक श्रद्धेय बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया गया।आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह परिहार दिनेश दहिया सुनील तिवारी पूसई प्रजापति अलका सिंह भगवत सिंह राजेश गौतम दिगपाल सिंह शिव शंकर शर्मा ज्ञानी शुक्ला सुरेंद्र सिंह रणजीत दहिया सुरेंद्र तिवारी पप्पू सिंह राज ललन सिंह नारायण साहू हीरा मन सिंह राजभान गौतम शक्ति कॉल नीरज मल्लाह कमला शरण पांडे प्रदीप सिंह भूषण सिंह डॉक्टर बृजकिशोर त्रिपाठी श्री राम सिंह अमित शुक्ला जेपी तिवारी आदि कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

आदर्श विद्यालय में मनाई गई अम्बेडकर जयंती

जागरण, सतना। नगर परिषद रामपुर बघेलान अंतर्गत संचालित आदर्श उच्च मा वि रामपुर बघेलान में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिसमें पूर्व पार्षद रामायण सिंह ने डॉ साहब को सामाजिक समरसता का पुजारी बताया।वहीं शिक्षक रामबली सिंह ने उन्हें मानवता और शिक्षा का अग्रदूत बताते हुए कहा कि आपके द्वारा रचित संविधान से ही आज देश की कानून व्यवस्था लोगो मे आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता की मिसाल कायम हुई है। इस अवसर पर रामचरित सिंह,सुग्रीव प्रजापति प्रिंसी शुक्ला, माया प्रजापति, कंचन, नीरज सिंह माया वर्मा वीना सिंह, आशिकी तिवारी के साथ विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे।

बीज ग्राम कार्यक्रम का लाभ मात्र 16 किसानों को मिला

जागरण, रीवा। उप संचालक कृषि कार्यालय विभाग के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए जाने भारत सरकार द्वारा बीज ग्राम कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम किसानों को अनाज, दलहन, तिलहन, चारा और हरी खाद वाली फसलों के लिए आधार प्रमाणित बीज प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को अनाज की फसलों के लिए बीज लागत का 50 फीसदी और अन्य फसलों के लिए 60 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रति किसान प्रति एक एकड़ तक के लिए उपलब्ध है। रीवा की मुख्य फसलें गेहूं, चावल, दलहन व तिलहन हैं, लेकिन विभागीय आंकड़ों के अनुसार इस कार्यक्रम का लाभ रीवा क्षेत्र के मात्र 16 किसानों को ही मिल सका। भारत सरकार द्वारा संचालित बीज ग्राम कार्यक्रम का लाभ किसानों ने नहीं उठाया या फिर इसमें विभागीय लापरवाही रही ये तो किसान ही बेहतर बता रहे हैं।

किसानों तक जानकारी ही नहीं पहुंच पाती : किसान संतोष द्विवेदी ग्राम बंदरिया ने बताया कि कौन किसान नहीं चाहता कि उसे उन्नत किस्म के बीज आधे दाम में मिले। हर किसान इसका लाभ चाहता है, लेकिन योजना के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। पढ़े, लिखे हैं, लेकिन जब जानकारी ही नहीं हो तो कहां जाएं। कुछ लोग कृषि विभाग जाते भी हैं तो वहां उन्हें ठीक से जानकारी नहीं मिल पाती।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां विधायक विक्रम सिंह रहे मुख्य अतिथि

जागरण, सतना। भारत इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल सफ्लतम 1 वर्ष पूर्ण होने के बाद विद्यालय में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामपुर बघेलान विधायक विक्रम सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि विद्याधर तिवारी कवि रामपाल सिंह प्रतिष्ठित सर्राफ व्यवसायी हरनंदन सोनी शैलेंद्र निगम शिवभगत द्विवेदी के साथ भारत इंटरनेशनल स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती पदमा सुनील सोनी डायरेक्टर अभिषेक सोनी श्रीमती आरती सोनी के साथ प्रिंसिपल श्रीमती अंकुल कुलकर्णी और अभिभावकों के साथ समस्त शिक्षण स्टाफ और छात्र.छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे और रंगारंग प्रस्तितियाँ दी। जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम सिंह ने विद्यालय के विषय मे कहा कि अभी तक रामपुर बघेलान क्षेत्र के बच्चों को दो घंटे का सफ्र करके शिक्षक ग्रहण करने के लिए जाना पड़ता था मगर भारत इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल खुल जाने से रामपुर बाघेलान क्षेत्र के लोगों को बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए बहुत ही आसानी हो गई है और जिस तरह से विद्यालय नए.नए आयाम के साथ शिक्षा प्रदान करने के लिए तत्पर है वह उनके कार्यक्रम से ही देखा जा सकता है जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों ने ऐसी प्रस्तुतियां दी है कि वह काबिले तारीफ हैं।

जल जीवन मिशन: टंकी निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी

जागरण मनमानी

टंकी निर्माण के गुणवत्ता एवं मापदण्डों पर खड़े हो रहे सवाल

शासन को लग रहा करोड़ों रुपए का चूना

जागरण, सीधी

केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना से घर-घर जल पहुंचाने के जिम्मेदार जल निगम विभाग के संविदाकार द्वारा रामपुर नैकिन क्षेत्र के चोभरा दिग्विजय सिंह में बन रही टंकी निर्माण के गुणवत्ता एवं मापदण्डों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना से घर-घर जल पहुंचाने के जिम्मेदार जल निगम विभाग के संविदाकार द्वारा जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र अंतर्गत चोभरा दिग्विजय सिंह में बनाई जा रही टंकी निर्माण में गुणवत्ता एवं मापदण्डों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पानी के लिये शासन के करोड़ों रूपये एलसीसी कंपनी पानी फेर रही है। जिले में पाईप लाईन के माध्यम से जल जीवन मिशन की टंकियों में पानी पहुंचाने एवं पानी की टंकियों के निर्माण का काम करा रही एलसीसी कम्पनी पर जल निगम के अधिकारियों की मेहरबानी से शासन को करोड़ों रुपए का चूना लग रहा है। एलसीसी कम्पनी के द्वारा पेटी कांट्रेक्टरों को पानी की टंकी का निर्माण कार्य सौंप दिया गया है। पेटी कांट्रेक्टर टंकी निर्माण की गहराई दो मीटर की जगह एक मीटर कर चुपचाप सीसी कर दिए हैं। पेटी कांट्रेक्टर पानी की टंकी के निर्माण में खुलेआम गुणवत्ता की अनदेखी कर रहे हैं। जल निगम के अधिकारी कम्पनी के इशारे पर एमवी रिकार्ड कर कम्पनी को अच्छा खासा फायदा पहुंचा रहे हैं। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पानी ले जाने के लिए कम्पनी द्वारा जो पाईप लाईन जमीन के अंदर लगाई जा रही है उसकी भी गहराई डीपीआर के अनुसार नहीं खोदी गई है। जबकि एक मीटर गहराई में पाईप लाईन जमीन के अंदर बिछानी होती है। इतना ही नहीं जिस स्थान पर कम्पनी द्वारा पाईप लाईन डाली गई है वहां बैक फिलिंग तक नहीं की गई है। जिसके कारण ग्रामीणों को काफी समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं। कम्पनी द्वारा बिना ग्राम पंचायत की अनुमति के ही मनमानी तरीके से पाईप लाईन डालने का काम किया जाता है। जिन किसानों के खेतों में पाईप लाईन डाली गई है उन किसानों से

> मामला संज्ञान में लाया गया है, उस स्थान में तकनीकी अधिकारियों को भेज कर निर्माण कार्य का निरीक्षण एवं जांच कराने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।
>
> **नीरव अग्रवाल, महाप्रबंधक जल निगम सीधी**

कम्पनी के कर्मचारी अनुमति लेना उचित नहीं समझे हैं। तहसील रामपुर नैकिन अंतर्गत दर्जनों गांवों में पानी की टंकी का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें गुणवत्ता की काफी कमी देखने को मिल रही है। एलसीसी कम्पनी के पीएम एवं अन्य कर्मचारी मनमानी तरीके से काम कर रहे हैं। कम्पनी द्वारा जल निगम द्वारा निर्धारित मापदंडों व डीपीआर की अनदेखी कर अपने हिसाब से काम करा रहे हैं। जल निगम के अधिकारी भी एलसीसी कंपनी को मदद पहुंचाने में लगे रहते हैं। बताया गया है कि पानी ले जाने के लिए जो पाईप लाईन का विस्तार कम्पनी की है उन पाईपों में गुणवत्ता नही है। कम्पनी द्वारा कुछ पाईपें जल निगम के अधिकारियों को दिखाने के लिए निर्धारित मापदंड की रखी जाती है जबकि अधिकांश पाईप गुणवत्ता विहीन होती है। इसी तरह कम्पनी द्वारा पानी की टंकी का जहां.जहां निर्माण कराया जा रहा है वहां कम्पनी के नींव की गहराई डीपीआर के अनुसार नहीं की जाती। पेटी कांट्रेक्टर अपने फायदे के चक्कर में टंकी के निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी कर रहे हैं।

सरकारी जमीन में अतिक्रमण, हुई एफआईआर

मामला परासी पंचायत का, सचिव की शिकायत पर हुई कार्यवाही

जागरण, सीधी

जिले के मझौली जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत परासी में शासकीय भूमि पर सड़क निर्माण कराने के दौरान शिक्षक रोड़ा बन गए। जिन्होंने सड़क निर्माण के दौरान सड़क में गड्ढा खोदकर काम रोंकने का प्रयास किए। सचिव की शिकायत पर मझौली पुलिस द्वारा उनके खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर दिया है। फरियादी सचिव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी शिक्षक व उसके परिजन सभी निवासी ग्राम परासी चौकी मड़वास थाना मझौली जिला सीधी द्वारा शासकीय जमीन पर बन रही सड़क में अवरोध पैदा किए थे। ग्राम पंचायत परासी जनपद मझौली में शासकीय भूमि पर जबरन गड्ढा खोदकर रास्ता रोंकने की शिकायत पंचायत के सचिव द्वारा मझौली थाने में की गई। जिसकी शिकायत पर आरोपीगणों के खिलाफ अपराध धारा 296, 351 (3), 3 (5), 223 भान्यास का घटित होना पाये जाने से अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया। ग्राम पंचायत भुमका अंतर्गत ग्राम परासी में नवीन स्वीकृत सड़क निर्माण टिकरी-गिजवार मुख्य मार्ग से पश्चिम टोला कोलान आदिवासी बस्ती में प्रस्तावित आगनवाड़ी केंद्र तक उपरोक्त मद की स्वीकृति की अनुमति जिला पंचायत सीईओ सीधी द्वारा अपने आदेश क्र. 3285 दिनांक 21 मार्च 2025 द्वारा जारी की गई है। इस मामले में सड़क का काम शुरू होते ही उपरोक्त लोगों द्वारा बाधा पैदा करना शुरू कर दिए। जिसके खिलाफ पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई।

हस्तिनापुर में धूमधाम से मनी अम्बेडकर जयंती

जागरण, सेमरिया। नेहरू युवा केन्द्र सीधी द्वारा भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती आज दिनांक 14 अप्रैल 2025 को ग्राम हस्तिनापुर में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा डॉ. भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर छायाचित्र ग्राम के युवाओं द्वारा बनाया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार पुष्पेंद्र प्रजापति, द्वितीय पुरस्कार रोशनी प्रजापति, तृतीय पुरस्कार रंजना विश्वकर्मा का रहा। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा बाबा साहब के बारे में जानकारी गांव के युवाओं को उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत क्षेत्र ओबरहा के सरपंच सनत कुमार केवट एवं विशिष्ट अतिथि दया सिंह, सतानंद विश्वकर्मा, कलावती साकेत, रामगरीब कोरी, परमानन्द बढ़ई रहे। मंडल सदस्यों में अजय नवैत, मोहनलाल नवैत, निशू, रघुवेंद्र प्रजापति, राजीव प्रजापति, संतोष साकेत एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

बाबा साहब की जयंती पर भाजपाइयों ने अर्पित की पुष्पांजलि

जागरण, सीधी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सबका साथ सबका विकास और विकसित भारत के संकल्प के साथ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जन्म जयंती पर अंबेडकर चौक पहुंचकर भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अगुवाई में बाबा साहब को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए माल्यार्पण किया। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान, लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य इंद्रशरण सिंह चौहान, केके तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष बृज बिहारी लाल शर्मा, लाल चंद्र गुप्ता, जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, जिला उपाध्यक्ष संदीप शर्मा, जिला महामंत्री विनोद साकेत, विश्वबंधु धर द्विवेदी, मोतीलाल पटेल, सुनीता रानी वर्मा, सुरेंद्र मणि दुबे, डॉ. मनीला सिंह चौहान, मोर्चा अध्यक्ष राकेश मौर्य, मंडल अध्यक्ष पंकज पाण्डेय, मुनिराज विश्वकर्मा, शिवदान साकेत, बाबूलाल कुशवाहा, आनंद परियानी, दिनेश गुप्ता, तुषार धर द्विवेदी सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब अमर रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, भारत माता की जय के शानदार उद्घोष किया। पूर्व संध्या पर पार्टी पदाधिकारी द्वारा अंबेडकर चौक को की साफ सफाई एवं दीप जलाकर सजावट का कार्य किया गया था। जिले के 1000 से अधिक बूथ पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा भारत रत्न डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई गई।

बाबा साहब की जयंती पर कांग्रेस ने अर्पित की श्रद्धांजलि

जागरण, सीधी। भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने कलेक्ट्रेट चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उक्त अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आज भी बाबा साहेब के विचार समाज के हर तबके को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की प्रेरणा देते हैं। ज्ञान सिंह ने आगे कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे की शिक्षा देता हो। जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन यह सिखाता है कि शिक्षा और संगठन शक्ति का उपयोग कर कोई भी व्यक्ति समाज की दिशा बदल सकता है। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं। उक्त अवसर पर पूर्व अध्यक्ष आनंद सिंह, वरिष्ठ नेता विनोद वर्मा, वरिष्ठ पार्षद विनोद मिश्रा, पूर्व संगठन मंत्री सुरेश प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष रजनीश श्रीवास्तव, महामंत्री भूपेंद्र सिंह, प्रदेश महिला कांग्रेस महामंत्री कुमुदिनी सिंह, महामंत्री ओंकार सिंह, महामंत्री ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, अखंड प्रताप सिंह, अरविंद सिंह, रोशन, शशिकला द्विवेदी, शीला, रानी साकेत, गौरी साकेत, रेखा सिंह, कृतिमा सिंह, सुनील सिंह, जलम मोहम्मद, हफीज, लाला भाई, अश्वनी सिंह सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शिवसेना ने मनाई डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती

जागरण, सीधी। नगर कार्यालय में शिवसेना इकाई द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय ने बाबा साहब को महानायक बताते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने देश को न सिर्फ संविधान दिया, बल्कि समाज में समानता, शिक्षा और न्याय की स्थापना की। विवेक पाण्डेय ने भावुक होते हुए कहा कि जब उनके ऊपर एक साल के लिए जिलाबदर जैसी कार्यवाही हुई थी तब उन्हें बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान के तहत न्याय मिला। तीन महीने के अंदर वे दोषमुक्त होकर अपने गृह जिले वापस लौटे। उन्होंने कहा कि ये डॉ. आंबेडकर की ही देन है कि आज देश के हर नागरिक को न्याय पाने का अधिकार मिला है। श्री पाण्डेय ने युवाओं से अपील की कि वे अधूरी शिक्षा और अधूरे ज्ञान से दूर रहें। उन्होंने कहा कि समाज को जाति और धर्म में बाँटने की बजाय बाबा साहब के विचारों को अपनाएं व जीवन परीक्षा बाबा साहब का जाने। डॉ. आंबेडकर किसी एक वर्ग के नहीं बल्कि पूरे देश के महानायक हैं। वे हर भारतवासी के दिल में बसते हैं। इस मौके पर शिवसेना कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस बीच श्रद्धांजलि अर्पित में मौजूद रहे परदे उपाध्यक्ष वाइव पाण्डेय, संभाग संयोजक संत कुमार केवट, जिल्द बेनाम सिंह बघेल उर्फभोले, जिला महामंत्री आशीष मिश्रा, नगर अध्यक्ष जैनेंद्र सिंह चौहान उर्फमुन्ना, नगर सहसंयोजक राजन मिश्रा, युवा संयोजक आकाश परांडे, बंसराखन कोल आदि मौजूद रहे।

CHANGE OF NAME

I Army Number 6494477K Rank Sep Name Hemraj Singh Unit Corps OF ASC presently Residing at village Baghwari post Baghwari tehsil gopad banas distt sidhi (m.p.) pin code 486661 do hereby solemnly affirm and declare that name of daughter manshi singh has been mistakenly Recorded as mansee in my Army serviece record which in incorrect. The correct name is my daughter manshi singh as per her aadhar card and markseet other dacuments and same shall be considered in future in all records.
Incorrect name- mansee
Correct name- manshi singh

एसआईटी ग्रुप के वार्षिक उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

सांस्कृतिक कार्याक्रम में छात्र-छात्राओं ने दी आकर्षक प्रस्तुति

जागरण, सीधी

एसआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स का वार्षिक उत्सव संकल्प 2025 लोकसभा क्षेत्र सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य अतिथ्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के साथ आयोजित किया गया। आयोजन में संस्था के छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। आयोजन में प्रमुख रुप से पीके सिंह जिला शिक्षा अधिकारी जिला सीधी धर्मेंद्र सिंह परिहार अध्यक्ष जनपद पंचायत सीधी, इंद्रशरण सिंह चौहान सदस्य प्रदेश कार्यसमिति भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश, देवेंद्र सिंह मुन्नू, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी चंद्रमोहन गुप्ता, संजय सिंह भदौरिया, रवि केशरी, भोला प्रसाद गुप्ता के अलावा अभिभावक बंधू, अन्य गणमान्य नागरिक एवं भारी दर्शकों के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम मे लगभग सभी संस्कृत्तिक विधाओं की प्रस्तुति दी गयी सांस्कृतिक संध्या का आगाज मां सरस्वती की प्रतिमा पर धूप दीप, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना से किया गया। उसके पश्चात एक से बढ़कर एक प्रस्तुति छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गयी जिसमे भारतीय संस्कृति के सभी रूप देखने को मिले जिसमे लोकनृत्य समूहगान नैतिक एवं मौलिक शिक्षा पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां दी गयी। जिनकी प्रस्तुतियों ने सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है की कार्यक्रम के अंत तक भारी भीड़ बनी रही और अगली प्रस्तुति की उत्सुकता भी आखिरी प्रस्तुती तक कायम रही। अतिथियों का स्वागत एवं प्रगति प्रतिवेदन एमडी एवं प्राचार्य एसआईटी पब्लिक स्कूल श्रीमती शोभा रेड्डी ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. राजेश मिश्रा ने उद्बोधन में कहा की एसआईटी ग्रुप इस क्षेत्र का सबसे सफल सक्षम एवं भविष्य की शिक्षा के अनंकूल है तथा जिले में शिक्षा हेतु नित नए आयाम देने हेतु प्रयासरत है। इन्द्रशरण सिह ने कहा की यहा की शिक्षा प्रबंधन और अनुशासन उच्चतम स्तर का है यहा विद्यार्थी सुरक्षित रहकर गुणवता पूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकते है। वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रमोहन गुप्ता ने कहा की एस आईटी ग्रुप सीधी का प्रथम शिक्षण संस्थान है जो सीधी के विद्यार्थियों को रोजगार उन्मूलक शिक्षा और टेक्निकल एजुकेशन को बढ़ावा देने वाला संस्थान है एवं यह के शैक्षणिक स्टाफ का विषय ज्ञान तात्कालिक एवं दूरदर्शी के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का है। संस्था के संचालक दीपक गुप्ता ने उदवोधन में कहा की एस आईटी ग्रुप स्वाबलंबन युक्त शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्य आधरित राष्ट्र प्रेमी नौजवान विकसित करने के लिए कृत संकल्पित है। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन अवनींद्र शुक्ला श्वेता द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम के अंत एसआईटी ग्रुप के मैनेजमेंट हेड अभिषेक सिंह ने संकल्प 2025 के संयोजक संदीप सिंह एवं आयोजन समिति के सदस्यों को कार्यक्रम के भव्य अयोजन की बधाई देते हुए आए हुए सभी गणमान्य नागरिकों एवं दर्शको को धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वच्छता एवं जन जागरुकता से ही होगा जलाशयों का पुनरुद्धार

जागरण, सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा पूरे जिले में जन जागरूकता, संगोष्ठी, रैली, दीवार लेखन एवं पेंटिंग के माध्यम से जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जिला कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के दिशा निर्देशानुसार जिले के अंतर्गत वृहद रूप से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाने हेतु मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया द्वारा प्रयास किया जा रहे है। इस अभियान में जन अभियान परिषद का समस्त अमला परामर्शदाता विनय तिवारी, परामर्शदाता अजीत वर्मा, रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के पदाधिकारी, नवांकुर समिति प्रकाश जन विकाश समिति सीधी के द्वारा अनेकों प्रकार की गतिविधि संचालित करके योजना को सफल एवं जन जन तक पहुचाने का कार्य हो रहा है। इसी क्रम में दिनांक 13 अप्रैल को विकासखंड सीधी बड़ौरा सेक्टर 2 के बढौरा नदी, बढौरा मंदिर परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बढ़ौरा नदी में स्वच्छता कार्यक्रम के माध्यम से पड़ी हुई गंदगी एवं गाद निकालने का कार्यक्रम चौन सिस्टम मानव श्रृंखला बनाकर किया गया। विकासखड़ बढौरा सेक्टर 2 के अंतर्गत बढौरा पंचायत में वृहद रूप से जल संरचनाओं की स्वच्छता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के पदाधिकारी अनुराग मिश्रा, विपिन तिवारी, रश्मि तिवारी, अंशिका द्विवेदी, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र भावना गुप्ता, अखिल पाण्डेय, गुंजन तिवारी, मनोज देवी, मोहित पाण्डेय एवं विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु सेवा बस्तियों में पहुंचे स्वयं सेवक

जागरण, मझौली। त्रयंबकेश स्मृति न्यास सीधी द्वारा चलाए गए सर्व शिक्षा सेवा अभियान जिसका उद्देश्य शासन द्वारा प्रदान की जा रही निःशुल्क शिक्षा के जानकारी से अवगत कराते हुए वंचित जरूरतमंद बच्चों को विद्यालयों में नामांकन के लिए प्रेरित किया जाना है के तहत आज 14 अप्रैल 2025 दिन सोमवार संविधान निर्माता भारतरत्न प्राप्त बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 जन्म जयंती पर मझौली खण्ड के स्वयंसेवक नगर क्षेत्र मझौली के वार्ड क्रमांक 8, 9, 10 एवं 11 में पहुंच मध्य प्रदेश शासन द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम आरटीई से निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना जिसके तहत गरीब परिवार के बच्चों को निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश तथा निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। वहीं शासकीय विद्यालयों में अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत माध्यमिक स्तर तक की जहां निःशुल्क पाठ पुस्तक, गणवेश के साथ निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाना है की जानकारी से क्षेत्रीय जनों को अवगत कराते हुए शिक्षा से वंचित जरूरतमंद गरीब बच्चों तथा अभिभावकों को सुविधा अनुसार नजदीकी निजी एवं शासकीय विद्यालयों में शिक्षा सत्र 2025-26 में नामांकन करने के लिए प्रेरित किया गया तथा चिन्हित बच्चों को शिक्षण सामग्री किट प्रदान की गई। इस दौरान वार्डों में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती मनाई गई तथा बाबा साहेब के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए उनकी जीवनी के बारे में अवगत कराया गया।

भाजपा कर रही संविधान की आत्मा पर हमला: पंकज

जागरण, सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज सिंह ने कहा कि 14 अप्रैल को जब देश बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाता है, तो यह केवल एक महापुरुष के जन्म की स्मृति नहीं होती, यह हमारे संविधान, हमारे लोकतंत्र और हमारे अधिकारों की रक्षा का संकल्प भी होता है। आज जब भारत एक संकट के दौर से गुजर रहा है, तो अंबेडकर की विचारधारा पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक हो गई है। उनका जीवन, उनका संघर्ष और उनके विचार आज के भारत के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश-स्तंभ हैं। बाबा साहब अंबेडकर ने भारत को एक ऐसा संविधान दिया जो समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व जैसे मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने देश को एक ऐसा ढांचा प्रदान किया, जिसमें हर नागरिक को बराबरी का अधिकार मिले, चाहे उसका धर्म, जाति, लिंग या वर्ग कोई भी हो। परन्तु आज वही संविधान खतरे में है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है वह बेहद चिंताजनक है।

हिंदू जागरण मंच की जिला बैठक हुई संपन्न

जागरण, सीधी। हिंदू जागरण मंच जिला सीधी की जिला बैठक स्थानीय गोपालदास मंदिर में आयोजित हुई। बैठक का संचालन डॉ. वर्षा गौतम प्रांत सहसंयोजक ने किया। साथ मातृशक्तियों की भूमिका हिन्दू जागरण में, समाज जागरण में, राष्ट्र जागरण में कैसी हो सकती, इस विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी। बैठक को वीरांगना वाहिनी की संरक्षक डॉ. रंजना शुक्ला ने भी विषयंकित कर अपने विचार को कार्यकर्ताओं के मध्य साझा किया। बैठक में अपने विचारों को श्रीमती पूनम तिवारी, रोहित तिवारी, पुनीत मणि त्रिपाठी, निकिता सोनी, वीरेंद्र गुप्ता, देवेंद्र सोनी और संतोष विश्वकर्मा ने भी व्यक्त किया। अंत में सारे विषय पर सुमित जायसवाल ने अपनी बात रखी की आज की बैठक कार्यकर्ताओं में स्वयं के दायित्व का बोध, स्वयं के दायित्व का निर्वहन, संगठन के 5 कार्य, 4 कार्यक्रम और हिंदू समाज के जागरण में हमारी भूमिका क्या होए इसकी जिम्मेदारी हमे स्वयं तय करनी है क्योंकि हम जिस लक्ष्य जिस विचार को लेकर कार्य कर रहे है वो है राष्ट्रसेवाए राष्ट्रसाधनाए संपूर्ण हिंदू समाज का जागरणए एवं उनकी सुरक्षाए और सामाजिक समरसता के पूर्ण समर्पित होकर कार्य करना है! हम सबका ध्येय यही होना चाहिएए इस जीवन को भारत माता के चरणों मेंए इस राष्ट्र के बलीबेंदी पर अर्पित करना हैए चुनौतियां दिन ब दिन बढ़ रही है हिन्दू और हिंदुत्व पर हमले रोज बढ़ रहे है। इस देश में हम बहुसंख्यक होकर भी मार खा रहे है, हमारी बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है, हम स्वयं सुरक्षित नहीं है आगे आने वाला समय और भी भीभत्स होने वाला है। उक्त बैठक में मुख्य रूप से डॉ. वर्षा गौतम, सुमित जायसवाल, डॉ. रंजना मिश्रा, पुनीतमणि त्रिपाठी, श्रीमती पूनम तिवारी, रोहित तिवारी, विनोद सोनी, बीरेंद्र गुप्ता, देवेंद्र सोनी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर व्याख्यानमाला आयोजित

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान हुआ आयोजन

डॉ. अंबेडकर की सामाजिक, धार्मिक और राजनीति के विचारों का हुआ वर्णन

जागरण, सीधी

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में विकासखंड मझौली के प्रज्ञा भवन जनपद पंचायत परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला में अंबेडकर के जीवनी, विचारधारा, सिद्धांतों एवं संविधान निर्माण में रही भूमिका का वक्ताओं द्वारा विस्तार से श्रोताओं को बताया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अंबेडकर के छायाचित्र में द्वीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा और स्वागत रजनीश मिश्रा विकासखंड समन्वयक जन अभियान परिषद द्वारा किया जाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अरविंद तिवारी प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी द्वारा अंबेडकर के जीवन परिचय को बताते हुए उनके विचारों को विस्तार से श्रोताओं को बताया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संतोष तिवारी सामाजिक चिंतक द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उनके द्वारा सामाजिक, धार्मिक और राजनीति के विचारों का विस्तार से वर्णन किया गया उनके जीवन में आए संघर्ष समाज को दिशा देने के लिए और वर्तमान पीढ़ी को उनके विचारों के अनुसार शिक्षित बनो संगठित बनो और संघर्ष करो के अनुसार समाज को संगठित बनाओ और समरसता की भावना समाज में बनाए रखने का आह्वान किया गया। डॉ. संतोष तिवारी ने वर्तमान पीढ़ी से आह्वान किया गया कि समाज में जो भ्रांतियां भगवान राम और डॉ. अंबेडकर के नाम से पैदा की जा रही है उनको दूर कर विचारों के अनुसार समाज को समरसता का भाव दें। कार्यक्रम के मुख्यातिथि महेंद्र सिंह गौतम वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा व्याख्यान माला में अंबेडकर के मूल मंत्र शिक्षित बनो, संघर्ष करो और संगठित रहो की प्रेरणा वर्तमान पीढ़ी को अनुसरण करने का आह्वान किए। अंबेडकर जी के समाज के किए गए योगदान और विचारों को उपस्थित श्रोताओं को व्यक्त किए। कार्यक्रम के समापन में आभार रजनीश द्विवेदी परामर्शदाता द्वारा किया गया और संचालन रंगदेव कुशवाहा परामर्शदाता द्वारा किया गया और प्रायोजक के रूप में सत्य सरोवर समाज सेवा संस्थान कि सहभागिता रही। तत्पश्यात निकली गई जागरूकता रैली।

बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर नगर में निकाली भव्य शोभा यात्रा

जागरण, लवकुशनगर

बाबा साहब डा. भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर नगर में भव्य शोभा निकाली गई। शोभा यात्रा में शामिल बैंड बाजों की धुनों पर युवाओं ने जमकर खुशी मनाई। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। सोमवार को बाबा साहब डा. भीमराव आम्बेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति ने नगर के अक्टौहा रोड़ से शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभा यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में आसपास के क्षेत्र से भी लोग पहुंचे। शोभा यात्रा महोबा रोड़, मुख्य बाजार, चंदला रोड़ से होती हुई पुरानी तहसील मैदान में पहुंच कर समाप्त हुई जहां शोभा यात्रा में स्कूली बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शोभा यात्रा को देखने बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। बाबा साहब की मनोरम झांकी ने सभी लोगों का मन मोह लिया।

बाबा साहब अंबेडकर की 134वीं जयंती पर निकली विशाल रैली

कटनी। नगर मे बाबा साहब अंबेडकर की 134वीं जयंती पर भव्य विशाल रैली का आयोजन किया गया। मुख्य कटनी रेलवे स्टेशन से शुरू हुई रैली में हजारों की संख्या मे लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर स्थानीय क्षेत्र के नेता और अलग अलग संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। रैली मुख्य रेल्वे स्टेशन से होते हुए कमानिया गेट, सुभाष चौक, झंडा बाजार, शेर चौक, आजाद चौक, मिशन चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली। रैली में शामिल लोगों नें डीजे पर बाबा साहेब की जीवनी से जुड़े प्रेरणा दायक गीतों पर पुरे उत्साह से डांस किया। रैली की समाप्ति पर वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, उनकी सामाजिक सोच और संविधान में दिए गए विशेष अधिकारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक और महिलाएं भी बड़ी संख्या में युवाओं की टोली शामिल हुईं। रैली में भारी भीड़ के कारण यातायात प्रभावित ना हों इसके लिए पुलिस के जवान जगह जगह तैनात रहें।

कन्या महाविद्यालय में मनाई गयी बाबा सहाब अंबेडकर की जयंती

कटनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में प्राचार्य डॉ.चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन, राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रीना मिश्रा एवं एनसीसी केयरटेकर डॉ.स्मिता यादव के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.चित्रा प्रभात ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बाबा साहेब के प्रेरणादायी जीवन, उनके संघर्षों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे अंबेडकर जी ने विषम परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और देश के संविधान निर्माता के रूप में अमर हो गए। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ किसी भी कठिनाई को पार कर सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान अंबेडकर जी की जीवनी पर आधारित एक लघु फिल्म का ऑनलाइन प्रसारण किया गया, जिसे छात्राओं ने ध्यानपूर्वक देखा। इसके पश्चात राजनीति शास्त्र विभाग की अध्यक्ष श्रीमती वंदना मिश्रा ने बाबा साहेब के जीवन और उनके सामाजिक सुधारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने उनके समतामूलक समाज की स्थापना के प्रयासों को रेखांकित किया। छात्राओं ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और अंबेडकर जी के आदर्शों से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं और स्टाफ ने एकत्रित होकर संविधान की प्रस्तावना की शपथ ली, जिसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया गया। यह आयोजन न केवल बाबासाहेब के योगदान को याद करने का अवसर बनाए बल्कि छात्राओं में उनके विचारों को आत्मसात करने का उत्साह भी जगाया।

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना;-

पत्र क्र. **466** / भू-अर्जन / 2024 — मऊगंज दिनांक **10/02/2025**

चूकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमिअर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा -11 की उपधारा(1) के उपबंधो के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूचीतखाने के (5)में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है, चूंकिनईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजनाका निर्माण कार्य पूर्व से चल रहा है तथा अधिकांश भूमि का अर्जन पूर्व में ही किया जा चुका है एवं कुछ अंश भाग के भू-अर्जन की कायवाही वांक्षित है| इस कारण धारा 11 (3) के तहत सामाजिक समाधान निर्धारण रिपोर्ट का सार प्रकाशित नहीं किया जा रहा है |

भूमि का विवरण			लगभग क्षेत्रफल	धारा(1)12 की धारा द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम			
1	2	3	4	5	6
मऊगंज	नईगढ़ी	लौरकाटन 936	0.001 हे.	कार्यपालन यंत्री नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजना संभाग रीवा (म. प्र.)	डी. बी. निर्माण कार्य हेतु (नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाईपरियोजना अंतर्गत)

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टरमऊगंज एवं के पदेन उपसचिवराजस्व विभाग जिलामऊगंज के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में किया जा सकता है |

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(कोमल सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
उपसंभाग क्र. 2, मनगंवा
जिला - रीवा(म.प्र.)

(बी. पी. मिश्रा)
कार्यपालन यंत्री
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
जिला - रीवा(म.प्र.)

(अजय श्रीवास्तव)
कलेक्टर
जिला मऊगंजएवं पदेन उपसचिव
राजस्व विभाग

G-11502/25

नाम सुधार सूचना

मैं दिव्यांशी वर्मा आयु 19 आत्मजा श्री अशोक कुमार वर्मा मकान नम्बर 15/322, समान चुंगी नाका, रतहरा, इलाहाबाद रोड, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म.प्र.) की निवासी हूँ एवं शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि मेरा नाम दिव्यांशी वर्मा पिता जी का नाम श्री अशोक कुमार वर्मा एवं माता जी का नाम श्रीमती शान्ति पटेल है। मैंने वर्ष 2022–23 में 10वीं की परीक्षा ज्योति सीनियर हायर सेकण्डरी स्कूल, इलाहाबाद रीवा में अध्ययनरत रहते हुये उत्तीर्ण की है। मेरी कक्षा 10वीं की मार्कसशीट में मेरे पिता का नाम डॉ. अशोक कुमार वर्मा एवं माता जी का नाम डॉ. शान्ति पटेल दर्ज है, जबकि मेरे समस्त अभिलेखों में पिता जी का नाम अशोक कुमार वर्मा एवं माता का नाम शान्ति पटेल दर्ज है। अतः मेरे कक्षा 10वीं की मार्कसशीट में मेरे पिता जी का नाम अशोक कुमार वर्मा एवं माता का नाम शान्ति पटेल दर्ज कर दिया जाय एवं लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

RN- 82211 — दिव्यांशी वर्मा

नाम सुधार सूचना

मै श्रद्धा सिंह परिहार पुत्री आर. बी. सिंह उम्र 43 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 10 अनंतपुर तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र. आधार नं0 308449055366 है। शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि मेरे अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम श्रद्धा सिंह दर्ज है जबकि मेरे पैन कार्ड व आधार कार्ड मे मेरा नाम श्रद्धा सिंह परिहार दर्ज है। श्रद्धा सिंह एवं श्रद्धा सिंह परिहार दोनो नाम एक ही व्यक्ति के हैं, अर्थात मेरा ही नाम है। अतः मेरे अन्य दस्तावेजो में दर्ज नाम श्रद्धा सिंह को बिलोपित कर उसके स्थान पर मेरा नाम श्रद्धा सिंह परिहार अंकित कर पढ़ा, लिखा एवं जाना जाए।

RN- 82212 — श्रद्धा सिंह परिहार

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,
शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला–सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश)
फोन नम्बर–7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com , website. www.sanjaytigerreserve.in

क्र./ई–निविदा/2025/.......... — सीधी दिनांक ....

–: ई–निविदा सूचना :–

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में लाईन क्वाटर निर्माण कार्य क्षेत्र संचालक कैम्पस में 01 नग के लिये शासकीय कार्यो हेतु पंजीकृत संविदाकारों से वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	कार्य का नाम	मात्रा	लागत राशि	अमानत राशि
1	लाईन क्वाटर निर्माण कार्य क्षेत्र संचालक कैम्पस सीधी	01 नग	4800000.00	300000.00

इस निविदा के लिये दिनांक 25.04.2025 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे है। टेण्डर की विस्तृत जानकारी https://mptenders.gov.in/ के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 09.05.2025 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 10.05.2025 को दोपहर 3.00 बजे रहेगी। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट https://mpforest.gov.in/ पर भी देखी जा सकेगी।

उप संचालक
संजय टाईगर रिजर्व, सीधी

G-11517/25

अधिकारियों की सूझबूझ से निपटा बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा का विवाद

हरपालपुर। अंबेडकर जयंती के 1 दिन पहले 13 अप्रैल को दोपहर 1 बजे के लगभग छतरपुर जिले के हरपालपुर नगर में स्थित पुलिस थाने के सामने वाले शिव वाटिका पार्क में अचानक कुछ लोगों ने बिना अनुमति के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी । इसके बाद घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग सहित नगर पालिका को लगी तो अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीएम गोपाल शरण पटेल, तहसीलदार रंजना यादव, एसडीओपी अमित मेश्राम ने मौक पर पहुंचकर तत्काल प्रभाव से मौके पर मौजूद असामाजिक तत्वों को खदेड़ा एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों से बातचीत करके मामले का निपटारा कराया गया।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन–देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क – 8962086944

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना;-

पत्र क्र. **478** / भू-अर्जन / 2024 — मऊगंज दिनांक **10/02/2025**

चूकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमिअर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा -11 की उपधारा(1) के उपबंधो के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूचीतखाने के (5)में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है, चूंकिनईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजनाका निर्माण कार्य पूर्व से चल रहा है तथा अधिकांश भूमि का अर्जन पूर्व में ही किया जा चुका है एवं कुछ अंश भाग के भू-अर्जन की कायवाही वांक्षित है| इस कारण धारा 11 (3) के तहत सामाजिक समाधान निर्धारण रिपोर्ट का सार प्रकाशित नहीं किया जा रहा है |

भूमि का विवरण			लगभग क्षेत्रफल	धारा(1)12 की धारा द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम			
1	2	3	4	5	6
मऊगंज	नईगढ़ी	सरई सेंगर 955	0.008 हे.	कार्यपालन यंत्री नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजना संभाग रीवा (म. प्र.)	डी. बी. निर्माण कार्य हेतु (नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाईपरियोजना अंतर्गत)

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टरमऊगंज एवं के पदेन उपसचिवराजस्व विभाग जिलामऊगंज के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में किया जा सकता है |

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(कोमल सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
उपसंभाग क्र. 2, मनगंवा
जिला - रीवा(म.प्र.)

(बी. पी. मिश्रा)
कार्यपालन यंत्री
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
जिला - रीवा(म.प्र.)

(अजय श्रीवास्तव)
कलेक्टर
जिला मऊगंजएवं पदेन उपसचिव
राजस्व विभाग

G-11505/25

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना;-

पत्र क्र. **523** / भू-अर्जन / 2024 — मऊगंज दिनांक **10/02/2025**

चूकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमिअर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा -11 की उपधारा(1) के उपबंधो के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूचीतखाने के (5)में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है, चूंकिनईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजनाका निर्माण कार्य पूर्व से चल रहा है तथा अधिकांश भूमि का अर्जन पूर्व में ही किया जा चुका है एवं कुछ अंश भाग के भू-अर्जन की कायवाही वांक्षित है| इस कारण धारा 11 (3) के तहत सामाजिक समाधान निर्धारण रिपोर्ट का सार प्रकाशित नहीं किया जा रहा है |

भूमि का विवरण			लगभग क्षेत्रफल	धारा(1)12 की धारा द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम			
1	2	3	4	5	6
मऊगंज	नईगढ़ी	पटपरा 560	0.002हे.	कार्यपालन यंत्री नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजना संभाग रीवा (म. प्र.)	डी. बी. निर्माण कार्य हेतु (नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाईपरियोजना अंतर्गत)

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टरमऊगंज एवं के पदेन उपसचिवराजस्व विभाग जिलामऊगंज के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में किया जा सकता है |

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(कोमल सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
उपसंभाग क्र. 2, मनगंवा
जिला - रीवा(म.प्र.)

(बी. पी. मिश्रा)
कार्यपालन यंत्री
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
जिला - रीवा(म.प्र.)

(अजय श्रीवास्तव)
कलेक्टर
जिला मऊगंजएवं पदेन उपसचिव
राजस्व विभाग

G-11497/25

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना;-

पत्र क्र. **443** / भू-अर्जन / 2024 — मऊगंज दिनांक **10/02/2025**

चूकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमिअर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा -11 की उपधारा(1) के उपबंधो के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूचीतखाने के (5)में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है, चूंकिनईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजनाका निर्माण कार्य पूर्व से चल रहा है तथा अधिकांश भूमि का अर्जन पूर्व में ही किया जा चुका है एवं कुछ अंश भाग के भू-अर्जन की कायवाही वांक्षित है| इस कारण धारा 11 (3) के तहत सामाजिक समाधान निर्धारण रिपोर्ट का सार प्रकाशित नहीं किया जा रहा है |

भूमि का विवरण			लगभग क्षेत्रफल	धारा(1)12 की धारा द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम			
1	2	3	4	5	6
मऊगंज	नईगढ़ी	घुघुरी 257	0.003 हे.	कार्यपालन यंत्री नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजना संभाग रीवा (म. प्र.)	डी. बी. निर्माण कार्य हेतु (नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाईपरियोजना अंतर्गत)

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टरमऊगंज एवं के पदेन उपसचिवराजस्व विभाग जिलामऊगंज के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में किया जा सकता है |

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(कोमल सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
उपसंभाग क्र. 2, मनगंवा
जिला - रीवा(म.प्र.)

(बी. पी. मिश्रा)
कार्यपालन यंत्री
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
जिला - रीवा(म.प्र.)

(अजय श्रीवास्तव)
कलेक्टर
जिला मऊगंजएवं पदेन उपसचिव
राजस्व विभाग

G-11504/25

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना;-

पत्र क्र. **517** / भू-अर्जन / 2024 — मऊगंज दिनांक **10/02/2025**

चूकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है की इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके नीचे दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन लिए आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमिअर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा -11 की उपधारा(1) के उपबंधो के अनुसार सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूचीतखाने के (5)में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के समबन्ध में धारा-11द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है, चूंकिनईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजनाका निर्माण कार्य पूर्व से चल रहा है तथा अधिकांश भूमि का अर्जन पूर्व में ही किया जा चुका है एवं कुछ अंश भाग के भू-अर्जन की कायवाही वांक्षित है| इस कारण धारा 11 (3) के तहत सामाजिक समाधान निर्धारण रिपोर्ट का सार प्रकाशित नहीं किया जा रहा है |

भूमि का विवरण			लगभग क्षेत्रफल	धारा(1)12 की धारा द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम			
1	2	3	4	5	6
मऊगंज	नईगढ़ी	पटपरा 560	0.005 हे.	कार्यपालन यंत्री नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब परियोजना संभाग रीवा (म. प्र.)	डी. बी. निर्माण कार्य हेतु (नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाईपरियोजना अंतर्गत)

भूमि का नक्सा (प्लान) का अवलोकन कलेक्टरमऊगंज एवं के पदेन उपसचिवराजस्व विभाग जिलामऊगंज के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन अवधि में किया जा सकता है |

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(कोमल सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
उपसंभाग क्र. 2, मनगंवा
जिला - रीवा(म.प्र.)

(बी. पी. मिश्रा)
कार्यपालन यंत्री
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
जिला - रीवा(म.प्र.)

(अजय श्रीवास्तव)
कलेक्टर
जिला मऊगंजएवं पदेन उपसचिव
राजस्व विभाग

G-11496/25

ग्राम पंचायत परसेल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब निर्माण कार्य का शुभारंभ

जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने तालाब निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

जागरण डिंडोरी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर दो-दो तालाब के निर्माण को 31 मई तक पूर्ण कर लेने की कार्यवाही निरंतर विकासखंड, ग्राम पंचायत स्तर पर सतत जारी है। इसी के अंतर्गत जिले के विकासखंड अमरपुर के ग्राम पंचायत परसेल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब निर्माण का शुभारंभ सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में तालाब निर्माण का भूमिपूजन किया गया। जहां पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रुद्रेश परस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम, जिला प्रभारी श्री गिरीश द्विवेदी, श्री नरेन्द्र राजपूत, जनपद पंचायत अमरपुर अध्यक्ष श्री अनु सिंह पट्टा, जनपद सदस्य श्री किशोर मार्को, श्रीमती मालती तिवारी, सुश्री क्रांति धुर्वे, सरपंच परसेल श्रीमती गुलाबवती, श्री धोबी सिंह परस्ते, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती नरबदिया मरकाम, श्री लक्ष्मण ठाकुर, श्रीमती रजनी, श्री आशीष वैश्य, श्री महेश धुमकेती, मीडिया प्रभारी श्री पवन शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या, सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, एसडीएम डिंडोरी सुश्री भारती मेरावी, सीईओ जनपद पंचायत अमरपुर श्री लोकेश नरनोरे, नायब तहसीलदार श्री पंकज नयन तिवारी, चौकी प्रभारी अमरपुर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कन्यापूजन एवं 14 अप्रैल डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर व सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण योजना है, जिससे जिला, तहसील, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर नदी-नाले, नहर, झरने, कुंआ, हैण्डपंप, तालाब, रेनवाटर हार्वेस्टिंग आदि के द्वारा जल स्तर बढाने के उद्देश्य से गांव-गांव में तालाब, मेड तालाब, शासकीय तालाब का शासन के द्वारा प्रयास किया जा रहा है। जिससे आने वाली पीढ़ियों को जलसंकट का निदान हो सकेगा। आज जल गंगा संवर्धन योजना के तहत ग्राम पंचायत परसेल में सर्वप्रथम तालाब निर्माण कार्य का शुभारंभ होने जा रहा है जिससे आसपास के 10-15 किलोमीटर तक पानी का जलस्तर बढ़ेगा। लोगों के लिए सिंचाई, पशु-पक्षी, जीव प्राणियों एवं जंगली जानवरों को पेयजल प्राप्त होगा। इससे ग्राम पंचायत की राजस्व वसूली में बढोत्तरी होगी जैसे-मछलीपालन, सिंघाडे की खेती, तालाब के किनारे राहर की खेती, तालाब के आसपास फलदार पौधे, पपीता, आंवला, आम, अमरूद, आदि से आय प्राप्त होगी। तालाब के पानी से किसानों को सब्जी उगाने से उनकी आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी जल की महत्ता को बताया कि हम सबको मिलकर पानी को बचाने का प्रयास करना होगा, क्योंकि "जल ही जीवन है" जब पानी होगा तो जंगल और जमीन होगी। तब ही इस दुनिया में जीव प्राणी होंगे। जल के बिना सब अधूरा है। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेरे एवं जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों से आज जिले के अमरपुर के परसेल ग्राम में सर्वप्रथम तालाब का शुभारंभ होने जा रहा है। इसी तरह प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर दो-दो तालाब का निर्माण मनरेगा योजना के अंतर्गत सी-प्री एप के माध्यम से बनाए जाना है। इसी के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर तालाब निर्माण हेतु स्थल चयन कर 31 मई तक तैयार करने के प्रयास किए जा रहे हैं, और जिले के प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्र में 5-5 फलदार पौधे, प्रत्येक छात्र से विद्यालय में दो-दो पौधे, ग्राम पंचायत स्तर पर वृक्षारोपण कराने का प्रयास किया जा रहा है। आज हमारा जल गंगा संवर्धन अभियान का जिले का प्रथम तालाब का टीएस, एएस पूर्ण कर आज आपकी उपस्थिति में तालाब का भूमिपूजन शुरू किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रुद्रेश परस्ते, जनपद पंचायत अमरपुर अध्यक्ष श्री अनु सिंह पट्टा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्थल का भूमिपूजन कर गैंती मारकर तालाब निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

संविधान शिल्पी भारत रत्न बाबा साहब की जयंती मनाई गई

जागरण शहडोल। ओपीएम अमलाई। विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओपीएम अमलाई के द्वारा पोषक ग्राम बिछिया में दिनांक 14 अप्रैल 2025 दिन सोमवार को भारतीय संविधान के वास्तुकार , प्रसिद्ध विधिवेत्ता, कुशल राजनीतिज्ञ समाज सुधारक बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था की प्रबंधन समिति के ऊर्जावान व्यवस्थापक श्रीमान बृज किशोर यादव जी के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन पर नवीन प्रवेश हेतु पोषक ग्राम संपर्क अभियान के अंतर्गत विद्या भारती की योजना अनुसार कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी पर विराजमान श्रीमान दिनेश श्रीवास्तव ओपीएम अमलाई से सेवानिवृत व वरिष्ठ समाज सेवी ,विशिष्ट अतिथि के रूप में विराजमान श्रीमान अनिल सिंह जी शिक्षक एवं वरिष्ठ अभिभावक ,कार्यक्रम के अध्यक्ष संस्था के प्राचार्य श्रीमान मृगेंद्र कुमार श्रीवास्तव जी के द्वारा पूजन अर्चन दीप वंदना करते हुए डॉक्टर साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।स्वागत वंदन अभिनंदन के पश्चात कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए संस्था के वरिष्ठ आचार्य श्री राम नारायण तिवारी जी के द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के संबंध में जानकारी प्रदान की गई ।

अपने वक्तव्य में विशिष्ट अतिथि की आसंदी पर विराजमान श्रीमान अनिल सिंह जी ने बताया कि डॉक्टर साहब एक कुशल समाज सुधारक के रूप में हमारे देश भारत के रत्न रहे हैं ।अपने प्रेरणादाई उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्रीमान दिनेश श्रीवास्तव जी के द्वारा डॉक्टर भीमराव जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रेरक विचार प्रस्तुत किए गए।

आग्रह किया गया कि भीमराव जी जैसे बनकर सभी अपना नाम रोशन करें ।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन एवं मार्गदर्शन में संस्था के प्राचार्य श्रीमान मृगेंद्र कुमार श्रीवास्तव जी द्वारा सामाजिक भेदभाव एवं छुआछूत के विरुद्ध अभियान चलाने वाले सच्चे देशभक्त डॉक्टर भीमराव जी के संबंध में विचार व्यक्त करते हुए सरस्वती शिशु मंदिर योजना की रीति नीति एवं नवीन प्रवेश संबंधी जानकारी दी गई ।भैया बहनों से डॉ भीमराव अंबेडकर पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।उत्तर देने वाले सफल भैया बहन को पुरस्कृत किया गया ।

संपूर्ण कार्यक्रम में हमारे विद्यालय के गौरव भैया चंद्रकांत वासुदेव ,अभिभावक श्रीमान कौशल केवट जी का सहयोग सराहनीय रहा है। व्याख्याता श्री पीडी मिश्रा जी एवं श्री नारायण दास त्रिपाठी जी द्वारा भी विचार व्यक्त किए गये । ज्ञातव्य है इस विशेष दिवस पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओपीएम अमलाई के आचार्य परिवार ने विविध पोषक ग्रामों एवं वार्डों में सघन संपर्क किया। कार्यक्रम में बिछिया ग्राम पंचायत के अभिभावक गण, भैया बहन एवं अन्य जनों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सद्साहित्य का वितरण करते हुए कल्याण मंत्र के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

झील महोत्सव : रोमांच, प्रकृति और संस्कृति का संगम

सुबह 7 बजे से शाम तक हो रहीं 18 साहसिक गतिविधियां सांस्कृतिक रंगों से सज रही रातें रोमांच, प्रकृति और संस्कृति का अनूठा संगम

जागरण मंडला। जबलपुर संभाग के मंडला जिले में नर्मदा नदी के किनारे बसे देवरी बकई में बरगी बांध की अथाह जलराशि के निकट आयोजित झील महोत्सव न केवल साहसिक गतिविधियों का गवाह बन रहा है, बल्कि पर्यटन और संस्कृति के प्रेमियों के लिए भी अनूठा आकर्षण प्रस्तुत कर रहा है। जल, थल और नभ में होने वाली 18 से अधिक रोमांचक गतिविधियों के साथ यह महोत्सव हर उम्र के लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड और जबलपुर पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद के आयोजन में जलप्रेमियों के लिए जेट स्की, बनाना राइड, वाटर स्कूटर, कायाकिंग और सर्फिंग जैसे रोमांचक विकल्प मौजूद हैं। वहीं, नभ में उड़ान भरने के शौकीनों के लिए हॉट एयर बैलून, पैरा मोटरिंग और पैरा सेलिंग जैसे विकल्प हैं, जो बांध और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता को एक नए दृष्टिकोण से देखने का मौका देते हैं। थल पर भी उत्साह कम नहीं है—स्लिंग शॉट, रॉक क्लाइम्बिंग, वैली क्रॉसिंग और जॉर्बिंग बॉल जैसी गतिविधियां साहसिक पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। दिन में रोमांच का आनंद लेने के बाद शाम होते ही यह स्थल सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो उठता है। रविवार को धीरज शर्मा समूह ने मनमोहक गीत प्रस्तुत किए।

स्विस टेंट में आराम

पर्यटकों के ठहरने के लिए बरगी की वादियों में अमेरिकन स्विस टेंट से सजी टेंट सिटी बनाई गई है, जो प्रकृति के करीब रहते हुए आधुनिक सुविधाओं का अनुभव कराती है। इसके अलावा, खानपान की व्यवस्था, सुरक्षा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है। सभी राइड्स सतपुड़ा स्पोर्ट्स क्लब, पचमढ़ी के प्रशिक्षित युवा करा रहे हैं।

बाइक रैली ने मोहा मन

रविवार को पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित यातयात के संदेश के साथ बाइक रैली शाम 4 बजे भंवरताल गार्डन से झील महोत्सव स्थल देवरी तक पहुंची। रैली का आयोजन मोटुल की ओर से कराया जा रहा है। रैली में महिलाओं सहित 100 से अधिक बाइक सवार थे

पर्यटन सखियां के केनवास बैग की मांग

महोत्सव में लगे डोम में लगा पर्यटन सखियों का स्टाल लोगों को लुभा रहा है। एमपीटीबी की ऑरेंज अंब्रेला योजना के अंतर्गत यहां पर्यटन सखियों के हाथ से बने केनवास के थैलों पर बनी जबलपुर के बैलेंसिंग रॉक, घंटाघर आदि आकृति आंखों में चमक ला देते हैं । ये हस्तशिल्प बनाने वाली यह कलाकार महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन योजना के अंतर्गत आत्मनिर्भर बनी हैं।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक ली

जागरण डिंडोरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने आज विकासखड समनापुर एवं अमरपुर के म.प्र. ग्रामीण आजीविका भवन में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने आंगनवाडी सुपरवाइजर, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिकाओं से पूछा कि किन किन आंगनवाडी केन्द्रों में पेयजल, विद्युत व्यवस्था, बाउंड्री वॉल, मीनू के अनुसार पोषण आहार-भोजन एवं कुपोषित बच्चों का नियमित परीक्षण कर पोषण आहार एवं भोजन उपलब्ध कराया जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई), कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को तीन दिवस के अन्दर प्रत्येक आंगनवाडी में विद्युत, पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त आशा कार्यकर्ता, सहायिका, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सुपरवाईजर को निर्देश दिए कि आपके क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुपोषित बच्चे, अति कुपोषित बच्चों को परिवार के साथ समन्वय बनाकर स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु भेजें ताकि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रीष्म ॠतु को देखते हुए आंगनवाडी केन्द्र बच्चों के लिए 7.00 बजे से 11.00 बजे एवं स्टाफ के लिए दोपहर 02.02 तक संचालित किए जाएंगे। जिससे बच्चों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। आंगनवाडी केन्द्र में टाइम टेबल के साथ गतिविधियां संचालित किए जाएं जैसे- सर्वप्रथम बच्चों का स्वागत, प्रार्थना, शिक्षा, चित्रकला, कविता गान, गीत, खेलकूद, पोषण आहार, भोजन आदि टाइम टेबल के साथ गतिविधियां संचालित किए जाएं ताकि बच्चे केन्द्र के प्रति आकृषित हों।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सभी सुपरवाइजर, सहायिका, कार्यकर्ता को निर्देश दिए कि प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्र में 5-5 फलदार पौधे लगाएं, और स्वयं पौधों की देखभाल करें जिससे भूमिगत जलस्तर बनी रहे और केन्द्र में अध्ययनरत बच्चों को फल उपलब्ध हो सके। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने कहा कि सभी कार्यकर्ता, सहायिका अपनी उपस्थिति सम्पर्क ऐप दें तथा सुपरवाइजर, परियोजना अधिकारी अन्य कार्यालयीन कर्मचारी सार्थक एप पर अपनी उपस्थिति देना सुनिश्चित करें तथा पोषण ट्रेकर एप प्रति दिवस उपस्थिति कार्यकर्ता, सहायिका और उपस्थित बच्चे एवं पोषण आहार लेने वाले बच्चे एवं धात्री महिलाओं की उपस्थिति अनिवार्य है। तभी समूह को खाद्य सामग्री और राशि का भुगतान भारत सरकार से जारी होगी। साथ ही शारीरिक माप, कुपोषण चिन्हांकन आंगनवाडी केन्द्र में सभी प्रकार की पंजी भी संधारण ही पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना अनिवार्य है। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला बाल विकास अधिकारी श्री श्याम सिंगौर ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन एवं पोषण पखवाड़ा के तहत गतिविधियां आयोजित करने के साथ-साथ बच्चों को अर्ली एजुकेशन एवं नियमित पोषण व्यवस्था और गर्भवती धात्री महिलाओं को पोषण आहार प्रदान करने संबंधी निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिए ,पोषण पखवाड़ा अंतर्गत गंभीर कुपोषित बच्चों की निगरानी, 1000 दिवस तक बच्चे की देखभाल के साथ-साथ एनीमिया की रोकथाम एवं पंजीयन पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देश दिये। आंगनबाड़ी केद्रों में विद्युत व्यवस्था, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं में सुधार लाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों निर्देश दिये। लापरवाही की स्थिति में संबंधित अधिकारी कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, अनुविभागीय अधिकारी डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी श्री रमेश मरावी, नायब तहसीलदार समनापर श्री सुन्दर लाल यादव, नायब तहसीलदार अमरपुर श्री पंकज नयन तिवारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी ,कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंत्री संपतिया उइके और सांसद कुलस्ते ने डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर पुष्पांजली अर्पित कर किया नमन

जागरण मंडला। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने सोमवार को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय मंडला में स्थित डॉ. अम्बेडकर की स्मारक स्थल पर पहुंचकर पुष्पांजली अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा, नगरपालिका मंडला अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री शिवा रानू राजपूत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने सदैव समाज के कमजोर, पिछड़े एवं वंचित वर्गों के अधिकारों और उनके उत्थान के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव और असामनता जैसी कुरूतियों को समाप्त करने के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचार हमें समानता, न्याय और बंधुत्व की राह पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उनके पदचिन्हों में चलकर हम समतामूलक एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक समरसता, न्याय, भाईचारा, बंधुत्व और संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जो हमारी आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देती है। हमें डॉ. अम्बेडकर के मार्ग पर चलकर उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल हुए कलेक्टर और विधायक

जागरण ब्यौहारी। जनपद पंचायत के अंतर्गत चिपाडनाथ मंदिर स्थित तालाब सफाई अभियान चलाया गया जनपद पंचायत ब्यौहारी-और जन अभियान परिषद के कार्यक्रम में कलेक्टर केदार सिंह, विधायक शरद कोल, शामिल हुए सफाई अभियान में कलेक्टर और विधायक द्वारा तालाब से कचरा निकाला। सफाई अभियान में प्रमुख रूप से नरेंद्र सिंह धुर्वे जिला सीईओ, विजय सिंह, सीईओ जनपद ब्यौहारी- प्रमोद जैसवाल ,यु एस पेंड्रो, द्वारिका राठौर सरपंच मऊ, राम लखन गुप्ता सरपंच भमरहा द्वितीय, परमार्शदाता सरस्वती पांडे, हीरालाल साहू, अर्पिता सिंह वैश्य, ज्योति पांडे रामेश्वर पाल अधिकारी जनप्रतिनिधि सफाई अभियान में शामिल हुए।

ड्यूटी अधिकारी प्रत्येक कार्य की माईक्रो प्लानिंग करें : श्रेयांश कूमट

जागरण मंडला। जिला योजना भवन में ग्राम टिकरवारा में आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने कहा कि संपूर्ण कार्यक्रम के लिए अधिकारियों के बीच कार्यविभाजन कर दिया गया है। ड्यूटी अधिकारी प्रत्येक कार्य की माईक्रो प्लानिंग करते हुए अंतिम रूप दें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर टेंट का काम मंगलवार दोपहर तक पूर्ण कराएं। साथ ही साथ ग्रीन रूम समय पर तैयार करें। आगंतुकों को तथा वर-वधुओं के रिश्तेदारों के लिए रूकने आदि की पर्याप्त व्यवस्था रखें। वर पक्ष तथा वधु पक्ष के लोग समय पर निर्धारित स्थल पर पहुंचे इसके लिए एक दिवस पूर्व ही तैयारी सुनिश्चित करें। सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग एवं रूटचार्ट फाईनल करें। कार्यक्रम में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करें। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर मेडीकल की 4 से 5 टीमें रखें, उनके पास ग्लूकोज, ओआरएस आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि मंचीय व्यवस्था एवं कार्यक्रम का फाईनल रिहर्सल करें, इसके लिए माध्यम की टीम के साथ समन्वय भी स्थापित करें। भोजन व्यवस्था में लगे अधिकारियों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भोजन समय पर तैयार हो जाए एवं वितरण में किसी प्रकार की अफरा-तफरी न हो इसका विशेष ध्यान रखें। हितलाभ वितरण की सूची समन्वय से तैयार करें। उन्होंने एमपीईबी के अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम स्थल पर विद्युत व्यवस्था पूर्व से चैक कर लें, जिससे कार्यक्रम में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। बैठक में आगंतुकों की बैठक व्यवस्था, बारात निकासी, तोरण द्वार, भूमिपूजन, लोकार्पण, हेलीपेड सहित विभिन्न विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार वर्मा, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित उपस्थित थे।

ओवरलोड और अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 7 ट्रैक्टर जब्त

जागरण डिंडोरी,शहपुरा । क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन और ओवरलोडिंग की बढ़ती शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। अनुविभागीय अधिकारी ऐश्वर्या वर्मा के निर्देशन और तहसीलदार पुष्पेंद्र पंद्रे के नेतृत्व में गठित राजस्व टीम ने सोमवार को मेहदवानी क्षेत्र में छापामार कार्रवाई कर ओवरलोड रेत से भरे 7 ट्रैक्टरों को जब्त किया।इस कार्रवाई में राजस्व विभाग की टीम में अमित तिवारी, सोहन श्याम, गरीबा यादव और आनंद डेहरिया शामिल रहे। पकड़े गए ट्रैक्टरों का पंचनामा तैयार कर उन्हें थाना मेहदवानी की अभिरक्षा में अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया है। आगे की कार्यवाही खनिज विभाग द्वारा की जाएगी।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
लिमिटेड ई - निविदा (सिंगल पैकेट प्रणाली) आमंत्रण सूचना
कार्य का नाम: मध्य प्रदेश राज्य में पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) के अंतर्गत जबलपुर (केटीई) - सिंगरौली (एसजीआरएल) खंड के बीच 2 x 25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए ओएचई का निर्माण कार्य। **निविदा सूचना क्र: केआर/सीओ/ईल/केटीई-एसजीआरएल/टी/16/25, दिनांक 15.04.2025, कार्य समापन की अवधि**: 5 (पाँच) महीना। **अनुमानित लागत**: रु.1,12,57,043/- जीएसटी को छोड़कर। **ईएमडी**: रु. 2,06,300/-. **आनलाइन निविदा जमा करनेकी अंतिम तिथि तथा समय**: दि. 06.05.2025 को 15:00 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथि**: दि. 06.05.2025 को 15:30 बजे। संशोधन / शुद्धिपत्र यदि हो तो केवल आई आर ई पी एस वेबसाइट पर प्रकाशित होगा। **निविदा कागजात के लिए पथ**: आई आर ई पी एस के माध्यम से। मैनुअल निविदायें निविदायें स्वीकृत नहीं होगीं ।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अराजकता के सहारे बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, वह तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल है। इस नतीजे पर पहुंचने के पर्याप्त और ठोस कारण हैं कि नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उसे अराजकता के लिए उकसा भी रहे हैं।

अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैर सरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही है, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं।

जब यह स्थिति निर्मित की जाती है तो अराजक तत्व मौके का फायदा उठाते हैं। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन वे उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। नए वक्फ कानून से किसी की भी असहमति हो सकती है, लेकिन उसके विरोध के नाम पर हिंसा का सहारा लेना कानून के शासन को सीधी चुनौती देना है। बंगाल में ऐसा ही किया जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन के विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और वे सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? वक्फ संपत्तियों की देखरेख मजहबी मामला नहीं है और यदि एक क्षण के लिए ऐसा मान लिया जाए तो भी मजहब के नाम पर किसी को मनमानी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। वक्फ बोर्ड यही करने में लगे हुए थे। यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव किया जा रहा हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया गया था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। यदि बंगाल में वक्फ कानून के विरोध की आड़ में फैलाई जा रही अराजकता पर लगाम नहीं लगी तो अन्य राज्यों में भी इस कानून के विरोधी हिंसा का सहारा ले सकते हैं।

> वक्फ संपत्तियों की देखरेख मजहबी मामला नहीं है और यदि एक क्षण के लिए ऐसा मान लिया जाए तो भी मजहब के नाम पर किसी को मनमानी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

अमेरिका से कहीं अधिक खतरनाक है ड्रेगन

अंतर्राष्ट्रीय

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और सैन्य शक्ति बनकर उभरा। तब से अमेरिकी डालर वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में हावी रहा है, जिससे वाशिंगटन को पूरी दुनिया पर बढ़त हासिल हुई। करीब 80 से अधिक देशों में 750 अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं। अमेरिका पिछले सात दशकों से शेष विश्व का एजेंडा निर्धारित करता आ रहा है।

1991 में विघटन होने तक साम्यवादी सोवियत संघ ही अमेरिका से प्रतिस्पर्धा में था। सोवियत संघ के बिखरने के बाद अब 'साम्यवादी-अधिनायकवादी' चीन ही 'लोकतांत्रिक' अमेरिका के वर्चस्व को सीधी चुनौती दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चर्चित टैरिफ नीति को भी चीन को बैकफुट पर धकेलने का दांव माना जा रहा है। इसके लिए ट्रंप को कुछ लोग सनकी तक कह रहे हैं, परंतु ट्रंप के फैसले एक सोची-समझी और दूरगामी योजना का हिस्सा हैं।

गैर-हिस्पैनिक श्वेत तबके के रूप में अमेरिका का एक बड़ा वर्ग ट्रंप की संरक्षणवादी और प्रवासी-विरोधी नीतियों के साथ खड़ा है। इस वर्ग के समक्ष अपनी पहचान और अस्तित्व बचाने का संकट है। 1960 में अमेरिका में इस वर्ग की आबादी 85 प्रतिशत से अधिक थी, जो 2020 में घटकर लगभग 58 प्रतिशत रह गई। इसका अर्थ है कि उसके अल्पसंख्यक होने का खतरा है। यह स्थिति अमेरिका को एक भयावह गृहयुद्ध की ओर धकेल सकती है, जिसे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी मागा से प्रेरित नीतियों से टालने का प्रयास किया जा रहा है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिका दुनिया को अपने अनुसार चलाने का प्रयास करता रहा है। उसने नैतिकता की दुहाई देकर 1955 में वियतनाम पर हमला किया, जो 20 वर्ष पश्चात अनुमानित 30 लाख से अधिक लोगों की मौत और अमेरिकी पराजय के साथ समाप्त हुआ। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) संकट के समय भी उसका रवैया सही नहीं था।

अमेरिका ने स्वार्थवश पाकिस्तान के सैन्य तानाशाहों से अच्छे संबंध रखे। 1979-89 में अफगानिस्तान से सोवियत संघ को खदेड़ने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान-सऊदी अरब की मजहबी सहायता से जिहादी जंग को सहारा दिया और तालिबान को अफगानिस्तान में स्थापित कराया। हालांकि 2001 में न्यूयार्क में हुए आतंकी हमले के बाद उसने अपनी नीति बदली और अफगानिस्तान में तालिबान को निशाना बनाया। जब नए निजाम से भी बात नहीं बनी तो कालांतर में फिर तालिबान के साथ समझौता कर लिया। 'सामूहिक विनाश के घातक हथियारों' को ध्वस्त करने के नाम पर 2003 में इराक पर हमला किया और हजारों लाशें बिछाने के बाद तानाशाह सद्दाम हुसैन को फांसी पर लटका दिया। स्पष्ट है कि अमेरिका का दोहरा रवैया एवं सुविधावादी दृष्टिकोण दिखता रहा है।

अमेरिका की तुलना में चीन को परिभाषित करना अधिक जटिल है।

वहां का राजनीतिक ढांचा एकदलीय वामपंथी अधिनायकवाद पर आधारित है, जबकि आर्थिकी 1978 से विकृत पूंजीवाद से ग्रस्त है। इस व्यवस्था में लोकतंत्र, मानवाधिकार और असहमति की कोई गुंजाइश नहीं। मानवीय श्रम को मशीन के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है, जिससे चीन सस्ते उत्पादन का 'वैश्विक कारखाना' बन गया है। सभ्यतागत पूर्वाग्रह के कारण चीन के मंसूबे साम्राज्यवादी भी हैं। इस क्रम में वह दशकों पहले तिब्बत को निगल गया तो अब भारत सहित अनेक देशों के साथ उसका सीमा विवाद है। वह निर्धारित अंतरराष्ट्रीय समुद्र मार्गों पर अनर्गल दावा करता रहता है।

साम्यवादी चीन इतना शक्तिशाली कैसे बना? इसका कारण भी अमेरिका ही है, जिसने चीन को अपने लिए बड़े बाजार के रूप में देखा। उसने 1999 में चीन से द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया। इसके दो वर्ष बाद चीन विश्व व्यापार संगठन में शामिल हो गया। यह चीन के आर्थिक उभार का केंद्र बिंदु था।

विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2000 में चीन का सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी एक ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर और प्रति व्यक्ति आय लगभग 960 डालर थी। तब अमेरिकी जीडीपी 10 ट्रिलियन डालर और अमेरिकी प्रति व्यक्ति आय 36,000 डालर से अधिक थी। यानी तब चीन अमेरिकी आर्थिकी के 10 प्रतिशत के बराबर ही था। ढाई दशक बाद चीन अमेरिकी आर्थिक क्षमता का 65 प्रतिशत हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष-आइएमएफ के अनुसार 2025 में चीनी जीडीपी 19.5 ट्रिलियन डालर और प्रति व्यक्ति आय लगभग 14,000 डालर है। वहीं, अमेरिकी जीडीपी 30 ट्रिलियन डालर और प्रति व्यक्ति आय तकरीबन 90 हजार डालर है।

चीन की प्रगति का मुख्य कारण उसकी अधिनायकवादी व्यवस्था और दुनिया भर में सस्ती दरों पर वस्तुओं का बड़े पैमाने पर आयात करना है।

इसी के बल पर चीन का व्यापारिक लाभ एक ट्रिलियन डालर से अधिक हो गया है। अमेरिका की बात करें तो चीन के साथ उसका व्यापार घाटा 295 अरब डालर जबकि भारत के साथ करीब 100 अरब डालर का है। यह स्थिति तब है, जब 1985 में भारत की प्रति व्यक्ति आय चीन के बराबर लगभग 300 डालर थी। उसकी आर्थिकी आज भारत की पांच गुना हो गई है।

अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है।

कुछ लोग सवाल उठा सकते हैं कि चीन के आर्थिक-सामरिक विस्तार से परेशानी क्या है? यह ठीक है कि अमेरिका और चीन दोनों ही दबंग देश हैं, जो विश्व को अपनी शर्तों पर हांकना चाहते हैं और दोनों ही अपनी साम्राज्यवादी मानसिकता को नैतिकता-सिद्धांतों का चोला पहनाते रहते है, परंतु दोनों में बुनियादी अंतर भी है। चीन में साम्यवाद प्रेरित अधिनायकवादी व्यवस्था है। वहां न तो कोई चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से सवाल कर सकता है और न ही कोई उन्हें वैधानिक रूप से हटा सकता है।

अमेरिका एक जीवंत लोकतंत्र है और वहां मानवाधिकारों का सम्मान है। ट्रंप से सवाल किए जा सकते हैं और ऐसा हो भी रहा है। उनके कुछ सहयोगी ही उनकी टैरिफ नीति पर सवाल उठा रहे हैं।

संवैधानिक बाध्यता के कारण ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल तक ही राष्ट्रपति रह सकते हैं। इसलिए अमेरिका की तुलना में चीन भारत सहित शेष विश्व के लिए कहीं अधिक बड़ा खतरा है।

> अमेरिका एक जीवंत लोकतंत्र है और वहां मानवाधिकारों का सम्मान है। ट्रंप से सवाल किए जा सकते हैं और ऐसा हो भी रहा है। उनके कुछ सहयोगी ही उनकी टैरिफ नीति पर सवाल उठा रहे हैं। संवैधानिक बाध्यता के कारण ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल तक ही राष्ट्रपति रह सकते हैं। इसलिए अमेरिका की तुलना में चीन भारत सहित शेष विश्व के लिए कहीं अधिक बड़ा खतरा है।

बलबीर पुंज

बचे-खुचे पारिवारिक मूल्यों को बचाने की कवायद

सामाजिक ताना-बाना

हाल में उच्चतम न्यायालय ने परिवारों के टूटने और उनके स्वरूप बदलने पर गहरी चिंता प्रकट की। अदालत ने कहा, 'हम तो वसुधैव कुटुंबकम् में विश्वास करते हैं, लेकिन हमारे देश में पारिवारिक मूल्य खत्म होते जा रहे हैं। हमारे यहां माता-पिता और बच्चों के बीच भी पारिवारिक मूल्य नहीं बचे हैं। वे जमीन-जायदाद के झगड़ों के लिए अदालतों तक पहुंच रहे हैं। हमारे यहां वन परसन-वन फैमिली का विचार जगह बना रहा है। यदि बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए जरूरी हो, तो बच्चों को जमीन-जायदाद से बेदखल किया जा सकता है, मगर जिस मामले की हम सुनवाई कर रहे हैं, वहां तो लड़का माता-पिता की देखभाल करता है।' अदालत ने ट्रिब्यूनल के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें बेटे से घर खाली करने को कहा गया था। यह सच है कि कई बार माता-पिता सचमुच बच्चों द्वारा सताए जाते हैं, लेकिन कई बार वे सिर्फ अपनी ही चलाना चाहते हैं और जरा भी झुकने को तैयार नहीं होते।

अपने देश में जो भी थोड़े-बहुत पारिवारिक मूल्य बचे हैं, उनका लगातार क्षरण हो रहा है। अपने यहां स्त्रियों को परिवार और आदर्शों के नाम पर तरह-तरह से परेशान किया गया है, सताया गया है। अब जब स्त्रियां लगातार शिक्षित हो रही हैं, आत्मनिर्भर बन रही हैं, तो उन्हें परिवार का वह स्वरूप नहीं चाहिए, जिसमें उन्हें हमेशा सेविका के रूप में ही देखा जाए। यह ठीक भी है। अपने देश में परिवार का स्वरूप स्त्रियों के लिए शोषण मूलक भी रहा है, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं कि परिवार संस्था को एकदम ही खत्म कर दिया जाए।

आज भी परिवार से बड़ी शक्ति दुनिया भर में दूसरी नहीं है। तभी तो पश्चिम परिवार और पारिवारिक मूल्यों की गुहार लगा रहा है। हालांकि वहां परिवार के लोगों द्वारा देखभाल को भी केयर इकोनमी का नाम दिया जाता है और इसके बदले पैसे देने की मांग की जाती है। भारत में भी ऐसी मांग उठती रहती है। अपने देश में ऐसे संयुक्त परिवार तो शायद बहुत ही कम बचे होंगे, जहां दादा-दादी, माता-पिता, चाचा, ताऊ, उनके बाल बच्चे सब इकट्ठे रहते हों। अब तो परिवार का मतलब पति-पत्नी और बच्चे ही रह गए हैं। दशकों से एकल परिवारों को आदर्श बताया जाता रहा है। आपको शायद याद हो कि हमारे यहां परिवार नियोजन के विज्ञापन कहते थे-हम दो, हमारे दो। यदि आज परिवारों के ढांचे पर नजर डालें, तो आम तौर पर मध्यवर्गीय परिवारों में एक बच्चे का चलन बढ़ा है। चाहे लड़का हो या लड़की, सिर्फ एक बच्चा। इसके कारण आर्थिक और सामाजिक भी हैं। मध्यवर्ग की अधिकांश महिलाएं नौकरी करती हैं। वे न अधिक बच्चों को जन्म दे सकती हैं, न ही उनके पालने-पोसने, शिक्षा के लगातार महंगे होने के खर्चे ही उठाए जा सकते हैं। हालांकि चीन की एक बच्चा नीति के दुष्परिणाम भी हमने देखे ही हैं। ऐसे में यदि एक बच्चा है, तो उनकी पीढ़ी ऐसी होगी, जिनके आसपास बहुत से रिश्ते नहीं होंगे। जैसे जिनका एक बेटा है, उसकी कोई बहन नहीं होगी। इस लड़के का मान लो कोई बच्चा हुआ तो वह बुआ और उसके बच्चों के रिश्तों को भी नहीं जानेगा। जिनकी एक बेटी है, उसका कोई भाई नहीं होगा। भाभी और उसके बाल-बच्चे नहीं होंगे। चचेरे, ममेरे, फुफेरे आदि भाई-बहनों की तो गिनती ही कहां। ये रिश्ते भी होते हैं, इन्हें यह पीढ़ी भूल चुकी होगी।

अब तो तमाम बुजुर्ग यह कहते दिखते हैं कि हमने अपने बच्चे पाल दिए। अब बच्चे अपने बच्चे पालें। यों कहावतों में ये बातें अब भी जिंदा हैं कि मूल से सूद ज्यादा प्यारा होता है। दादा-दादी, नाना-नानी अपने बच्चों की जिस तरह देखभाल करते हैं, वह कोई और नहीं कर सकता।

कई बार अदालतों के फैसले भी इन धारणाओं को तोड़ते हैं। हाल में एक अदालत ने कहा था कि बच्ची की देखभाल दादी उस तरह नहीं कर सकती, जैसे मां कर सकती है। मां और पिता के बीच बच्ची की कस्टडी का मामला चल रहा था।

पिता का कहना था कि मां की अनुपस्थिति में उसकी मां बच्ची की अच्छी तरह से देखभाल कर सकती है, लेकिन अदालत ने इसे नहीं माना। जबकि पश्चिम में माना जा रहा है कि केवल माता-पिता ही नहीं, दादा-दादी भी बच्चों की अच्छी देखभाल कर सकते हैं।

> अपने देश में जो भी थोड़े-बहुत पारिवारिक मूल्य बचे हैं, उनका लगातार क्षरण हो रहा है। अपने यहां स्त्रियों को परिवार और आदर्शों के नाम पर तरह-तरह से परेशान किया गया है, सताया गया है। अब जब स्त्रियां लगातार शिक्षित हो रही हैं, आत्मनिर्भर बन रही हैं, तो उन्हें परिवार का वह स्वरूप नहीं चाहिए, जिसमें उन्हें हमेशा सेविका के रूप में ही देखा जाए। यह ठीक भी है।

क्षमा शर्मा

प्रसंगवश

अमेरिका में क्यों हैं भारतीय छात्र निशाने पर

सहजता से नौकरी नहीं मिल पाती। भारतीय छात्रों को अपना शिकार बनाते हैं। आप को सुधार लो, नहीं तो भारतीय तुम्हें खा जाएंगे। पिछले साल अमेरिका में 11 भारतीय छात्रों की हत्या कर दी गई। इस साल भी अब तक 6 छात्रों पर अमेरिकियों ने निशाना साधा है। होने को अमेरिका में कई भारतीय संगठन हैं, पर ट्रम्प सरकार का खौफ इतना है कि कोई मुंह खोलने के लिए तैयार ही नहीं है। इससे भारत में रहने वाले अभिभावकों में चिंता का माहौल है। सोचा जा सकता है कि जब अमेरिका जैसे देश में ऐसा हो सकता है, तब फिर छोटे देशों में पढ़ने के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों के साथ कैसा व्यवहार हो सकता है। भारतीय छात्र जब भी पढ़ाई के लिए अमेरिका जाते हैं तो अभिभावक उन्हें समझाते हैं कि वहां स्थानीय लोगों से विवाद से दूर रहें, साथ ही सहपाठियों के साथ मिलजुलकर रहें। वास्तव में अमेरिका में एक ओर अमीरी का प्रदर्शन है, तो दूसरी तरफ बढ़ती बेरोजगारी भी है। अमेरिकियों को सहजता से नौकरी नहीं मिल पाती। वहीं भारतीय अपनी योग्यता के बल पर नौकरी पाने में सफल हो जाते हैं। ऐसे में वे भारतीयों से ईर्ष्या करने लगते हैं। धीरे-धीरे ये दुश्मनी में बदल जाती है। नौकरी न मिलने के कारण कई अमेरिकी ड्रग्स के शिकार हो जाते हैं। जब उन्हें ड्रग्स के लिए धन नहीं मिलता तो वे भारतीय छात्रों को अपना शिकार बनाते हैं।

अमेरिकी छात्रों में एक बात और देखने में आती है, वह यह कि शिक्षित होने के बाद भी जब उन्हें नौकरी नहीं मिलती तो वे अपनी योग्यता को बढ़ाने के बजाय रोज नशा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

राष्ट्रपति रहते हुए ओबामा ने अमेरिकी छात्रों को चेतावनी भी दी थी कि अमेरिकियों अपने आप को सुधार लो, नहीं तो भारतीय तुम्हें खा जाएंगे। उन्होंने अमेरिकियों को समझाया था कि जो भारतीय यहां पढ़ने आते हैं, वे पढ़ाई के साथ-साथ जॉब भी करते हैं, इसलिए उन्हें मेहनत कैसे और कहां करनी है, यह अच्छी तरह से पता है। पढ़ाई के साथ जॉब करने वाले भारतीय छात्रों को वहीं नौकरी मिल जाती है। इसलिए अमेरिकी छात्र उनसे द्वेष रखते हैं। यही द्वेष वे भारतीय छात्रों को मारकर निकालने का प्रयास करते हैं। भारतीय छात्रों के खिलाफ नफरत के बीज कहां-किसने रोपे, यह शोध का विषय हो सकता है, पर यह सच है कि आज भारतीय छात्र अमेरिका में पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हैं। अमेरिका में 2 लाख 75 हजार भारतीय विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों के कारण अमेरिका हर साल फीस के रूप में 3 अरब डॉलर कमाता है।

विद्यार्थियों की संख्या हर साल लगातार बढ़ रही है। इतनी कमाई करने पर अमेरिकी सरकार को छात्रों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी ही चाहिए।

भारतीय संगठन चाहें तो एकजुट होकर ट्रम्प सरकार पर दबाव बना सकते हैं। अगर वे ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो यही समझा जा सकता है कि उनकी स्थिति भी वहां गुलामों जैसी ही है। दूसरी ओर यदि भारत अपना रवैया सख्त रखे और छात्रों की सुरक्षा के लिए अमेरिकी सरकार पर दबाव बनाए तो संभव है कि भारतीय छात्र वहां सुरक्षित हो जाएं।

> अमेरिका में 2 लाख 75 हजार भारतीय विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों के कारण अमेरिका हर साल फीस के रूप में 3 अरब डॉलर कमाता है। विद्यार्थियों की संख्या हर साल लगातार बढ़ रही है। इतनी कमाई करने पर अमेरिकी सरकार को छात्रों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी ही चाहिए।

।।गीता।।

श्लोक : कथं विद्यामहं योगिंस्त्वां सदा परिचिन्तयन्।
केषु केषु च भावेषु चिन्त्योऽसि भगवन्मया।

भावार्थ : ईश्वर तो सब वस्तु, देश, काल आदि में परिपूर्ण हैं। अतः किसी विशेषता, महत्ता, सुंदरता आदि को लेकर जहां-जहां मनुष्य का मन जाए, वहां-वहां ईश्वर का चिंतन करें, अर्थात वहां उस विशेषता आदि को ईश्वर की कृपा ही समझें।

जीवन दर्शन

हर समस्या और संकट का मूल कारण हम ही होते हैं

जीवन के सत्य से जितनी दूरी होगी, छोटी से छोटी समस्या उतनी ही बड़ी लगने लगेगी। दीनहीनता उतनी ही बढ़ जाएगी। किसी भी समस्या या संकट को अनहोनी की तरह न लेना मन की पहली विजय होती है। विचलित होने से आप विवेकपूर्ण फैसले नहीं ले सकते। सच तो यह है कि स्थितियां ही नहीं, स्वयं अपने जीवन पर भी हमारा कोई वश नहीं है। सभी कुछ ईश्वर के अधीन है। सृष्टि की रचना उसने की है, जीवन भी उसी ने दिया है और जीवन के पल, क्षण तक उसने तय कर दिए हैं। पूरा संसार उसकी इच्छा और आज्ञा में है। 'मैं' एक भ्रम है। इस सोच के व्यक्ति संकट में विचलित नहीं होते। हर समस्या और संकट का मूल कारण हम ही होते हैं और समस्याएं स्वयं के सुधार का अवसर प्रदान करती हैं। मानव जीवन में जाने, अनजाने पाप कर्म होते ही रहते हैं। परमात्मा चूंकि दयालु भी है। इसलिए जब कोई उसकी शरण में जाता है और अपना सर्वस्व अर्पण करके कृपा की आकांक्षा करता है, तब वह उस पर अवश्य दया करता है। ईश्वर करुणा का सागर है, इसलिए कोई उसकी ओर एक कदम चले तो वह कोटि कदम आगे होकर उसे अपने गले लगा लेता है। बातों से नहीं, बल्कि अंतस चेतना में ईश्वर की अनुभूति करके ही उसकी महानता का पता चलता है। जब ईश्वर की महानता समझ में आ जाती है, तब शब्द चुक जाते हैं, वाणी मौन हो जाती है। संकट के समय ईश्वर को अपना सहायक बना लेने से व्यक्ति की राह आसान हो जाती है और वह सहजता से बाधाओं का सामना करने में सक्षम हो जाता है। जीवन एक जैसा नहीं रहता। सुख है तो दुख भी आने वाले हैं। इस सत्य को पूरी तरह स्वीकार करने वाला व्यक्ति किसी भी अप्रिय स्थिति को अनहोनी समझकर नहीं देखता। ऐसे लोग तलाशने पर शायद बहुत कम मिलें। बहुसंख्या ऐसे लोगों की है, जो विपत्ति आने पर अवाक रह जाते हैं और विचलित हो जाते हैं। यह भ्रम पाल लेना कि जीवन में सदा सुख है, निर्बाधता है, ऐसी सोच विपत्ति के आने पर हमें कमजोर और भयभीत कर देती है। कमजोर और डरा हुआ मन कोई आश्रय, कोई अवलंबन खोजने लगता है स्थिति से निपटने का। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यक्ति का स्वयं पर विश्वास नहीं रहता।

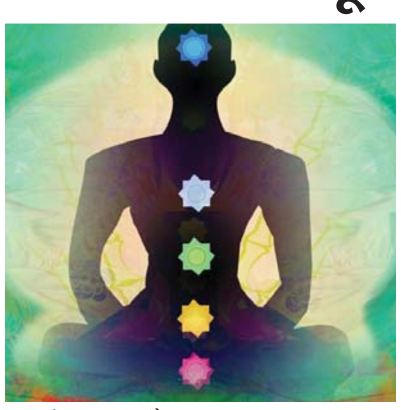

- प्रियंका श्रीवास्तव

संक्षिप्त खबरें

सौदा सिर्फ दूध का नहीं, बल्कि लोकतंत्र का किया : जीतू

विसं, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की सहकारिता व्यवस्था और दूध उत्पादक किसानों से जुड़े 10 सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा है कि क्या सहकारिता एकाधिकार की प्रयोगशाला बन रही है।

पटवारी ने सरकार से पूछे 10 सवाल

रविवार को भोपाल में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में एनडीडीबी और मध्यप्रदेश दुग्ध संघ के बीच हुए करार पर पटवारी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार और प्रदेश की मोहन यादव सरकार मिलकर सहकारिता को जन-जन की ताकत से छीनकर अफसरशाही और केंद्रीकरण की प्रयोगशाला बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीडीबी का वर्चस्व स्थानीय यह सौदा सिर्फ दूध का नहीं, बल्कि लोकतंत्र और आत्मनिर्भरता का भी है। उन्होंने सवाल किया सहकारिता चुनाव क्यों नहीं हो रहे है। एक देश-एक सहकारी समाज' का मतलब क्या? एनडीडीबी के हवाले संचालन, क्या यह निजीकरण नहीं? 5 साल में 20 लाख लीटर? 20 साल में क्या किया? किसानों को लागत के अनुसार भुगतान क्यों नहीं हो रहे है। इसी तरह पटवारी ने पूछा कि आखिर क्यों बीजेपी बार-बार बड़े कागजी बजट दिखाकर किसानों को गुमराह कर रही है? क्या यह स्थानीय ब्रांड खत्म करने की साजिश नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने केन्द्रीय मंत्री शाह से सवाल किया है कि क्या केन्द्रीय मंत्री अपराध प्रदेश बनने से रोकने के लिए कोई रणनीति लाए है?

सरकार ने अनुग्रह राशि बढ़ाकर की सवा लाख

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह उपादान राशि में 75 हजार रुपए की वृद्धि कर दी है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार पहले शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर मात्र 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि का भुगतान करती थी, लेकिन अब एक लाख 25 हजार स्वीकृत कर दिए हैं। मप्र कर्मचारी मंच ने सरकार के अनुग्रह उपादान राशि की वृद्धि करने के निर्णय पर सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया है। साथ ही मांग की है कि अनुग्रह राशि अनियमित कर्मचारियों की मृत्यु होने पर भी दाह संस्कार करने के लिए दी जाए।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 8 की मौत, 13 घायल

हैदराबाद, जेएनएन। आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि कई किलोमीटर दूर तक लोगों ने इसे सुना। इस विस्फोट में फैक्ट्री में काम करने वाले 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से ज्यादा घायल हैं। अनाकापल्ली के पुलिस अधीक्षक तुहिन सिन्हा ने कहा कि फैक्ट्री संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मौके पर बचाव अभियान पूरा हो गया है। 13 लोग घायल हैं, जिनमें से पांच की हालत खराब है। उन्होंने कहा कि अभी मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है, क्योंकि फैक्ट्री का रिकॉर्ड जल गया है और संभवतः मैनेजर मृतकों में शामिल है। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा मिले।

दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर फिर सियासी घमासान

विशेष संवाददाता, भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के एक ट्वीट ने रविवार को फिर से सियासी घमासान मचा दिया। सिंह के ट्वीट पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि गद्दार कौन है,देश की जनता जानती है।

दरअसल बीते गुरुवार को रतलाम और राजधानी भोपाल में दिग्विजय सिंह के खिलाफ वक्फ संशोधन विधेयक से जुड़े मामले में पोस्टर लगाए गए थे,जिसमें उन्हें गद्दार कहा गया था। रविवार को दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया,जिसमें कुछ लोगों के नाम लिखे और दावा किया कि आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले लोग बीजेपी और बजरंग दल से जुड़े हैं। उन्होंने ट्वीट के साथ बकायदा कुछ लोगों के नामों की सूची भी पोस्ट की। कांग्रेस नेता के ट्वीट पर वीडी शर्मा ने कहा कि गद्दार कौन है, देश अच्छे से जानता है। दिग्विजय सिंह देशद्रोही ताकतों के साथ खड़े रहते हैं। पाकिस्तान के राणा को भारत लाकर इलाज देने पर उन्हें आपत्ति है। सरकार सभी त्यौहारों पर सामंजस्य से काम करती है और ऐसी ताकतों को जवाब देगी। सरकार के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि दिग्विजय सिंह हर बार कोई सनसनीखेज बयान देकर खुद को चर्चा में बनाए रखना चाहते हैं। उन्हें सनातन धर्म को अपमानित किया औरभगवा आतंकवाद जैसे शब्दों से पूरे समुदाय को बदनाम किया।

57 मिनट में शाह ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों को दिया विकास का मंत्र

मंत्रियों को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की दी जानकारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को अपने भोपाल प्रवास के दौरान तकरीबन 57 मिनट मुख्यमंत्री निवास पर रुके। जहां उन्होंने भोजन किया और सरकार के मंत्रियों को केन्द्र और प्रदेश सरकार की फ्लैग योजनाओं को कैसे-कैसे जन-जन तक पहुंचाएं, इसके बारे में जानकारी दी। हालांकि शाह का सीएम हाउस का दौरा कार्यक्रम केवल प्रदेश कैबिनेट के साथ उनका भोजन करना था। लेकिन इस प्रवास लेकर राजनीति पर नजर रखने वाले अलग-अलग नजर से देख रहे है। सूत्रों की मानें तो भोजन के उपरांत शाह ने सूबे के मंत्रियों से अनौपचारिक संवाद भी किया। इस दौरान उन्हें केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को कैसे जन-जन तक पहुंचाया जा सके,इसे लेकर मार्गदर्शन दिया गया।

कुछ मंत्रियों से की अलग से चर्चा

सूत्रों की मानें तो केन्द्रीय मंत्री शाह ने सीएम हाउस प्रवास के दौरान सरकार के कुछ वरिष्ठ नेताओं से अलग से चर्चा की और उनके विभाग की योजनाओं को बारे में जानकारी मांगी। इससे पहले भोपाल पहुंचने पर केन्द्रीय मंत्री शाह का एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव,प्रदेशाध्यक्ष भाजपा विष्णुदत्त शर्मा,पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय सहित दूसरे नेताओं के अलावा सरकार के दूसरे मंत्रियों ने उनका स्वागत किया।

नहीं हुई प्रदेशाध्यक्ष पर चर्चा

पहले ऐसी चर्चाएं हो रही थीं कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह जब भोपाल प्रवास के दौरान सीएम हाउस में रहेंगे,तो उनके द्वारा भाजपा नेताओं के साथ राज्य के अगले भाजपा अध्यक्ष के नाम पर सहमति बनाने चर्चा की जाएगी। लेकिन सूत्रों का कहना है कि शाह की मौजूदगी में इस संदर्भ में कोई भी चर्चा नहीं हुई है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि राज्य सरकार अपने निगम मंडल प्राधिकरण के खाली पड़े पदों को भरने के लिए भी केन्द्रीय नेतृत्व से मार्गदर्शन लेना चाहता है और रविवार को शाह का भोपाल प्रवास इसके लिए उपयुक्त समय माना जा रहा था पर बताया गया है कि इस बारे में भी किसी भी तरह की चर्चा नहीं हो सकी है।

सीएम ने शाह को दिया फीडबैक

सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में चल रहे जलगंगा अभियान के बारे में केन्द्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया। उनके द्वारा विक्रमोत्सव के तहत दिल्ली के आयोजनों के बारे में भी शाह को जानकारी दी। प्रदेश में गेहूं उपार्जन और राज्य के तीन जिलों को पूरी तरह से नक्सलमुक्त करने सरकार की रणनीति भी उनके द्वारा साझा की गई। इसके अलावा जीआईएस में आए निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन पर भी शाह को जानकारी से अवगत कराया गया।

ई-ऑफिस में कर्मचारियों को बिना कंप्यूटर दी जा रही ट्रेनिंग

सुविधाओं की कमी से कर्मचारी परेशान, खानापूर्ति पर सवाल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मध्य प्रदेश के जबलपुर तहसील कार्यालय में ई-ऑफिस के तहत कर्मचारियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को बिना कंप्यूटर के ही कंप्यूटर चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। जबकि जितने कंप्यूटर वहां पर उपलब्ध हैं उससे कई ज्यादा संख्या कर्मचारियों की है। जिससे ऐसा लग रहा है कि यह प्रशिक्षण केवल खानापूर्ति बनकर रह गया है, इससे कर्मचारियों को कोई वास्तविक लाभ नहीं होगा। कर्मचारी संघों ने बताया कि जिस अनुपात में कर्मचारियों को प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया है, उस अनुपात में सुविधाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण स्थल में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, बावजूद इसके तेज गर्मी में अधिकांश पंखे भी बंद हैं। एसी और कूलर की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, और पीने के लिए ठंडे पानी की भी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। कर्मचारियों ने बताया कि दोपहर एक बजे से चल रहे प्रशिक्षण में समस्त कर्मचारी, विशेष रूप से महिला कर्मचारी बेहद परेशान रहीं, उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों को प्रैक्टिकल के साथ नहीं सिखाया जाएगा, तब तक ई-ऑफिस प्रणाली पर प्रश्न उठते रहेंगे। हालांकि सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर संबंधित विभागों से कंप्यूटर उपलब्ध कराने, बैठने की व्यवस्था, कूलर और पंखों की सुविधा, ठंडे पानी की व्यवस्था और बाथरूम की साफ-सफाई की व्यवस्था करने की मांग की हैं।

मूलभूत आवश्यकता से दूर हैं कर्मचारी

ई-ऑफिस सिस्टम को तीन चरणों में राज्य में लागू करना है। पहले चरण में जनवरी से मंत्रालय में पूरी तरह लागू कर दिया गया है। इसमें काफी सफलता भी मिल चुकी है। दूसरे चरण में सभी विभाग प्रमुखों के कार्यालय या संचालनालय और तीसरे चरण में सभी जिला स्तर के कार्यालयों को ई-ऑफिस प्रणाली में लागू होना है। दूसरे चरण में काफी बाधाएं सामने आ रही हैं, जिन्हें दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए कर्मचारियों को जिले स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शासन कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए मूलभूत आवश्यकता के तौर कम्प्यूटर तक मुहैया नहीं करा पा रहा है। शासन को दूसरे चरण में 21 अप्रैल तक ई-आफिस को संचालनालय स्तर पर लागू करना है।

आयुष्मान में फर्जीवाड़ा रोकने नए सिरे से होगी अस्पतालों की जांच

सीएमएचओ की रिपोर्ट पर अब नहीं मिलेगी एनओसी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। आयुष्मान योजना में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए अब नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था में आयुष्मान भारत निरामयम मप्र के मुख्यालय का सीधा रोल रहेगा। जिससे निजी अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। जानकारी अनुसार आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज करने वाले अस्पतालों की अब हर गतिविधि पर सख्त नजर रखी जाएगी। फर्जी क्लेम और इलाज की शिकायतों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने 12 अहम बिंदुओं पर निरीक्षण की रूपरेखा तैयार की है। इन बिंदुओं के आधार पर अस्पतालों का फिजिकल वैरिफकेशन कर मूल्यांकन किया जाएगा और गड़बड़ी मिलने पर अस्पताल का नाम योजना की सूची से हटा दिया जाएगा। इसमें सबसे पहले अस्पताल की बेसिक सुविधाएं देखी जाएंगी। यानी अस्पताल ने जिस सेवा के लिए इम्पैनलमेंट कराया है, उसके लिए पर्याप्त बेड की संख्या है या नहीं। अस्पताल में उपलब्ध मानव संसाधन (डॉक्टर, स्टाफ की संख्या) कितनी है। मेडिकल और नॉन-मेडिकल स्टाफ की डिग्री और रजिस्ट्रेशन देखा जाएगा। इसके अलावा उपकरणों की उपलब्धता और कार्यशीलता भी परखी जाएगी। इतना ही नहीं इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध हैं या नहीं, वार्ड और बेड की संख्या व स्थिति, ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू की सुविधा, अस्पताल में साफ-सफाई और हाइजीन की स्थिति, आयुष्मान के तहत हुए इलाज का रिकॉर्ड, मरीजों से वसूले गए किसी भी अतिरिक्त शुल्क की जांच, मरीज की सहमति और डॉक्यूमेंटेशन की स्थिति, इलाज के बाद की फॉलोअप व्यवस्था व शिकायतों और ग्रिवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म की उपलब्धता भी परखी जाएगी।

जिला स्वास्थ्य समितियां होंगी शामिल

अब निरीक्षण सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रहेगा। थर्ड पार्टी एजेंसियों से फिजिकल ऑडिट और स्पॉट विजिट भी करवाई जाएगी। यह काम जिला स्वास्थ्य समितियों के साथ मिलकर होगा। दरअसल, पिछले एक साल में कई जिलों से फर्जी इलाज, मरीज के बिना क्लेम, एक ही मरीज पर बार-बार इलाज दिखाकर भुगतान लेने जैसी शिकायतें सामने आई हैं। कुछ अस्पतालों को पहले ही ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है।

संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के साथ करेंगे प्रदेश का विकास : सीएम

विक्रमोत्सव के दौरान एमपी टूरिज्म पेवेलियन और प्रदर्शनी का किया अवलोकन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विरासत के विकास के संकल्प को लेकर दिल्ली में विक्रमोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के साथ विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने शक और हूण जैसे आक्रांताओं को परास्त कर सुशासन स्थापित किया। भगवान श्री राम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का काल विनम्रता से शासन करना सिखाता है। सम्राट विक्रमादित्य जैसे महानायक इतिहास नहीं बनते, इतिहास बनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात दिल्ली के लाल किले में विक्रमोत्सव के दौरान चित्र प्रदर्शनी और एम पी पेवेलियन के अवलोकन के दौरान मीडिया से कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य के महानाट्य के मंचन के साथ सरकार की जनहितैषी और कल्याणकारी योजनाओं, संस्कृति और पर्यटन की जानकारी के साथ प्रदेश में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उप मुख्यमंत्री द्वय जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के साथ गणमान्य नागरिक और समाजसेवी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमादित्य क़ालीन पुरातात्विक मुद्रा मुद्रांक, बृहत्तरभारत के सांस्कृतिक वैभव, मध्यप्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं, प्रदेश में निवेश तथा रोज़गार सृजन के अवसरों में लोकव्यापी विस्तार के प्रयासों पर केंद्रित प्रदर्शनियो का अवलोकन किया। एमपी पेवेलियन के अवलोकन के दौरान डिंडोरी की गोंड पेंटिंग, स्थानीय कला बाग प्रिंट की साड़ियों, लड़की के खिलौनों, जरी जरदोजी कला, टेराकोटा कला के कलाकारों से परिचय लिया। उनके उत्पादों के बारे में जानने के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन भी किया। कलाकारों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सम्मानस्वरूप गोंड पेंटिंग, जरी जरदोजी फोटो फ्रेम भेंट किया। साथ ही प्रदेश के पर्यटन स्थलों के साथ स्थानीय संस्कृति और कला को प्रदर्शित करते एमपी टूरिज्म पेवेलियन की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवलोकन के दौरान मंडला से खजूर शिल्प के उत्पादों का भी अवलोकन किया। कलाकार श्री संतोष खड़से ने अपने उत्पादों के बारे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि खजूर की पत्तियों से सजावट और घरेलू उपयोग के लगभग 200 डिजाइन और उत्पादों को बनाया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से ही उसके उत्पादों का राजधानी दिल्ली में प्रदर्शित और बिक्री होना संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलाकार श्री संतोष खड़से की कला की सराहना की और स्वयं एक पुष्प खरीदते हुए एक हजार रुपए उत्साहवर्धन स्वरूप दिए।

सुरक्षित प्रसव व शिशु के लिए मनाया मातृत्व दिवस

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मातृत्व स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता बढ़ाने, गर्भावस्था, प्रसवकालीन और प्रसव पश्चात देखभाल को बढ़ावा देने के लिए हर साल 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया जाता है। जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर लगाए गए। प्रसवकालीन उम्र की महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्ना समस्याओं के लक्षण, बचाव के उपाय एवं उपचार की जानकारी दी गई। पोषण और स्वच्छता के महत्व के बारे में भी बताया गया। स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के लक्षणों की पहचान के बारे में जागरूक किया गया। आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस घोषित करने वाला भारत दुनिया का पहला देश है। इस दिन का उद्देश्य यह भी है कि मातृ मृत्यु को कम करने के प्रयासों को और तेज गति दी जावे। सरकार के प्रयासों से मृत्यु दर में कमी आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2000 से लेकर 2023 के बीच में मातृ मृत्यु दर में वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत तक की कमी आई है।

प्रोफेसरों के ट्रांसफर से अतिथि विद्वान होंगे फालेन आउट, बढ़ रहा तनाव

फालेन आउट शब्द विलोपित करने की शिवराज और मोहन यादव ने की थी घोषणा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सूबे के सरकारी कॉलजों में वर्षो से सेवा कर रहे अतिथि विद्वानों के अतिथि विद्वानी में भी अब खतरा मॉडराने लगा है। अंदर बाहर का खेल अब शुरू होने वाला है। अभी हाल ही में प्रोफेसरों के ट्रांसफर लिस्ट उच्च शिक्षा विभाग ने जारी कि है, जिसे लेकर अतिथि विद्वानों पर फालेन आउट होने का डर सता रहा है। अब जैसे ही प्रोफेसर नई पदस्थापना वाली जगहों पर ज्वाइन करेंगे, तो तत्काल अतिथि विद्वान बाहर हो जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान मुख्यमंत्री पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव ने महापंचायत में घोषणा कि थी कि अतिथि विद्वान अब फालेन आउट नहीं होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा था कि अतिथि विद्वान कालेजों में ही रहेंगे उनके साथ जुड़ा फालेन आउट शब्द विलोपित किया जाता है, लेकिन आज भी घोषणा की एक भी लाइन पूरी नहीं हुई। अतिथि विद्वान महासंघ ने विद्वानों के भविष्य पर चिंता जताई है। महासंघ के प्रदेश मिडिया प्रभारी डॉ आशीष पांडेय ने बताया कि प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में अधिकतर कार्य अतिथि विद्वान ही संभालते हैं, लेकिन उन्हीं अतिथि विद्वानों का भविष्य सुरक्षित नहीं। डॉ पांडेय ने कहा कि अतिथि विद्वानों के भविष्य पर सरकार ध्यान दे।

और आ सकती है ट्रांसफर लिस्ट, मचेगी हलचल

आने वाले समय में प्रोफेसरों की ट्रांसफर लिस्ट और आ सकती है, जिससे सीधे अतिथि विद्वान प्रभावित होंगे। वर्तमान में 600 स्थानांतरण पीएमश्री कॉलेज और उत्कृष्टता कॉलेज में हुए थे। अभी वही मामला अटका है जिसकी सूची क्लियर होनी है। महासंघ उपाध्यक्ष डॉ अविनाश मिश्रा ने बताया कि अतिथि विद्वानों को जो भी दिहाड़ी मजदूरी मिल रही है उससे भी सरकार बेदखल करने का प्रयास कर रही है। डॉ मिश्रा ने फिक्स मासिक वेतन एवं स्थाई समायोजन कि मांग रखी।

> शासन नैतिकता दिखाते हुए रिक्त पदों पर काम कर रहे अतिथि विद्वानों को घोषणा अनुसार स्थाई करे। साथ ही फिक्स मासिक वेतन दे तो खुद ही सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। ■ **डॉ देवराज सिंह,** प्रदेश अध्यक्ष अतिथि विद्वान महासंघ

पृष्ठ एक के शेष

पीएनबी घोटाल....

है कि वह स्विटजरलैंड भागने की कोशिश कर रहा था। 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी का भतीजा नीरव मोदी भी इस घोटाले में आरोपी है और लंदन में प्रत्यर्पण की कार्यवाही का सामना कर रहा है।

लूट के इरादे से...

रविवार-सोमवार रात वे कछाला गांव के पास हनुमान मंदिर में विश्राम के लिए रुके थे। इसी दौरान तीन बाइकों से कुछ बदमाश वहां पहुंचे। पहले उन्होंने मंदिर के सामने बैठकर शराब पी। उन्हें जैन मुनि दिखे तो उनसे रुपए मांगने लगे, जब मुनियों ने मना किया, तो मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने एक जैन मुनि सड़क की ओर भागे। उन्होंने रास्ते से गुजर रहे बाइक सवार से मदद मांगी, उससे समाज के लोगों को फोन करने को कहा। बाइक सवार ने जैन समाज के लोगों को फोन किया। सूचना पर कछाला गांव के लोग भी आ गए। लोगों को आता देख चार बदमाश भाग निकले, जबकि दो को लोगों ने पकड़ लिया। थोड़ी देर में पुलिस भी पहुंच गई। घायल जैन मुनियों को सिंगोली अस्पताल ले जाया गया। जैन परंपरा के अनुसार रात में जल का भी त्याग रहता है, इसलिए घायल मुनियों ने रात में दवा नहीं ली और न ही इलाज कराया। सोमवार सुबह जैन स्थानक भवन में उनका इलाज किया गया।

बंगाल में हिंसा ....

लगा दी। कैदियों को ले जाने वाली वैन को पलटा दिया और उसमें भी आग लगा दी। इसके बाद हाईवे भी जाम कर दिया, जिसे पुलिस ने जैसे-तैसे खुलवाया। तृणमूल नेता और पूर्व सांसद कुणाल घोष ने कहा कि हिंसा के पीछे भाजपा है। हमें इनपुट मिले हैं कि हिंसा की घटनाओं के पीछे एक बड़ी साजिश है। इस साजिश में भाजपा, केंद्रीय एजेंसियां और वामपंथी शामिल हैं।

छोटे शहरों में ....

मालिकों ने किए। वहीं 34 प्रतिशत योगदान लिस्टेड होटल कंपनियों का रहा, जबकि रियल एस्टेट डिवेलपर्स और ओनर-ऑपरेटर्स ने क्रमशः 8 और 7 प्रतिशत का हिस्सा जोड़ा। यह संतुलन दर्शाता है कि अब यह क्षेत्र सिर्फ कॉरपोरेट ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत निवेश के लिए भी आकर्षक बन चुका है।

राजाभोज एयरपोर्ट पर 12 सीटर प्लेन आकर दुबई रवाना

भोपाल । भले ही राजाभोज एयरपोर्ट से अधिकृत तौर पर हज के अलावा किसी भी निजी विमानन कम्पनी की कोई उड़ान आम यात्रियों के लिए इंटरनेशनल स्वरूप नहीं ले सकी हो लेकिन निजी तौर पर विदेश जाने वाली उड़ानों के आने जाने का सिलसिला अक्सर लगा ही रहता है। रविवार को अहमदाबाद से होते हुए भोपाल पहुंचे एक छोटे से विमान ने एक घंटे के बाद दुबई के लिए उड़ान भरी। यह 12 सीटर प्लेन था, जिसमें भोपाल से 5 यात्री सवार हुए। भले ही यह एक निजी छोटा सा विमान था लेकिन उसके लिए औचारिकताएं पूरी तरह से इंटरनेशनल स्तर की करनी होती हैं। इमीग्रेशन चैक, कस्टम सिस्टम आदि सभी तरह उसी प्रकार की प्रक्रिया से गुजरना होता है, जो एक बड़े विमान के आने जाने के दौरान होता है।

तबादला | दो अधिकारियों से ली गई कलेक्टरी, दो को भेजा दूसरे जिले में, रौशन कुमार सिंह पर सीएम ने जताया भरोसा

प्रशासनिक फेरबदल में नौ अधिकारियों की बदली गई जिम्मेदारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। जीआईएस और उसके बाद विधानसभा के बजट सत्र के उपरांत प्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की चर्चा की जा रही थी। इस पर रविवार को आंशिक रोक लगी है। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 9 अधिकारियों के तबादले आदेश जारी कर दिए। सूत्रों की मानें तो जल्द ही एक और बड़ी सूची आएगी, जिसमें प्रमुख सचिव व सचिव स्तर के कई अधिकारियों को बदला जाएगा। बता दें कि तकरीबन 8 महीने पहले संचालक जनसंपर्क के पद से विदिशा के कलेक्टर बने रौशन कुमार सिंह को सीएम ने अपने गृह जिले की जिम्मेदारी सौंपी है। रौशन कुमार सिंह पहले भी उज्जैन में बतौर नगर निगम कमिश्नर के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं, तभी से उन्हें सीएम के विश्वास पात्र और परिणाम देने वाले अधिकारी के रुप में देखा जाता रहा है। जबकि संचालक जनसंपर्क अंशुल गुप्ता को पहली बार कलेक्टर बनाकर विदिशा भेजा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक चार जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। इनमें से दो कलेक्टर से मैदानी जिम्मेदारी वापस लेते हुए उन्हें मंत्रालय में पदस्थ कर दिया गया है, जबकि रौशन कुमार सिंह और हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह पर सरकार ने भरोसा जताते हुए दूसरे जिलों की कमान उन्हें सौंपी है। जिन दो जिलों के कलेक्टर मंत्रालय पदस्थ किए गए है,उनमें उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग भोपाल भेजा गया है। जबकि अशोकनगर कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी को हटा कर सामान्य प्रशासन विभाग में अपर सचिव पदस्थ किया गया है। उनके स्थान पर हरदा में कलेक्टर रहे आदित्य सिंह को स्थानांतरित कर अशोकनगर पदस्थ किया गया है।

रौशन कुमार सिंह

अंशुल गुप्ता

आदित्य सिंह

नीरज कुमार सिंह

दो साल से ज्यादा समय बाद कुर्रे स्थानांतरित

इस फेरबदल में नवंबर 2022 को संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर पदस्थ किया गया था। इस तरह उन्हें दो साल से ज्यादा समय बाद स्थानांतरित किया गया है। आदेश के अनुसार बसंत कुर्रे संयुक्त मुख्य निवार्चन पदाधिकारी एवं पदेन अपर सचिव (विधि एवं विधायी कार्य विभाग) को अपर सचिव, श्रम विभाग के साथ-साथ मध्यप्रदेश भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल तथा असंगठित शहरी/ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। भोपाल अपर कलेक्टर सिद्धार्थ जैन को कलेक्टर हरदा पदस्थ किया गया है।

संचालक अंशुल गुप्ता बने कलेक्टर

काफी समय से भारतीय प्रशासनिक सेवा 2016 बैच के अधिकारी एवं संचालक जनसंपर्क अंशुल गुप्ता को जिले की कमान दिए जाने की चर्चाए चल रही थीं। रविवार को जारी आदेश में इन चर्चाओं पर मुहर लगी है। उन्हें विदिशा का कलेक्टर बनाया गया। इससे पहले रौशन कुमार सिंह को भी संचालक जनसंपर्क से विदिशा का कलेक्टर बनाया गया था। इंदौर की अपर कलेक्टर ज्योति शर्मा को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास नियुक्त किया गया है। देवास जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति को मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम, इंदौर का कार्यकारी संचालक बनाया गया है।

इंदौर कलेक्टर को सौंपा सिंहस्थ मेला का अतिरिक्त प्रभार

आदेश में जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल के मुख्य कार्यालय अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ सिंहस्थ मेला उज्जैन के मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा राज्य योजना आयोग के सदस्य सचिव एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी आयुक्त ऋषि गर्ग को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के भी तबादले

इधर राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी बदली है। इनमें राजेश कुमार गुप्ता को संस्कृति विभाग का उपसचिव बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

महायुति में खुश नहीं हैं शिंदे, शाह से मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खुश नहीं हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि एकनाथ शिंदे ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शिंदे से सह्याद्रि गेस्ट हाउस में मिलने के बाद शाह भोपाल के लिए रवाना हो गए। सूत्रों के मुताबिक, शिंदे महायुति सरकार में खुश नहीं हैं, फंड के आवंटन को लेकर उन्हें शिकायत है। सूत्रो के मुताबिक, शिंदे की पार्टी और मंत्रियों का कहना है कि उनके विधायकों और मंत्रियों के साथ फंड आवंटन और फाइल पास करने पर भेदभाव किया जा रहा है। फाइनेंस मिनिस्ट्री शिंदे के विधायकों और मंत्रियों को सहयोग नहीं कर रही है। बता दें कि फाइनेंस मिनिस्ट्री एनसीपी के अजित पवार के पास है।

ट्रंप की हत्या के लिए माता और पिता को गोली मारी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य में फेडरल अधिकारियों ने हाल ही में 17 साल के युवक को अपने माता-पिता के कत्ल के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवक ने फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने के लिए यह कदम उठाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक अधिकारियों ने कोर्ट में बताया कि निकिता कैसाप नाम का यह युवक राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या करना चाहता था, इसके लिए उसे पैसे और संसाधनों की जरूरत थी। जांचकर्ताओं को उसके पास से कुछ लिखित दस्तावेजों और टेक्स्ट मैसेज मिले हैं, जिनमें राष्ट्रपति की हत्या और अमेरिकी सरकार को उखाड़ फेंकने के अपील की गई है। वाउकेशा काउंटी अदालत के अनुसार, कैसाप पर 9 आरोप हैं, जिनमें हत्या के दो मामले और शव छिपाने के दो मामले शामिल हैं। तीन मामले राष्ट्रपति की हत्या, षडयंत्र और मास डिस्ट्रक्शन के हथियारों का इस्तेमाल करने की साजिश के हैं।

यौन उत्पीड़न का आरोपी पादरी केरल से गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के चर्च का पादरी पास्टर जॉन जेबराज को केरल के मुन्नार से गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर नाबालिगों के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पास्टर जॉन जेबराज तमिलनाडु के कोयंबटूर के क्रॉसकट रोड स्थित किंग्स जेनरेशन चर्च का पादरी है। 37 वर्षीय पास्टर जॉन जेबराज के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोवर्स है। पादरी जेबराज को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया है। वह तमिलनाडु के साथ-साथ केरल में भी धर्मोपदेश देता था। यह मामला तब सामने आया जब पीड़ित लड़कियों के माता-पिता ने कोयंबटूर सेंट्रल ऑल विमेन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की।

पंजाब से हरिद्वार तक बैसाखी का उल्लास

नई दिल्ली, जेएनएन। उत्तर भारत के कई राज्यों में बैसाखी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। बैसाखी को पोइला, बौइशाख, विशु और बीहू जैसे नामों से भी जाना जाता है। बैसाखी के मौके पर पवित्र नदियों में स्नान किया जाता है और आस्था की डूबकी लगाई जाती है। आज बैसाखी के मौके पर हरिद्वार में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। हर की पौड़ी पर भक्तों का तांता लगा हुआ है। भक्त यहां पूजा-अर्चना, पवित्र स्नान कर रहे हैं। बैसाखी को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजामों किए गए हैं। शहर को जोन और सेक्टर में बांटा गया है। इसी तरह अमृतसर के श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सुबह से स्वर्ण मंदिर में अमृत सरोवर में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। बैसाखी का त्योहार मुख्य रूप से पंजाब में मनाया जाता है। कहा जाता है कि नई फसल के आगमन की खुशी में ये पर्व मनाया जाता है, इस दिन के बाद से ही पंजाब और उससे लगने वाले राज्यों में फसलों की कटाई शुरू कर दी जाती है। उत्तरी राज्यों जैसे उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू, हिमाचल, हरियाणा, उप्र के कुछ क्षेत्रों में लोग इस उत्सव को मनाते हैं और इस दिन पवित्र नदी में स्नान जरूर करते हैं, जबकि भारत के अन्य हिस्सों में बैसाखी को भारतीय सौर नववर्ष के रूप में भी माना जाता है। ये त्योहार देश में 13 से 15 अप्रैल तक मनाया जाएगा।

नई फसल आने पर मनाया जाता है बैशाखी पर्व

युद्ध विराम की कवायद को लेकर अमेरिका-रूस की वार्ता, पुतिन ने किया बड़ा हमला

यूक्रेन के सुमी में मिसाइल हमला, 21 लोगों की मौत, 80 से ज्यादा घायल

मास्को, जेएनएन। रूस-यूक्रेन युद्ध थमने के बजाय बढ़ता जा रहा है। रविवार को यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी शहर सुमी पर रूस के बैलेस्टिक मिसाइल हमले में 21 लोगों की मौत हो गई और 80 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन ने कहा कि नागरिकों पर रूस का यह एक और घातक हमला है। मिसाइल हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने हाल ही में रूस की यात्रा की है। यूक्रेन का सुमी शहर रूस की सीमा के करीब है और पिछले कुछ हफ्तों से इस शहर को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सुमी पर यह हमला अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ की रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दो दिन बाद हुआ है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भी रूस से युद्ध खत्म करने का आग्रह करने के बावजूद किया गया है।

सड़कों-घरों पर लोग घायल: यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने कहा, रूस ने शहर के केंद्र पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। ठीक उस समय जब सड़क पर बहुत से लोग थे। लोग सड़क के बीचों-बीच, कारों, सार्वजनिक परिवहन और घरों में घायल हो गए। शुरुआत आंकड़ों के मुताबिक, 21 लोगों की मौत हुई है। वहीं आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि हमले में सात बच्चों सहित 83 लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूरोप और अमेरिका से कड़ी प्रतिक्रिया देने को कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, दुश्मन की मिसाइलों ने एक साधारण शहर की सड़क, साधारण जीवन, घरों, शैक्षणिक संस्थानों, सड़क पर कारों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा, यह उस दिन हुआ जब लोग चर्च जाते हैं, पाम संडे, प्रभु के यरूशलम में प्रवेश का पर्व।

बातचीत से हमले नहीं रुके हैं : जेलेंस्की

जेलेंस्की ने कहा, बातचीत करने से बैलिस्टिक मिसाइलों और बमों का हमला कभी नहीं रुका है। विटकॉफ ने सेंट पीटर्सबर्ग में पुतिन के साथ घंटों लंबी बातचीत के दो दिन बाद यह हमला किया है। सुमी में स्थानीय अधिकारियों ने सड़क पर बिखरे शवों और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भागते, कारों में आग लगने और घायल नागरिकों को फर्श पर पड़े हुए फुटेज जारी किए हैं। यह हमला तब हुआ जब ट्रंप ने इस महीने यूक्रेन में पागलों की तरह बमबारी करने के लिए रूस के खिलाफ सार्वजनिक रूप से गुस्सा व्यक्त किया था और तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

यूक्रेन के दो टुकड़े, यूएस ने दिया बंटवारे का प्लान

रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से चल रहे शांति और समझौते के तमाम प्रयास अब तक सिफर ही रहे हैं। इस बीच अमेरिका दोनों पक्षों से बातचीत कर रहा है और शांति के प्रस्ताव का फॉर्मूला निकाल रहा है। खबर है कि यूक्रेन-रूस डील को लेकर ट्रंप प्रशासन ने चौंकाने वाला सुझाव तैयार किया है। ट्रंप के विशेष दूत ने यूक्रेन के कुछ अहम इलाके रूस को देने की वकालत की है। उन्होंने रूस को चार यूक्रेनी इलाके देने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, इस डील पर ट्रंप प्रशासन के भीतर ही रणनीतिक मतभेद देखे जा रहे हैं। दरअसल, पिछले हफ्ते रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक वार्ताकार को वॉशिंगटन भेजा था। उसने ट्रंप प्रशासन के साथ डिनर में यूक्रेन-रूस में शांति पर चर्चा की थी। इस डिनर के 48 घंटे से भी कम समय बाद बड़ी जानकारी निकलकर सामने आई है। मॉस्को के साथ बातचीत का नेतृत्व कर रहे अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की और सीधी बात रखी है।

भारत का उड़ने वाला देसी बम 'गौरव' गिरा तो तबाही तय

हाल ही में किया ट्रायल, फाइटर जेट से होगा लॉन्च

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने एक ऐसा देसी बम बनाया है, जिसके चर्चे दूर-दूर तक हो रहे हैं। कई मीलों तक तबाही बचाने वाले इस बम का नाम 'गौरव' रखा गया है। ये लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम है। इस बम को फाइटर जेट से लॉन्च किया जा सकता है। यह बम ग्लाइड करने में सक्षम है, इसलिए यह लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम-एलआरजीबी के नाम से भी जाना जा रहा है। इस बम का हाल ही में ट्रायल हुआ है, इसे एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट से लॉन्च किया गया था।

दरअसल, ग्लाइड बम ऐसा हथियार है, जो बिना किसी इंजन के ही हवा में लंबी दूरी तक ग्लाइड करता है, इसे सामान्य तौर पर ऊंचाई (30,000-40,000 फीट) पर से फाइटर जेट द्वारा छोड़ा जाता है, जिस समय बम छोड़ा जाता है, उस दौरान विमान की गति तेज होना जरूरी है। ऊंचाई और तेज गति बम को एनर्जी देती है, जिसके बाद ये नेविगेशन सिस्टम की मदद से टारगेट तक पहुंचता है। एयरक्राफ्ट से छोड़ने के बाद इसके विंग खुलते हैं और हवा में ग्लाइडर की तरह उड़ते हुए निशाना बनाते हैं।

गौरव बम प्रमुख खासियत

- यह 1000 किलोग्राम वजन का ग्लाइड बम है, इसे बंकरों या सैन्य ठिकानों को टारगेट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- यह जीपीएस बेस्ड नेविगेशन सिस्टम और ऑनबोर्ड कंप्यूटर से लैस है। ये बम अपने पंखों के बल पर आगे का रास्ता तय करता है।
- इस बम की खास बात ये है कि यह 100 किमी तक ग्लाइड करने में सक्षम है।

दूसरा वर्जन भी बना रहा भारत

भारत इस बम के दूसरे वर्जन पर भी काम कर रहा है, जिसे गौतम नाम दिया गया है। हालांकि, यह गौरव बम से हल्का है, इसकी रेंज 30 किलोमीटर के आसपास है, जैसे गौरव में पंख लगे हैं, वैसा इसमें नहीं है।

आतंकवादी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लेगी एनआईए

हेडली के मददगार को सामने बिठाकर होगी पूछताछ

नई दिल्ली, जेएनएन। तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रविवार को तीसरे दिन पूछताछ करेगी। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लिए जा सकते हैं। एनआईए पता लगाएगी कि क्या तहव्वुर नवंबर 2008 के हमलों के दौरान फोन पर निर्देश (इंस्ट्रक्शन) दे रहा था। वॉयस सैंपल लेने के लिए तहव्वुर की सहमति जरूरी होगी। मना करने पर एनआईए कोर्ट जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को एनआईए की पूछताछ में एक 'कर्मचारी बी' का नाम आया है, इसने राणा के कहने पर हेडली के लिए ऑपरेशन और लॉजिस्टिक में मदद की थी। अब एनआईए राणा और कर्मचारी बी को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करेगी। एजेंसी के मुताबिक कर्मचारी बी को आतंकी साजिश की जानकारी नहीं थी। वह सिर्फ राणा के निर्देश पर हेडली के लिए रिसेप्शन, ट्रांसपोर्ट, ठहरने, ऑफिस की व्यवस्था करता था। हेडली हमले का मास्टरमाइंड था। 10 अप्रैल को तहव्वुर को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था। इसके बाद 18 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा गया है। कस्टडी में एनआईए रोजाना राणा से पूछताछ की एक डायरी तैयार कर रही है।

प्रत्यर्पण रोकने बताई थी 33 बीमारियां

भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए राणा ने अमेरिकी विदेश विभाग को 21 जनवरी को लेटर लिखा था, जिसमें 33 बीमारियों और भारत में टॉर्चर का हवाला दिया गया था। उसके वकील ने लिखा था कि राणा को पार्किंसन्स, दिल की बीमारी, किडनी खराबी, अस्थमा, टीबी और ब्लैडर कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियां हैं। साथ ही उसने दावा किया था कि राणा को भारत में मुस्लिम और पाकिस्तानी मूल का होने की वजह से प्रताड़ना झेलनी पड़ सकती है, लेकिन अमेरिकी विदेश विभाग ने 11 फरवरी को जवाब देते हुए इन दावों को खारिज किया और कहा कि प्रत्यर्पण सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार होगा।

विवादों के बाद फिर खुला फिटजी नोएडा सेंटर

नोएडा, जेएनएन। सेक्टर-62 स्थित फिटजी कोचिंग सेंटर एक बार फिर विवादों में है। काफी विवादों और कोचिंग सेंटर बंद होने के बाद अब फिर से दोबारा शुरू किया गया है। इसे फिटजी 2.0 बताया जा रहा है। कुछ छात्रों ने क्लासेज लेना शुरू भी कर दिया है, लेकिन दूसरी ओर बड़ी संख्या में अभिभावक सेंटर के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं और इसे नई ठगी की शुरुआत बता रहे हैं। अभिभावकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि फिटजी ने पहले 5-6 लाख रुपए फीस वसूलने के बाद अचानक कोचिंग सेंटर बंद कर दिया था। रातों-रात टीचर्स ने इस्तीफा दे दिया और छात्रों की पढ़ाई अधर में लटक गई। अब उसी सेंटर को एक फ्रेंचाइजी के जरिए फिर से शुरू किया गया, जिसे लेकर अभिभावकों में काफी नाराजगी है। एक अभिभावक ने कहा, हमें लंबा-चौड़ा मेल भेजा गया, जिसमें क्लास फिर से शुरू करने की बात कही गई। लेकिन पहले जो हुआ, उसे लेकर हमने फिटजी को इतने मेल किए पर उसका कोई जवाब नहीं आया। अब कैसे यकीन करें कि दोबारा ऐसा नहीं होगा, हमें हमारा पैसा वापस चाहिएँ। पेरेंट्स ने बताया कि काफी लोगों ने पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी, जिसके बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा की एफआईआर को मर्ज करके एसआईटी का गठन किया गया है।

प्रदर्शन कर रहे अभिभावक बोले- फिर लाखों की ठगी की कोशिश

आकाश बोले-ससुराल वालों से नहीं लूंगा सलाह, मायावती ने किया माफ

बोलीं-आकाश के ससुर की गलतियां माफी लायक नहीं

लखनऊ, जेएनएन। आकाश आनंद को उनकी बुआ और बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को माफ कर दिया। बसपा से निकाले जाने के 41वें दिन आकाश की फिर से पार्टी में एंट्री हो गई है। आकाश पार्टी से हटाए जाने से पहले नेशनल कोआर्डिनेटर और बसपा प्रमुख के उत्तराधिकारी थे। मायावती ने साफ कर दिया है कि जब तक वे स्वस्थ्य रहेंगी, किसी को भी उत्तराधिकारी नहीं बनाएंगी। मायावती ने यह भी कहा- आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ की गलतियां माफी के लायक नहीं हैं। उन्होंने गुटबाजी और पार्टी विरोधी काम किए। आकाश के करियर को भी बर्बाद करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। माफी मिलने के दो घंटे पहले आकाश आनंद ने मायावती से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। आकाश मायावती के सबसे छोटे भाई आनंद के बेटे हैं। मायावती ने उन्हें 15 महीने में 2 बार उत्तराधिकारी घोषित किया, लेकिन दोनों ही बार हटा दिया था। 3 मार्च को उन्हें पार्टी से भी निकाल दिया था।

बड़े लोगों की इज्जत करूंगा

आकाश ने लंबे-चौड़े माफीनामे में लिखा, कुछ दिनों पहले किए गए ट्वीट के लिए भी माफी मांगता हूं, जिससे मुझे पार्टी से निकाल दिया है और आगे से मैं किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए किसी नाते रिश्तेदार, सलाहकार की कोई सलाह मशविरा नहीं लूंगा। आकाश ने पोस्ट में मायावती के दिशा-निर्देशों का पालन करने और पार्टी में बड़ों और पुराने लोगों की भी पूरी इज्जत करने का विश्वास दिलाया है।

तमिलनाडु गवर्नर ने लगवाया जय श्रीराम का जयघोष

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मदुरै में एक कॉलेज इवेंट में छात्रों से जय श्रीराम का जयकारा लगाने को कहकर विवाद खड़ा कर दिया है। शनिवार को मदुरै में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रवि ने अपने संबोधन के आखिर में छात्रों से जयकारा लगाने के लिए कहा। तमिलनाडु के गवर्नर का यह वीडियो के सामने आने के बाद सभी पार्टियों ने उनकी आलोचना की है। कहा जा रहा है कि तमिलनाडु राज्य समान स्कूल प्रणाली मंच (एसपीसीएसएस) ने उन पर संवैधानिक शपथ का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है और उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की है। वेलाचेरी से कांग्रेस विधायक जेएमएच हसन मौलाना ने कहा कि आरएन रवि संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें ऐसे काम शोभा नहीं देते। रवि किसी धार्मिक नेता की तरह बोल रहे हैं। वे आरएसएस और भाजपा के प्रचार मास्टर बन गए हैं। तमिलनाडु राज्य समान स्कूल प्रणाली मंच ने राज्यपाल रवि पर तमिलनाडु के शैक्षणिक ढांचे और सांस्कृतिक संदर्भ के बारे में अनभिज्ञ रहने का भी आरोप लगाया। मंच ने कहा, राज्यपाल रवि तमिलनाडु के स्कूलों और कॉलेजों में अपनाए जाने वाले पाठ्यक्रम और सिलेबस से अनजान हैं।

कांग्रेस बोली-ये निंदनीय, वह संघ और भाजपा की भाषा बोल रहे

शोध | स्टडी में भारतीय प्लेटों के दो भागों में टूटने का खौफनाक संकेत

2 हिस्सों में बट रही भारत की धरती, भूकंप का खतरा

नई दिल्ली,जेएनएन। भूवैज्ञानिकों ने भारतीय प्लेटों के 2 हिस्सों में टूटने का संकेत दिया है। बताया जा रहा है कि इसका एक हिस्सा धरती के मेंटल में धंसने वाला है, इस प्रक्रिया से इलाके के भूवैज्ञानिक परिदृश्य को नया आकार मिल सकता है। अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक भारतीय प्लेट 2 टुकड़ों में विभाजित हो रही है, जो इस इलाके के पूरे भूवैज्ञानिक स्थिति को हमेशा के लिए कोई दूसरा आकार दे सकती है। स्टडी के मुताबिक तकरीबन 60 मिलियन सालों से यूरेशियन प्लेट से टकरा रही भारतीय प्लेट डेलैमिनेशन नाम की नई प्रक्रिया से गुजर रही है, इस प्रक्रिया में प्लेट का घनत्व वाला हिस्सा धरती के मेंटल में समा रहा है, जिससे प्लेट के अंदर एक दरार पड़ रही है। डेलैमिनेशन की प्रक्रिया प्लेट की स्थिरता को प्रभावित करती है, इससे इलाके में भूकंप का खतरा अधिक बढ़ जाता है। यूट्रेक्ट यूनिवर्सिटी के जियोलॉजिस्ट डौवे हिंसबर्गेन के मुताबिक टेक्टोनिक शिफ्ट को अंदर से ऑपरेट करने वाली क्रियाएं तेजी से बदल रही हैं। इसे समझ पाना काफी कठिन है।

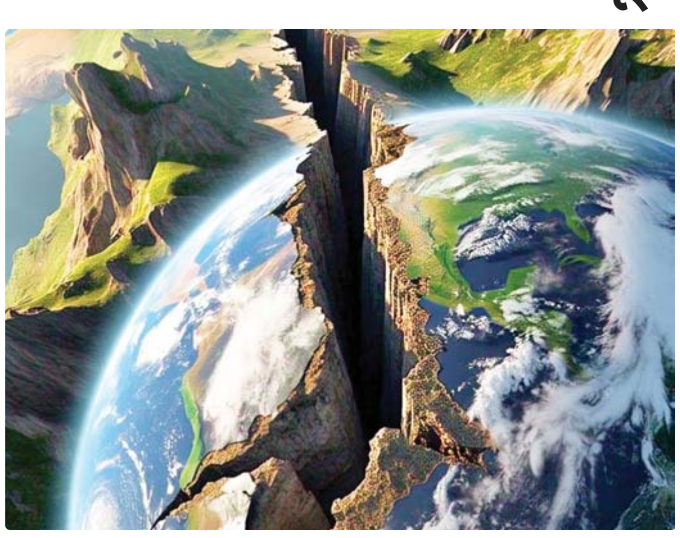

टकराव से तिब्बती पठार में पैदा होंगी दरारें

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के जियोफिजिस्ट साइमन क्लेम्परर ने कहा कि हिमालय टकराव जैसे हाई कंप्रेशन वाले क्षेत्रों में टेक्टॉनिक प्लेट्स कई बार दरारें दिखाती हैं, इन दरारों से धरती की पपड़ी में तनाव निर्माण में प्रभाव डल सकता है, जिससे भूकंप का खतरा रहता है। डेलैमिनेशन की प्रक्रिया इस इलाके में काफी तनाव बढ़ा सकती हैं, जिससे बार-बार तेज भूकंप आता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह प्रक्रिया तिब्बती पठार में दरारें पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि प्लेट्स के दो हिस्सों में विभाजित होने की इस प्रक्रिया का यह प्रारंभिक संकेत है, इस पर अभी और स्टडी की जरूरत पड़ेगी, ताकि इस प्रक्रिया से लंबे समय तक होने वाले प्रभावों के बारे में पूरी तरह समझा जा सके।

शराब के बिजनेस से करोड़ों कमा रहे सुपरस्टार

मुंबई। फिल्मी दुनिया के कई सुपरस्टार्स ऐसे हैं, जो खुद तो विरले ही शराब पीते हैं, लेकिन करोड़ों के इस बिजनेस का हिस्सा रहकर मोटी कमाई कर रहे हैं। दुनियाभर में शराब के ढेरों ब्रांड हैं और लोग पसंद या बजट के मुताबिक इन्हें चुनते हैं। शराब जहां शौकीनों के लिए उनकी पसंदीदा ड्रिंक है, तो वहीं उद्योगपतियों के लिए मोटा पैसा कमाने का जरिया। शराब इतना मुनाफे का सौदा है कि शाहरुख खान के लेकर संजय दत्त तक इस बिजनेस में हैं। डीयावोल एक ग्लोबल लग्जरी शराब ब्रांड है, जिसमें शाहरुख और बेटे आर्यन खान हिस्सेदार हैं। इसकी 3 शराबें बाजार में उपलब्ध हैं। सिंगल इस्टेट वोडका, डीयावोल वोर्टेक्स और डीयावोल इन्सेप्शन। इनमें से आपने कौन सी ट्राय की हुई है? संजय दत्त भी एक मशहूर शराब कंपनी में हिस्सेदार हैं। हम बात कर रहे हैं इंटरनेशनल ब्रांड ग्लेनवॉक की।

गूगल और सैमसंग मिलकर ला रहे हैं अनोखा चश्मा

नई दिल्ली, जेएनएन। दिग्गज टेक कंपनियां गूगल और सैमसंग मिलकर जल्द ही अपने फैन्स को एक और बड़ा तोहफा देने जा रही हैं। रेगुलर स्मार्टफोन से लेकर फोल्डेबल फोन्स के बाद अब ये दोनों कंपनियां अपने करोड़ों फैंस के लिए एंड्राइड एक्सआर स्मार्ट ग्लास भी लेकर आ रही हैं। हालिया रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि दोनों कंपनियां ये अनोखा चश्मा 2026 तक पेश कर सकती हैं। यह प्रोजेक्ट एआर और एक्सआर की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। रिपोर्ट में इस स्मार्ट ग्लास को लेकर दावा किया गया है कि इस प्रोजेक्ट में सॉफ्टवेयर का काम गूगल संभाल रहा है, जबकि हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग का काम सैमसंग देखेगा। बता दें कि गूगल पहले ही इन ग्लास का प्रोटोटाइप पेश कर चुका है, जिसकी पहली झलक हमें टीईडी-2025 कॉन्फ्रेंस में देखने को मिली थी। इस दौरान इस अनोखे चश्मे में मिलने वाले कई एडवांस फीचर्स के बारे में भी बताया गया था।

खूबियां

लाइव ट्रांसलेशन: सबसे पहले फीचर की बात करें तो इस एंड्राइड एक्सआर ग्लास के अंदर आपको लाइव ट्रांसलेशन का फीचर देखने को मिलने वाला है। आसान शब्दों में कहें तो इस फीचर की मदद से आप रियल टाइम में ट्रांसलेशन कर सकते हैं। यानी अगर आपके सामने कोई कुछ कहता है तो आप इस चश्मे में उसका ट्रांसलेशन रियल टाइम में देख पाएंगे।

मेमोरी रिकॉल: आप किसी चीज को एक बार देखने के बाद उसे भूल सकते हैं, लेकिन ये अनोखा चश्मा नहीं भूलेगा, क्योंकि इनमें मेमोरी रिकॉल फीचर भी है, जिसकी मदद से आप हाल ही में देखा गया कोई अच्छा विजुअल दोबारा देख सकते हैं।

टीकमगढ़ में मनाई गई बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती

जागरण, टीकमगढ़

टीकमगढ़ में संविधान रचयिता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती बड़ी ही हर्ष उल्लास के साथ भीम आर्मी के तत्वाधान में मनाई गई, इस अवसर पर अंबेडकर तिराहे पर स्थापित बाबा साहब की भव्य प्रतिमा पर बाबा के साहब के अनुयायियों के द्वारा पुष्प अर्पित कर बाबा साहब को नमन किया गया, एवं जय भीम के नारों के साथ बाबा साहब को याद किया गया, बाबा साहब की जयंती पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहब के जयंती में आए टीकमगढ़ विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला पुष्प सुमन भेंट किये बाबा साहब पर फूलों की वर्षा की बाबा साहब को याद करते हुए कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर एक ऐसे महान पुरुष है जिन्होंने संविधान बनाया और जिनका सम्मान देश में ही नहीं बल्कि विश्व में किया जाता है, आज बाबा साहब के ही का रण किसी प्रकार का कोई भेदभाव समाज में नहीं है, सबको समानता का अधिकार प्राप्त है।

इस अवसर पर स्थानीय क्षेत्र के नेता और अलग अलग संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। रैली मुख्य मार्गो स्टेट बैंक चौराहा गांधी चौराहा नजर बाग होती हुई । अंबेडकर तिराहे पर रैली का समापन हुआ रैली में शामिल लोगों नें डीजे पर बाबा साहेब की जीवनी से जुड़े प्रेरणा दायक गीतों पर पुरे उत्साह से डांस किया। रैली की समाप्ति पर वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, उनकी सामाजिक सोच और संविधान में दिए गए विशेष अधिकारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक और महिलाएं भी बड़ी संख्या में युवाओं की टोली शामिल हुईं। रैली में भारी भीड़ के कारण यातायात प्रभावित ना हों इसके लिए पुलिस के जवान जगह जगह तैनात रहें।

16 अप्रैल को शादी, आज प्याऊ पर आकर की जलसेवा

टीकमगढ़। वह मानव भी क्या मानव है जो दूसरों के दुख दर्दों से द्रवित न हो सके और दूसरों के वेदना की अनुभूति न कर सके। उक्त पंक्तियों को मानवीय संवेदना समिति के प्याऊ पर पहुंचकर चरितार्थ कर दिखाया पुष्पेंद्र यादव की पुत्री वर्षा यादव ने। जिनकी 16 अप्रैल को शादी है, वर्षा यादव को जानकारी मिली कि मानवीय संवेदना समिति द्वारा नए बस स्टेंड पर निशुल्क प्याऊ संचालित की जा रही है, उनके अंतर्मन की मानवीय संवेदना जागृत हुई और शादी की व्यस्तताओं से समय निकालकर समिति की प्याऊ पर आ गईं और अपने हाथ से प्यासों को पानी पिलाकर पुण्यकार्य किया। इस अवसर समिति के मनीराम कठैल, विनोद राय, दिप्पू सोनी और आसिफ खान ने वर्षा यादव को उनके आने वाले वैवाहिक जीवन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।

गांव में रोजगार पलायन पर वार अभियान

ग्रामों में मुनादी कराकर रोजगार की दी जा रही जानकारी

टीकमगढ़। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार टीकमगढ़ जिले में श्रमिकों के पलायन को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने गांव में रोजगार पलायन पर वार अभियान के रूप में नवीन पहल प्रांरभ की है। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में मुनादी कराकर लोगों को रोजगार की जानकारी दी जा रहा है। इसीक्रम में आज जतारा जनपद के ग्राम पंचायत बैरवार में मुनादी के जरिए ग्रामीणों को बताया गया कि उन्हें 261 रुपए प्रतिदिन की दर से मजदूरी मिलेगी। साथ ही पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जायेगा। कलेक्टर श्रोत्रिय द्वारा जिला पंचायत सीईओ नवीत कुमार धुर्वे और अन्य अधिकारियों के साथ जिले से पलायन को रोकने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे है। ज्ञातव्य है कि बुंदेलखंड में श्रमिक पलायन एक बड़ी समस्या है। कलेक्टर श्रोत्रिय के मार्गदर्शन में प्रशासन की प्राथमिकता है कि लोगों को अपने गांव और नगर में ही रोजगार मिले। इस हेतु उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि आने वाली गर्मियों में श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जायें। साथ ही उन्होंने सभी पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

विनय चौरसिया पुनः बने डीसीसीए के अध्यक्ष

वार्षिक सभा की बैठक में मिली जिम्मेदारी, पिछला कार्यकाल सराहा गया

छतरपुर। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन छतरपुर की जिम्मेदारी एक बार फिर खेल प्रतिभाओं के लिए समर्पित रहने वाली शख्सियत विनय चौरसिया को सौंपी गई है। बीते रोज नौगांव रोड के पेप्टेक टाउन स्थित डीसीसीए के कार्यालय में वार्षिक साधारण सभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सागर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव पुष्पेन्द्र सिंह ने की। इस बैठक में पिछले कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्होंने आगामी वर्ष के लिए पदाधिकारियों का ऐलान कर दिया। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पेप्टेक ग्रुप के डायरेक्टर विनय चौरसिया को पुनः डीसीसीए का अध्यक्ष और खेल प्रशिक्षक राजीव बिल्थरे को डीसीसीए का सचिव नियुक्त किया गया है।

पिछले कार्यकाल में मिली कई उपलब्धियां त्न उल्लेखनीय है कि विनय चौरसिया और राजीव बिल्थरे की इसी टीम की अगुवाई में डीसीसीए ने अपने पिछले कार्यकाल में अनेक खेल प्रतिभाओं को शानदार मंच दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। इन्हीं के कार्यकाल में छतरपुर की बेटी क्रांति गौड़ को चैलेंजर ट्राफी इंडिया ई में चुना गया। इसके बाद डब्ल्यूपीएल यूपी वॉरियर टीम के लिए भी चुना गया। क्रांति ने सीनियर वीमंस टीम की ओर से रणजी ट्रॉफी और एमपी की वीमंस टीम में जगह बनाई। इसी तरह अण्डर 22 एमपी की टीम में रिया यादव, अण्डर 15 एमपी की टीम में निष्कर्ष सक्सेना एवं अण्डर 15 एमपी कैम्प के लिए भारती का चयन हुआ। अण्डर 13 से होकर सीनियर लेबिल तक लगभग 50 से अधिक खिलाड़ियों का डिवीजन में चयन हुआ। इसी तरह छतरपुर की टीम ने अण्डर 15, अण्डर 18, अण्डर 22 वनडे, सीनियर टी-20 में विजेता की ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की।

पुलिस ने ग्राम खेरा से 315 बोर कट्टा, कारतूस सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी की खेत से अवैध देशी एवं कच्ची शराब जप्त, 21 डिब्बे लहान नष्ट

लवकुश नगर। छतरपुर पुलिस द्वारा अवैध हथियार एवं अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। विगत दिनों में छतरपुर जिले में अवैध हथियार फैक्ट्री में छापामार कार्यवाही सहित करीब 300 से अधिक आरोपी अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किए गए हैं। विगत 10 दिनों में 16 आरोपी अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किए गए हैं।

थाना जुझारनगर पुलिस को रात्रि भ्रमण के दौरान ग्राम खेरा में अवैध हथियार संबंधी सूचना प्राप्त हुई, पुलिस टीम ग्राम खेरा में संदेही के खेत पास पहुंची, संदेही ने भागने का प्रयास किया, घेराबंदी कर तलाशी ली गई अवैध हथियार 315 बोर का देशी कट्टा एवं कारतूस बरामद किया गया। आरोपी कमलेश उर्फ कमलू साहू पिता शिवराम साहू को गिरफ्तार किया गया। संदेह के आधार पर खेत की बारीकी से तलाशी ली गई। खेत में एक बोरी में रखी अवैध देशी शराब, कच्ची शराब मात्रा करीब 15 लीटर पाई गई, जप्त किया गया, खेत में रखे 21 प्लास्टिक के डिब्बों में महुआ की लहान मिली, जिसे विधिवत नष्ट किया गया। अवैध हथियार एवं अवैध मादक पदार्थ में लिप्त अभियुक्त के विरुद्ध थाना जुझारनगर में आयुध अधिनियम एवं आबकारी अधिनियम के तहत पृथक पृथक अपराध दर्ज किया गया। आरोपी कमलेश उर्फ कमलू साहू अवैध हथियार, अवैध शराब, मारपीट जैसे 7 अपराध में लिप्त है। अभियुक्त को न्यायालय पेश कर जेल भेजा जा रहा है। अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है।

उक्त कार्यवाही में एसडीओपी लवकुश नगर नवीन दुबे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जुझारनगर उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक विनोद सिंह, आरक्षक राममूर्ति, रामवीर, अनिल, विपिन, अमन, शुभम की भूमिका रही।

डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष जलाए दीप

रीवा। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को सुबह 9 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में डॉ. अम्बेडकर के प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता का कार्यक्रम के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिमा की साफ सफाई की गई एवं सायं 6 बजे अम्बेडकर जी की प्रतिमा के पास दीप जलाकर दीपोत्सव का कार्यक्रम मनाया गया। स्वच्छता एवं दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, कार्यक्रम के संयोजक जिला महामंत्री ममता गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश्वर सिंह, सह संयोजक विवेक गौतम, जिला मंत्री शरद साहू, वरिष्ठ नेता रमेश गर्ग, राजगोपाल मिश्रा चारी, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष साधना गुप्ता, मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी, हेमलता सिंह, भूपेन्द्र सिंह, गौरव पाण्डेय, सह कार्यालय मंत्री जय प्रताप सिंह, पूर्व जिला महामंत्री नरेन्द्र शर्मा, पार्षद अम्बुज रजक, समीर शुक्ला, पूर्व नगर निगम अध्यक्ष रिपुदमन सिंह, परमजीत सिंह डंग, राजेश प्रताप सिंह, शेखर सचदेवा, अशोक कटारिया, साधना पटेल, बुद्धसेन नापित, विजय मिश्रा, अखिलेश शुक्ला, मोहित गुप्ता आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संकट मोचन आश्रम मे अध्ययनरत छात्रों के लिए 10 क्विंटल गेहूँ का दान

कटनी। विजयराघवगढ के ख्यातिलब्ध श्री नीलकंण्ठेश्वर भक्ति धाम ट्रस्ट पड़खुरी के संस्थापक मदनलाल ग्रोवर द्वारा संकट मोचन जगन्नाथ धाम स्थित श्री गरुड़ध्वज संस्कृत विद्यालय एवं वेद विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के भोजन व्यवस्था के लिए विगत 30 वर्षों से लगातार 10 क्विंटल गेहूँ का दान किया जा रहा हैं। निलकंठेशवर भक्ति धाम के संचालक मदनलाल ग्रोवर आश्रम के अन्य उत्सवों में हमेशा निरंतर अपनी सहयोगिता निभाई है। जिसकी वजह से संकट मोचन आश्रम संस्था ने मदनलाल ग्रोवर को आजीवन सम्मानित सदस्य भी बनाया है। समाज सेवक व धर्म प्रेमियों की वजह से समाज को नयी प्रेरणा मिलती है। मठाधिपति स्वामी इंदिरारमण जी महाराज, जगदीश प्रसाद त्रिपाठी, प्रमोद मिश्रा, वैष्णवाचार्य नारायण स्वामी, केशवानंद तिवारी, डॉ.अनिल मिश्रा, विमलेन्दु पयासी, रामाधार गौतम, अनिल शर्मा, ब्रह्ममूर्ति तिवारी, एम एल नामदेव, डॉ जी पी पाठक, राजेश मिश्रा, विपिन सोनी, तारा सिंह चौहान, राजू गुप्ता, शिवकुमार पांडेय, रामनारायण गर्ग, ओ.पी.तिवारी, माधुरी मिश्रा, मनोज गुप्ता, संदीप मिश्रा, सुरेन्द्र त्रिपाठी, लक्ष्मण पांडेय, सुरेन्द्र मिश्रा, अजीत पांडेय, कुंजीलाल गुप्ता, लक्ष्मण यादव, संदेश उपाध्याय, जमुना गुप्ता, अशोक गुप्ता, अरुण मिश्रा, पद्मा ताम्रकार, श्यामलाल नामदेव, संतोष मिश्रा, पत्रकार शेरा मिश्रा, प्राचार्य कृष्णदास पांडेय, वेदाचार्य राकेश उरमलिया, आचार्य ऋ षिकेश मिश्रा, आशीष मिश्रा, नीरज शुक्ला सहित अन्य सदस्यों ने आभार व्यक्त किया है।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर बजरंगबली की स्थापना की गई

कटनी। विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने बरही के भक्तो की भावनाओं का सम्मान करते हुए हनुमान जी की विशाल प्रतिमा स्थापित कराई, मंदिर निर्माण भी होगा जल्द। बरही पार्षद इकबाल पवार द्वारा विधायक संजय पाठक जी से निवेदन कर हनुमान भक्तो की मंशा जताई गयी थी इकबाल पवार ने बताया की लोगो की भक्तिभावना भरी मांग की जानकारी के साथ निवेदन विधायक संजय सत्येंद्र पाठक के समक्ष बात रखी गयी थी जिसके बाद विधायक जी ने नगर परिषद बरही के वार्ड न 15 हीरापुर मे हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल बजरंगबली की मूर्ति स्थापित कराई। बरही के सभी भक्तो ने विधायक संजय सत्येंद्र पाठक का हृदय से आभार व्यक्त किया है। भक्तो ने बड़े उत्साह के साथ मंदिर के चबूतरे का निर्माण विधायक जी के मार्गदर्शन पर प्राण प्रतिष्ठा कर मूर्ति स्थापना की है। विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने कहा की ईश्वर को मै कुछ दे सकूं इस योग्य नहीं, उनकी सेवा सिर्फ कुछ अंश कर खुशी प्राप्त कर लेता हूं भक्तो की मंशा और भाव को देख कर मेरा एक छोटा सा प्रयास था की हनुमान जी की पूजा इस जगह पर होनी चाहिए।

महापौर ने कुम्हार मोहल्ले में चल रहे डामरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

इमलिया चौराहे से नारायण शाह गेट तक आवागमन होगा सुगम

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा नगरीय निकायों की आंतरिक सड़कों का सुदृढ़ीकरण कर नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के बजट से सड़कों के रख रखाव के लिए कायाकल्प अभियान शुरू कर नगरीय निकायों को राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। जिसके तहत इमलिया रोड से बाबा नारायण शाह गेट तक 89 लाख रुपए की लागत से दो हिस्सों में निर्मित होने वाली लगभग 2.3 किलोमीटर सड़क डामरीकरण कार्य का महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने शनिवार को विश्राम बाबा वार्ड के कुम्हार मोहल्ला पहुंचकर निरीक्षण किया।

इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, पार्षद ईश्वर बहरानी सहित स्थानीय नागरिकों की विशेष मौजूदगी रही। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा पैदल चलकर कुम्हार मोहल्ला में कराए जा रहे डामरीकरण कार्य का जायजा लिया जाकर निर्माण कार्य के दौरान जल भराव की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती सूरी ने स्थल पर उपस्थित क्षेत्रीय उपयंत्री एवं निर्माण एजेंसी के ठेकेदार को निर्धारित समय में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती सूरी ने बताया कि कायाकल्प अभियान के तहत मंगल नगर वैकल्पिक मार्ग के निर्माण होने से नागरिकों को बड़ी राहत मिली थी। वही अब इमलिया रोड से बाबा नारायण शाह गेट तक सड़क निर्माण हो जाने से नागरिकों का आवागमन सुलभ होगा। वर्तमान में यह रोड लगभग 1.7 किलोमीटर की बनकर तैयार भी हो चुकी है।

माधवनगर क्षेत्र से चोरी की गई मोटर सायकिल बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

जागरण, कटनी। माधवनगर पुलिस ने माधवनगर क्षेत्र में हुई एक मोटर सायकल के चोरी के मामले में तहकीकात करते हुए 2 चोरो को जिला उमरिया से पकड़ने में सफ्लता हासिल की है। पकड़े गए चोर कटनी जिले मे माधवनगर के कैम्प में मजदूरी का काम करने आये थे और कुछ दिन काम करने के बाद दिनांक 11 अप्रैल के रात 10 बजे चोरी की घटना को अंजाम देते हुए शनि चौक माधवनगर से एक हीरो कंपनी की पेशन प्रो मोटर सायकल चुरा ले गये। पकड़े गए चोरों के पास से एक पेशन प्रो मोटर सायकल कीमती 50 हजार रूपये की बरामद की गई है।

प्रार्थी सौरभ दास पिता शंभु दास उम्र 30 साल निवासी संजय नगर माधवनगर ने थाना पर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 11 अप्रैल के रात्रि करीब 9.30 बजे अपने दोस्त साहिल आहूजा के घर शनि चौक गया था जहाँ पर उसने अपनी मोटर सायकल मोटर साईकिल पेशन प्रो एमपी 21 एमएल 6703 घर के बाहर खड़े करके उससे मिलने घर के अंदर गया और जब बातचीत करके रात करीबन 11 बजे घर से बाहर आया तब अपनी मोटर सायकल जगह पर नहीं पाया जिसे किसी अज्ञात चोर ने चोरी कर ले गया जिसकी रिपोर्ट प्रार्थी ने थाना पर दर्ज कराया।

माधवनगर पुलिस ने अज्ञात चोरो के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर अज्ञात चोरो की तलाश के लिए पुलिस टीम बनाकर मुखबिर तंत्र को लगाया गया वरिष्ट अधिकारीगण के मार्गदर्शन में पुलिस टीम व्दारा घटना स्थल के आसपास एवं शहर के सीसीटीव्ही फुटेज चेक किये गये व भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्रों के माध्यम से संदेहियों की तलाश करते जिला उमरिया तक पहुँच गई जहाँ पर संदेही भूपेन्द्र सिंह पिता ध्यान सिंह उम्र. 27 वर्ष निवासी ग्राम करौंदी थाना कोतवाली जिला उमरिया व निरंजन सिंह पिता सुखनंदन सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम करौंदी थाना कोतवाली जिला उमरिया को उमरिया से पकड़कर पूछताछ करने पर चोरी की घटना को स्वीकार किये जिनसे पुलिस ने चोरी का मशरूका बरामद किया है। थाना माधवनगर पुलिस की इस कार्यवाही में वरिष्ट अधिकारीगण के निर्देशन मार्गदर्शन में निरीक्षक अभिषेक चौबे के कुशल नेतृत्व में सउनि यज्ञनारायण सिंह, आकेश तिवारी, आरक्षक अनूप सिंह, राघवेन्द्र राजपूत, लोकेन्द्र सिंह, उमाशंकर तिवारी, विनोद विश्वकर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुंदरजा आम के फसल पर पड़ी मौसम की मार

जागरण, रीवा। देश-विदेश में अपनी महक और स्वाद से लोगों को दीवाना बनाने वाला गोविन्दगढ़ के सुंदरजा आम की फसल पर मौसम की मार पड़ी है। इस साल सुंदरजा आम की फसल कम होने के कारण इसके खरीददार भी नहीं मिल रहे हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस क्षेत्र के आम के किसान अभी भी खरीददारों का इंतजार कर रहे हैं। कम उत्पादन और थोड़े-थोड़े अंतराल में वर्षा के क्रम ने आम के किसानों को चिंता में डाल दिया है। बीते वर्ष तक जनवरी या फरवरी के बीच आम के बगीचे व्यापारी बोली लगाकर खरीद लेते थे। लेकिन इस साल अप्रैल का दूसरा सप्ताह शुरू हो जाने के बावजूद बगीचों के मालिक व्यापारियों की राह ताक रहे हैं। इस साल कुठलिया आम बगीचे की नीलामी महज 12 लाख 12 हजार रुपये तक होने की उम्मीद है। गोविंदगढ़ बगीचे की नीलामी तकरीबन 32 लाख रुपये में की जा चुकी है। किसानों ने बताया कि इस बार उनके बगीचे के आम के खरीदार नहीं आ रहे हैं। पिछले वर्षों तक फरवरी माह में ही व्यापारी आकर उन्हें रुपये दे देते थे और पूरा बगीचा ले लेते थे। इस बार वर्षा अंतराल होने के कारण वैसे ही पेड़ों बौर कम आए हैं, उस पर भी मौसम खराब होने से स्थिति बिगड़ गई है। सुंदरजा आम की विशेषता है कि यह बिना रेशों वाला होता है और इसे मधुमेह के मरीज भी खा सकते हैं। यह आम पकने के बाद भी 15 दिन तक रखा जा सकता है। दुनिया में रीवा सफेद बाघ के साथ ही फलों के राजा सुंदरजा आम के लिए भी विख्यात है। इस आम की देश-विदेश में खासी मांग है।

तुअर फसल उपार्जन के लिए किसान 20 अप्रैल तक कराएं पंजीयन

जिले में 20 पंजीयन केंद्र किए निर्धारित

छतरपुर। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में तुअर फसल के उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन ई-पोर्टल पर 20 अप्रैल 2025 तक किया जायेगा। इसके लिए जिले में 20 पंजीयन स्थल निर्धारित किये गये है। जहां पर किसान अपना पंजीयन करा सकते है।

उपसंचालक कृषि के.के. वैद्य ने बताया कि जिले में तुअर फसल उपार्जन के लिए किसान छतरपुर तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति बगौता, बिजावर तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति नयाताल (मंडी परिसर बिजावर) सेवा सहकारी समिति खैराकलां, (पैक्स देवरा) सेवा सहकारी समिति शाहगढ़, सेवा सहकारी समिति किशनगढ़, सेवा सहकारी समिति लखनगुवां तथा तहसील बकस्वाहा के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति बकस्वाहा, सेवा सहकारी समिति सुनवाहा, सेवा सहकारी समिति दरगुआं, सेवा सहकारी समिति गढीसेमरा, सेवा सहकारी समिति सेडारा, और बड़ामलहरा तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति दिकौली (मंडी परिसर बडामलहरा), सेवा सहकारी समिति मेलवार, चंदला तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति पचवारा (मंडी परिसर चंदला), सेवा सहकारी समिति बछौन, गौरिहार तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति खड्डी, सेवा सहकारी समिति सरबई, घुवारा तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति धुवारा, तहसील लवकुशनगर के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति कटहरा (मंडी परिसर लवकुशनगर) तथा नौगांव तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति लहेरापुरवा (मंडी परिसर नौगांव) निर्धारित किये गये है। इसके अतिरिक्त किसान ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र व एम.पी.किसान एप के माध्यम से निःशुल्क पंजीयन करा सकते है। इसके अलावा किसान एम.पी. ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, पर जाकर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

बाबा साहब की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी ने आयोजित की ऐतिहासिक कार्यक्रमों की श्रृंखला

जिले भर मे स्थित उनके स्मारकों पर हुई पुष्पांजलि एवं संविधान की शपथ

सिंगरौली। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली ने जिले भर में कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला आयोजित की पार्टी स्थापना दिवस 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक के विशेष पखवाड़े मे विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न किए जिसमें बाबा साहेब की जयंती का कार्यक्रम विशेष रहा। जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह के नेतृत्व मे पूरे जिले के संगठन ने इस आयोजन को सफल करने मे कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। लोकसभा सांसद डॉ राजेश मिश्रा, तथा जिले के विधायक रामनिवास शाह, राजेंद्र मेश्राम समेत समस्त जनप्रतिनिधियों ने इस आयोजन पर अपना श्रेष्ठतम योगदान दिया तथा संविधान निर्माता की जयंती को यादगार बनाने मे प्रयत्नशील दिखे। पार्टी संगठन ने बाबा साहेब की जन्मजयंती के कार्यक्रमों को सम्पन्न करने लिए विशेष समिति का भी गठन किया था। इस समिति का संयोजक जिला उपाध्यक्ष आशा अरूण यादव को बनाया गया था तथा सह संयोजक के रूप मे जिला महामंत्री लालपति साकेत, जिलामंत्री प्रवेंद्र धर द्विवेदी तथा विनोद चौबे को बनाया गया था जिनकी निगरानी मे जिले भर मै जन्मजयंती का कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

बाबा साहेब की जयंती का कार्यक्रम जयंती की पूर्व संध्या 13 अप्रैल से ही प्रारंभ हो गया था जहां समस्त जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं ने उनके स्मारकों की स्वच्छता एवं साज-सज्जा के साथ-साथ सायं काल को दीपांजलि अर्पित की थी। 14 अप्रैल को जयंती के दिन जिले भर मे स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा तथा उनके स्मारकों पर माल्यार्पण किया गया तथा सामूहिक रूप से संविधान का प्रस्तावना वाचन कर संविधान की शपथ ली गई। नगरीय क्षेत्र मे वार्ड क्रमांक 1मुहेर, जयंत गोल मार्केट, दुधीचुआ, जैतपुर, बनौली चौराहा, अंबेडकर चौक बैढ़न, नगर परिषद बरगवां, नगर परिषद सरई, चितरंगी, बगदरा, कर्थुआ में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमाओं को माल्यार्पण कर उनके सामने सामूहिक रूप से संविधान प्रस्तावना वाचन एवं संविधान की शपथ ली गई तथा समस्त पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब और उनके बनाए संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और सम्मान को प्रकट किया तथा उनके बनाए संविधान पर चलने की शपथ ली। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान वितरण कर बाबा साहेब के जन्मदिवस का उत्सव मनाया।

प्रमुख स्मारकों तथा प्रतिमाओं के अतिरिक्त जिले भर के मतदान केंद्रों मे भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया तथा सामूहिक रूप से संविधान की शपथ ली। जन्मजयंती कार्यक्रम मे सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, समस्त जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडलों के पदाधिकारी, मोर्चों के पदाधिकारी समेत जिले भर के कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

एनटीपीसी विंध्यानगर में केऔसुब अग्निशमन शाखा में अग्निशमन सेवा दिवस का आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्यानगर में केऔसुब अग्निशमन शाखा में रविवार 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस का आयोजन अग्निशमन केंद्र पर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बी सी चतुर्वेदी, मुख्य महाप्रबंधक (मेडिकल), व विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (ओ×एम) श्री संजीब कुमार साहा एनटीपीसी विंध्यनगर रहे । निरीक्षक/ अग्नि श्री गगन सैनी ने मुख्य अतिथि विशेष अतिथि एवं अन्य पधारे गणमान्य व्यक्तियों का हार्दिक अभिनंदन स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुंबई डॉकयार्ड में भीषण अग्नि दुर्घटना के दौरान एवं प्रत्येक वर्ष के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं में शहीद हुए अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सहायक कमांडेंट अग्नि श्री सदाराम यादव ने अपने संबोधन में बताया कि केऔसुब इकाई वीएसटीपीएस विंध्यनगर, अग्निशमन शाखा अग्निशमन सेवा सप्ताह- 2025 का आयोजन कर रहा है। जिसका शुभारंभ आज हो रहा है। उन्होंने अपने उदबोधन ने कहा कि अग्निशमन सप्ताह का उद्देश्य संयंत्र के कर्मचारी आम नागरिकों स्कूली बच्चों व अन्य को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने पूर्व में विभिन्न प्रकार की अग्नि दुर्घटनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि अग्निशमन कर्मचारियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम अग्नि सुरक्षा संबंधित सावधानियों एवं दिशा निर्देशों का अपने व्यवहारिक जीवन में आत्मसात करें एवं ऐसे उपाय करें कि या तो ऐसी अग्नि दुर्घटना न हो या इनकी संख्या में कमी आये। मुख्य अतिथि श्री बी सी चतुर्वेदी, मुख्य महाप्रबंधक (मेडिकल) द्वारा सभी को अग्नि जोखिम को कम करने के विषय में शपथ दिलवाई गई। अग्निशमन सप्ताह के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों एनटीपीसी हॉस्पिटल प्रशासनिक भवन कर्मचारी एवं कामगारों सीआईएसएफ बल सदस्यों, सुहासिनी संघ एवं सीआईएसएफ के संरक्षिका सदस्यों के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ फायर फाइटिंग प्रशिक्षण का आयोजन भी रखा गया है। जिसके दौरान उनका संयंत्र सुरक्षा एवं गृह सुरक्षा के बारे में तथा उनमें आग लगने के कारण में उनको अपने स्तर पर बुझाने के बारे में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (मेडिकल) व विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (ओ×एम) श्री संजीब कुमार साहा वीएसटीपीपी विंध्यनगर ने अपने संबोधन में सीआईएसएफ अग्निशमन शाखा के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा अग्निशाखा के प्रति विश्वास जताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें गर्व है कि अग्निशमन अपनी पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ संयंत्र को अग्नि सुरक्षा दे रहा है । संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन निरीक्षक अग्नि गगन सैनी ने किया । कार्यक्रम में संयंत्र महाप्रबंधक गण सेफ्टी विभाग के ऐजीएम आशीष कुमार अग्रवाल तथा सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट भास्कर चौधरी, निरीक्षक आर के मीणा, ए के राय, आर के सिंह, चितरंजन कुमार तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बाबा साहब की जयंती पर उनके छाया चित्र पर माल्यार्पण कर किया नमन

सिंगरौली । कलेक्टर श्री चंद्र शेखर शुक्ला ने ग्राम पंचायत कोयल खूथ में आयोजित कार्यक्रम में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन संघर्ष की अनुपम मिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने हमें एक ऐसा संविधान दिया जो भारत को लोकतंत्र, समानता और न्याय की मजबूत नींव प्रदान करता है। उन्होंने बाबा साहब के विचारों को युगप्रेरक बताते हुए कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम उनके आदर्शों पर चलें, और एक समावेशी, समतामूलक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल ने डॉ. अंबेडकर की 134वीं जयंती पर अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया। समारोह की शुरुआत डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई, जिसका नेतृत्व श्री संजीब कुमार साहा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) ने किया। यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम की संपूर्ण गरिमा और भावना को दर्शाने वाला एक सशक्त प्रारंभ था।

इसके पश्चात वरिष्ठ अधिकारियों ने मंच पर आकर डॉ. अंबेडकर के विचारों और आदर्शों की महत्ता को रेखांकित किया। इस अवसर पर डॉ. बी.सी. चतुर्वेदी, मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा), श्री ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (मेंटीनेंस एवं ए डी एम), श्री राकेश अरोड़ा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल)सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इन सभी की उपस्थिति ने डॉ. अंबेडकर के प्रति सामूहिक श्रद्धा और सम्मान को और भी प्रबल किया तथा एनटीपीसी विंध्याचल की उनके आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया।

प्रारंभिक कार्यक्रमों के उपरांत एक भव्य रैली का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, स्कूलों के प्राचार्यों, शिक्षकों एवं यूनियन सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस रैली की विशेष आकर्षण थीं विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई मनमोहक झांकियाँ, जो डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और आदर्शों को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रही थीं। डीपीएस, डी पॉल, सरस्वती शिशु मंदिर एवं शासकीय विद्यालय सहित लगभग 300 विद्यार्थियों ने इस रैली में भाग लिया। उनके ओजपूर्ण नारों और उत्साही सहभागिता ने डॉ. अंबेडकर के न्याय, समानता और सशक्तिकरण के संदेश को सम्पूर्ण परिसर में गुंजायमान कर दिया।

कार्यक्रम का समापन बाबा साहेब के मूल्यों और विचारों पर चिंतन एवं मनन के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल एक महान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने का माध्यम बना, बल्कि एनटीपीसी विंध्याचल की समावेशी एवं सतत राष्ट्र निर्माण की प्रतिबद्धता को भी सशक्त रूप से पुनः पुष्टि करने वाला अवसर सिद्ध हुआ। यह दिवस समुदाय एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के मार्गदर्शन हेतु उनके सिद्धांतों की महत्ता को पुनः स्मरण कराने वाला एक प्रेरणादायक क्षण बन गया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सेक्टर स्तर पर मनाया पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम

चितरंगी। महिला बाल विकास परियोजना चितरंगी के ग्राम पंचायत क्षेत्र खटाई के आंगनबाड़ी केंद्र नौढ़िया से है जहाँ महिला बाल विकास परियोजना सेक्टर चितरंगी के आंगनबाड़ी केंद्र नौढिया में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम पर्यवेक्षक सुशील वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में सेक्टर अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रही। पर्यवेक्षक कि माने तो कुपोषण देश की बड़ी समस्या है जिससे उभरने केलिए शासन द्वारा आंगनबाडी केंद्रों के माध्यम से कई तरह की पहल की जा रही है।बच्चो को सुपोषित बनाने के लिए स्वच्छता के साथ-साथ खान पान पर विशेष ध्यान देना अनिवार्य है, इतना ही नहीं घरेलू हरी सब्जियों का उपयोग करने से आवश्यक पोषक तत्व जैसे बिटामिन, बसा,कैल्शियम कार्बोहाइड्रेड,जिंक आदि पोषक तत्वों की पूर्ति करता है। छः माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को पूरक पोषण

आहार और साझा चूल्हा के माध्यम में मध्यान भोजन दिया जाता है। वहीं 14 अप्रैल को आंगनबाड़ी केंद्र नौढिया में पोषण मटका का आयोजन कर हितग्राहियो को जागरूक करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित आंगन बाड़ी कार्यकर्ताएं राधा साहू फोटो देवी सावित्री साहू उपमा विश्वकर्मा ललिता सिंह पूनम द्विवेदी प्रियंका सिंह चंदा देवी अमरौतिया देवी गीता देवी सीता गुप्ता नीरा यादव मंजू सिंह आदि उपस्थित रही।

डॉक्टर अम्बेडकर की 134वी जयंती कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर एवं ग्रामीण ने धूमधाम से मनाई

सिंगरौली। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 अप्रैल 2025 को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान व श्री अरविंद सिंह चंदेल अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर श्री ज्ञानेंद्र द्विवेदी अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली ग्रामीण के नेतृत्व में आधुनिक भारत के शिल्पकार संविधान में करोड़ों शोषित वंचित दलितों को समानता के अधिकार को जगह देकर समाज में बराबरी से खड़ा करने वाले समाज सुधारक भारत रत्न स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर जी की 134 वी जयंती अंबेडकर चौक वैढन बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प सुमन अर्पित करते हुए गगन भेदी नारों के साथ उनके कार्यों कुर्बानियों को याद कर भव्य रूप से मनाई गई।

उक्त अवसर पर शहर अध्यक्ष श्री अरविंद सिंह चंदेल जी द्वारा बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि कानून के पुरोधा बाबा साहब जिन्होंने संविधान को मूर्त रुप दिया और स्वतंत्र भारत के कांग्रेस सरकार में प्रथम कानून मंत्री बने जिन्होंने संविधान का निमार्ण किया हो और स्वयं कानून मंत्री रहे जिनके चलते आज हम सबको जो सामाजिक आजादी समरसता सम्पूर्णता समृद्धता मिली है उसमे सबसे अहम योगदान बाबा साहब का रहा लेकिन वर्तमान में केंद्र में बैठी भाजपा सरकार इस संविधान को खत्म एवं उलट फेर करना चाहती है निश्चित तौर पर वर्तमान सरकार से संविधान को खतरा है जिसे हम सबको मिलकर एक विचाराधारा के नीचे आकर जो बाबा साहब ने संविधान दिया जिसके तहत हम सब आजादी से बिना भेद भाव से चल रहे हैं कांग्रेस के समय उसके विचारधारावो से बने संविधान को बचाने की जरूरत है और जो देश मे भेद भाव बाबा ने समाप्त किया है।

इसी दौरान ग्रामीण अध्यक्ष ज्ञानेंद्र द्विवेदी जी द्वारा भी बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि बाबा साहब ने स्वतंत्र भारत के संविधान का निमार्ण कमेटी की अध्यक्षता करते हुए संविधान का शिल्पकारी की और देश में सामाजिक समरसता लाने की दिशा में कार्य किया कांग्रेस पार्टी की सरकार में कानून मंत्री बनाया गया और जिस संविधान के तहत सारे धर्म समुदाय जाति के लोगो को एक समान अधिकार प्राप्त है आज वही वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा नफरत की राजनित से प्रेरित धर्म के नाम पर लड़ाया जा रहा है भाई भाई से लड़ाया जा रहा है इनके द्वारा झूठे वादे कर जानता को धोखा दिया जा रहा है ।

उक्त कार्यक्रम में निम्न की रही उपस्थिति

सर्व श्री राम अशोक शर्मा , मधु शर्मा रविन्द्र द्विवेदी अनिल सिंह के डी सिंह मनोज दुबे बालमुकुंद सिंह परिहार रामनिवास तिवारी प्रदेश महामंत्री आईटी सेल अनिल वर्मा ललीत सिंह वरिष्ठ कांग्रेसी देवपति सिंह वैश्य, कृष्णा सिंह परिहार, बंतो कौर, मनोज शाह संदीप शाह उपेन्द्र रमण सिंह के पी सिंह महामंत्री तुला प्रसाद कुशवाहा संध्या सिंह सुदामा प्रसाद कुशवाहा कार्यालय महामंत्री विवेक सिंह आई टी सेल अध्यक्ष प्रहलाद शाह विद्यापति शाह श्यामबिहारी नापित शिवसागर विश्वकर्मा अनिल वैश्य विद्यापति शाह ,रमेश राय पप्पू, रमेश कुशवाहा, अवनीश तिवारी, मकसूद रजा सोनू शेख, श्रवण वैश्य हरिकमल वैश्य सत्यनारायण वैश्य नापित अनिल शाह संतोष सोनी रामाश्रय शाह रामपुकार शाह सुशीला द्विवेदी, संध्या सिंह, सुषमा वर्मा, श्यामकली रावत, रीना देवी प्रहलाद शाह, वंशबहादुर वर्मा रामदयाल शाह अनुज शुक्ला जगजीवन शाह बीके भाटिया राशिद खान सदाबृज वर्मा पुष्पराज नापित प्रेम सागर शर्मा अनिल सोनी रमाकांत पाल लक्ष्मण साकेत राजू शाह इंद्रेश नापित नंदगोपाल कोल सहित सैकड़ो पदाधिकारी , कार्यकर्ताओ एवं आमजन की उपस्थिति सराहनीय रही

एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर द्वारा टीबी मरीजों को पोषण किट का वितरण

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल सी एस आर द्वारा सांसद सीधी/सिंगरौली माननीय डॉ. राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन में और उनके आग्रह पर तपेदिक (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विंध्याचल सीएसआर के तहत चयनित लाभार्थियों को पोषण किट वितरित किया गया।

यह पहल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना टीबी मुक्त भारत के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक देश को टीबी से मुक्त करना है।

इस अवसर पर सांसद (सीधी/सिंगरौली) माननीय डॉ. राजेश मिश्रा , विधायक (सिंगरौली) श्री रामनिवास शाह, विधायक (देवसर) श्री राजेन्द्र मेश्राम तथा जिला कलेक्टर (सिंगरौली) श्री चंद्रशेखर शुक्ला समेत जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही एनटीपीसी विंध्याचल की ओर से कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा) डॉ. बी.सी. चतुर्वेदी एवं मानव संसाधन प्रमुख(विंध्याचल) श्री राकेश अरोड़ा उपस्थित रहेयह संयुक्त पहल दर्शाती है कि सार्वजनिक संस्थानों और कॉर्पोरेट संगठनों के बीच मजबूत साझेदारी सामाजिक परिवर्तन को कैसे गति दे सकती है। एनटीपीसी विंध्याचल, सिंगरौली क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान कर, समुदाय को स्वस्थ और सक्षम बनाने की दिशा में निरंतर योगदान दे रहा है।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की श्रीकांत जोशी व्याख्यान माला 16 को

रीवा। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की 14वीं श्रीकांत जोशी व्याख्यान माला टीएचपी सिरमौर के सामुदायिक भवन में आयोजित की गई है। व्याख्यान माला का विषय सामाजिक समरसता के पुजारी महात्मा फुले एवं डॉ. अंबेडकर रखा गया है। यह जानकारी देते हुए प्रबुद्ध नागरिक मंच के संयोजक धर्मेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि श्रीकांत जोशी व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय पूर्व संयोजक सदानंद सप्रे होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री ऋषि कुमार मिश्र होंगे। काय्रक्रम की अध्यक्षता टीएचपी के मुख्य अभियंता एस डी उपाध्याय करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखल भारतीय साहित्य परिषद महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष प्रो. राकेश सोनी, विद्याभारती काशी प्रांत के अध्यक्ष प्रो. रघुराज सिंह, साहित्य परिषद महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ. सत्यजीत पाण्डेय, एसडीएम सिरमौर आर के सिन्हा एवं नवोदय विद्यालय के प्राचार्य मनीष तिवारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विवेक द्विवेदी करेंगे। कार्यक्रम के आयोजक धर्मेन्द पाण्डेय ने बताया कि यह व्ययख्यान माला 14 वर्षों से आयोजित की जा रही है। इस साल इसकी स्मारिका का प्रकाशन भी किया जाएगा।

अब गर्भवती महिलाओं के लिए शुरू हुआ जांच कांउटर

नये ओपीडी भवन का लोकार्पण 30 मई को

जागरण,रीवा। जिला अस्पताल में बढ़ी सुविधाओं से ओपीडी व आईपीडी का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ.प्रतिभा मिश्रा के प्रयासों से कई नई सुविधाओं का विस्तार हुआ है। शासन की मंशानुसार गर्भवती महिलाओं के लिए बर्थ वेटिंग रूम के बाद अब जिला अस्पताल में अलग से जांच काउंटर की शुरुआत की गई है। जिसमें अब केवल गर्भवती महिलाओं की जांच के सेंपल लिए जांएगे। इसके पहले महिलाओं को जांच केन्द्र में लाइन में लंबी लाइन का सामना करना पड़ता था लेकिन अब इस समस्या से महिलाओं को छुटकारा मिला है। इसके साथ ही सिविल सर्जन डॉ.प्रतिभा ने

बताया कि हृदय रोगियों के लिए टीएमटी टेस्ट शुरू कर दिया गया है, गर्मी को देखते हुए वाटर कूलर के साथ आरओ प्लांट स्थापित किए गए हैं ताकि मरीजों व उनके परिजनों को शुद्ध ठंडा पेयजल मिल सके। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल का ओपीडी भवन बनकर तैयार है आगामी 30 मई को इसका लोकार्पण किया जाना है, जिसके शुरुआत के बाद मरीजों को काफी सुविधाएं मिलेंगी और ओपीडी में लगने वाली लंबी कतार का समाना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अस्पताल में 100 बेड की ही स्वीकृति है लेकिन 230 बेड संचालित किए जा रहे हैं, स्टाफ की कमी होने के बाद भी मरीजों को हर उपचार सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्थि रोग विभाग में विशेषज्ञों द्वारा हर सप्ताह 10 जटिल सर्जरी की जा रही हैं, इसके साथ ही प्लास्टिक सर्जन रोजाना बड़ी सर्जरी कर मरीजों को राहत दे रहे हैं। जिससे मरीजों में जिला अस्पताल के प्रति भरोसा और बढ़ा है। लगातार ओपीडी और आईपीडी में वृद्धि हो रही है। सिविल सर्जन ने बताया कि मरीजों को दवाएं उपलब्ध कराने के मामले में जिला अस्पताल प्रदेश में दूसरे नंबर पर है।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	06	04	02	08	1.081
दिल्ली	05	04	01	08	0.899
बेंगलुरु	06	04	02	08	0.672
लखनऊ	06	04	02	08	0.162
कोलकाता	06	03	03	06	0.803
पंजाब	05	03	02	06	0.065
मुंबई	06	02	04	04	-0.104
राजस्थान	06	02	04	04	-0.838
हैदराबाद	06	02	04	04	-1.245
चेन्नई	06	01	05	02	-1.554

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

निकोलस (लखनऊ)	349
साई सुदर्शन (गुजरात)	329
मिचेल मार्श (लखनऊ)	265
श्रेयस अय्यर (पंजाब)	250

पर्पल कैप (गेंदबाज)

नूर अहमद (चेन्नई)	12
शार्दुल ठाकुर (लखनऊ)	11
कुलदीप यादव (दिल्ली)	10
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	10

बाउंड्री मीटर

524 छक्के

904 चौके

60 अर्धशतक

भुवनेश्वर 300 टी-20 खेलने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए। हार्दिक पंड्या सबसे ज्यादा टी-20 मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अब तक 291 टी-20 मैच खेले है।

बतौर बल्लेबाज करियर की शुरुआत करने वाले कर्ण बने जिद्दी, जुझारू और मेहनती लेग स्पिनर

कर्ण के तिहरे झटकों से मुंबई इंडियंस को मिली जीत

दिल्ली, जेएनएन। महाभारत के युद्ध में कर्ण की क्या भूमिका थी, यह सभी जानते हैं। कुछ ऐसी ही भूमिका अभी तक कर्ण शर्मा आईपीएल में विभिन्न टीमों के खिलाफ निभाते आए हैं, जिनको पता है कि कर्ण क्या कर सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद में 2016 के सफल सीजन के बाद से शायद कर्ण को आईपीएल में मैच खेलने के इतने मौके ना मिले हों, लेकिन नीलामी में जब भी उनका नाम आया तो शायद ही कभी वह अनसोल्ड गए हों। इसके पीछे की वजह है उनका लक, क्योंकि वह अकेले ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने तीन टीमों के साथ आईपीएल खिताब को जीता है। मुंबई इंडियंस के लिए वह लंबे समय बाद कोई आईपीएल मैच खेले और देखिए तीन विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच भी बन गए। कर्ण के बारे में कहा जा सकता है कि उनकी किस्मत ऐसी है, जो बहुत ही कम क्रिकेटरों को मिल पाती है। शायद बहुत ही कम लोग जानते हैं कि कर्ण ने अपने करियर की शुरुआत बतौर बल्लेबाज की थी। जितना पुराना आईपीएल है उतने ही पुराने कर्ण भी हैं।

2009 से खेल रहे आईपीएल

2009 में पहली बार उनको आरसीबी ने अपने दल में शामिल किया था। कर्ण की किस्मत तब बदली जब वह 2013 में नई टीम हैदराबाद से जुड़े। 2014 की नीलामी में वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने, जिनको हैदराबाद ने ही 3.75 करोड़ रुपए में वापस खरीदा, जहां उन्होंने टीम के लिए उस सीजन 15 विकेट लिए। 2015 में कर्ण टीम के प्रमुख लेग स्पिनर बन गए थे और 2016 में आखिरकार हैदराबाद को आईपीएल खिताब जिताने में कामयाब रहे। इस बीच उनको 2014 में एडिलेड टेस्ट में विराट कोहली की कप्तानी में टेस्ट डेब्यू करने का भी मौका मिल गया। यह सब केवल इत्तिफाक नहीं था। इसके पीछे कर्ण की मेहनत थी। मौका मिले या ना मिले लेकिन वह लगातार मेहनत करते रहे हैं। यही वजह है कि 2017 में उन्होंने मुंबई के साथ खिताब जीता और 2021 में सीएसके के साथ खिताब जीतने के बाद वह तीन टीमों के साथ आईपीएल खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने।

आईपीएल में 17 साल का अनुभव

मेरठ से ताल्लुक रखने वाले कर्ण को जो लोग नजदीक से जानते हैं, उन्हें कर्ण की मेहनत और लगन दोंनों के बारे में पता है। कर्ण कभी ऑफ सीजन में भी मैदान और मैचों से दूर नहीं रहे। 2015 में जिम्बाब्वे का दौरा था, जहां कर्ण और भुवनेश्वर दोनों को चुना गया था। यह कर्ण का शीर्ष दौर था। तब कर्ण, भुवनेश्वर के साथ मिलकर मेरठ में एक लोकल टूर्नामेंट खेल रहे थे, जहां वह अपनी उंगली चोटिल कर बैठे। इसके बाद वह दौरे से बाहर हो गए और फिर कभी उनको भारतीय टीम की नीली जर्सी नसीब नहीं हुई। कर्ण फिर भी अड़े रहे, डटे रहे, रेलवे की अपनी टीम के लिए वह लगातार अच्छा करते रहे। आज कर्ण का आईपीएल अनुभव 17 साल का हो गया है। आईपीएल में इतना अनुभव रखने वाले बहुत गिने-चुने खिलाड़ी हैं।

मेरा मोटीवेशन तो बस मेरी बेटी

कर्ण को आज जो मोटीवेशन दे रहा है वह उनकी बेटी है। कर्ण ने मुंबई को दिल्ली के खिलाफ मैच जिताने के बाद आईपीएल के आफिशियल इंस्ट्राग्राम हैंडल पर वीडियो में कहा भी, मेरा मोटीवेशन तो बस मेरी बेटी है। वह चाहती है कि मैं उसको खेलता हुआ दिखूं। मुझे बस और कुछ नहीं चाहिए। लेकिन इतने समय बाद मौका मिलने पर कर्ण कैसे अहम खिलाड़ी साबित हुए और प्लेयर ऑफ द मैच बन गए। उसके पीछे उनकी मेहनत, लगन और शेड्यूल है। मेरठ के भामाशाह पार्क में भरी सर्दियों में भी उनको सुबह-शाम रोजाना रूटीन से अभ्यास करते हुए देखा गया। वह उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों प्रियम गर्ग, प्रशांत चौधरी, विनीत पंवार और कभी-कभी भुवनेश्वर कुमार के साथ अभ्यास करते हुए देखे गए।

घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स को मिलेगी केकेआर से कड़ी चुनौती

जेएनएन, मुल्लांपुर

आईपीएल-2025 में मंगलवार को पंजाब किंग्स का सामना अपने घरेलू मैदान मुल्लांपुर पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। केकेआर जहां पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स पर एक बड़ी जीत हासिल कर आ रही है, तो वहीं पंजाब को हैदराबाद में एक बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद सनराइजर्स के हाथों हार मिली थी। केकेआर और पंजाब की आपसी भिड़ंत की बात करें तो केकेआर का पलड़ा भारी है। पिछले सीजन श्रेयस अय्यर की ही कप्तानी में केकेआर की टीम आईपीएल खिताब जीतने में सफल हुई थी। श्रेयस के सामने उनके डोमेस्टिक कैप्टन अजिंक्य रहाणे हैं, जो इस सीजन केकेआर के कप्तान हैं। पंजाब यह मैच अपने घरेलू मैदान पर खेलेगा, जहां के विकेट को बल्लेबाजी के लिए अनुकूल माना जाता है। यहां अभी तक दो मैच खेले गए हैं, जिनमें पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन का स्कोर बनाया था। ऐसे में पंजाब के टीम प्रबंधन को अब फैसला करना होगा कि वह किस तरह की परिस्थितियों में खेलना चाहते हैं। नाइट राइडर्स एक ऐसी टीम है, जो सपाट और धीमे विकेट दोनों पर अपना कमाल दिखा सकती है। उसने सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर पटखनी दी थी, जिससे निश्चित तौर पर टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

- 2022 से खेले गए कुल चार मैच में दोनों टीमों को दो-दो मैच मे जीत नसीब हुई है।
- मुल्लांपुर में सात मुकाबलों में से पंजाब को सिर्फ दो में जीत मिली है।

हेड टू हेड

कुल मैच	33
केकेआर जीती	21
पंजाब जीता	12

कोलकाता नाइट राइडर्स: क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), सुनील नारायण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आंद्रे रसल, रमणदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, मोइन अली, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा।

पंजाब किंग्स: प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, निहाल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टॉइनिस, शशांक सिंह, सुर्यांश शेडगे, मार्को यानसन, अर्शदीप सिंह, लॉकी फग्यूर्सन, अजमतुल्लाह ओमरजाई, विजयकुमार वैशाख, युजवेंद्र चहल।

पावरप्ले गेंदबाजी पंजाब के लिए चिंता का सबब

केकेआर के शीर्ष क्रम को पंजाब के गेंदबाज तब जल्दी पवेलियन लौटा पाएंगे, जब वे पावरप्ले में धारदार गेंदबाजी करेंगे, लेकिन इस सीजन पावरप्ले में पंजाब की गेंदबाजी बेअसर रही है। पंजाब के गेंदबाजों ने पांच मैचों पावरप्ले में कुल चार विकेट चटकाए हैं, जो कि अन्य टीमों की तुलना में इस सीजन पावरप्ले में लिए गए न्यूनतम विकेट हैं। इन चार विकेटों में से सर्वाधिक दो विकेट मैक्सवेल ने चटकाए हैं, जो कि उनके प्रमुख गेंदबाज नहीं हैं। ऐसे में केकेआर के बल्लेबाजों को अगर रोकना है, तो पंजाब को पावरप्ले में अपने इस आंकड़े को सुधारना होगा।

श्रेयस अय्यर-स्टॉयनिस के लिए चुनौती बन सकते हैं रसेल

श्रेयस ने हैदराबाद के खिलाफ 82 रनों की पारी खेलकर एक बार फिर लय में लौटने के संकेत दिए थे। श्रेयस की पारी और अंत में स्टॉयनिस के आक्रमण के चलते ही पंजाब 245 रनों का विशालकाय स्कोर खड़ा कर पाया था। हालांकि इन दोनों बल्लेबाजों को रोकने के लिए केकेआर के पास आंद्रे रसेल के रूप में कारगर हथियार मौजूद है। रसेल नौ आईपीएल पारियों में पांच बार श्रेयस को अपना शिकार बना चुके हैं, जबकि इस दौरान वह रसेल के खिलाफ 117 के स्ट्राइक रेट से 63 रन ही बना पाए हैं। वहीं रसेल स्टॉयनिस को भी नौ टी-20 पारियों में पांच बार अपना शिकार बना चुके हैं।

तीरंदाजी विश्व कप: धीरज ने कांस्य और पुरुष टीम ने जीता रजत पदक

ऑबर्नडेल (अमेरिका), जेएनएन। भारत ने तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना अभियान चार पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में एक रजत और व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मदेवरा का कांस्य पदक शामिल है। सेना के 23 वर्षीय तीरंदाज धीरज ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मैच में जीत हासिल करने के लिए असाधारण धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को पांच सेट के तनावपूर्ण मुकाबले में 6-4 से हराया। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता जर्मनी के फ्लोरियन उनरुह से 1-7 से हार गए थे। इससे पहले दिन में धीरज अनुभवी तरूणदीप राय और अतनु दास के साथ उस भारतीय तिकड़ी का भी हिस्सा थे, जिसने टीम स्पर्धा के

फाइनल में चीन से 1-5 से हारने के बाद रजत पदक जीता था। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते। इससे पहले भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण और कंपाउंड पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत के अभियान में अभिषेक वर्मा पदक से चूक गए और कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में चौथे स्थान पर रहे।

अमेरिका और जापान बिली जीन किंग कप के फाइनल्स के लिए क्वालिफाई

ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया)। हेली बैपटिस्ट और बर्नार्डा पेरा ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके मेजबान स्लोवाकिया को 2-1 से हराकर अमेरिका को बिली जीन किंग कप (बीजेके) टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल्स में जगह दिलाई। ग्रुप-सी के मैच में बैपटिस्ट ने रेनाटा जैमरिकोवा को 6-3, 6-4 से और पेरा ने रेबेका श्रामकोवा को 7-6 (2), 7-5 से हराया। अमेरिका इस ग्रुप में शीर्ष पर रहा। जापान ने भी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ग्रुप-ए में निर्णायक युगल मैच में एना शिबहारा और शुको आओयामा ने कनाडा की कायला क्रॉस और रेबेका मैरिनो को 6-3, 5-7, 6-2 से हराकर जापान को फाइनल्स में जगह दिलाई।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पर 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर रविवार को मुंबई इंडियंस के हाथों अपनी टीम की 12 रन की हार के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मुंबई ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 205 रन बनाए थे। दिल्ली की टीम इसके जवाब में 19 ओवर में 193 रन बनाकर आउट हो गई। बीसीसीआई ने कहा, अक्षर पर अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ आईपीएल 2025 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधित अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था।

मैदान से हटकर

वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी की पत्नी प्रणीता बेचती हैं जूस

आईपीएल में कई विदेशी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखा रहे हैं। सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि कमेंट्री में भी दिग्गज लाखों रुपए बटोर रहे हैं। आईपीएल के कमेंट्री पैनल में वेस्टइंडीज के डेरेन गंगा शामिल हैं। डेरेन जो आईपीएल से कमाई कर रहे हैं उनकी पत्नी सभी हिंदु रीति-रिवाज का पालन करती हैं और जूस भी बेचती हैं। सिर्फ इतना ही नहीं डेरेन अपनी पत्नी से भोजपुरी भी सीखते हैं। डेरेन ने साल 2020 में प्रणीता में शादी की थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के लिए काम कर चुकी प्रणीता भले ही भारत में पैदा नहीं हुई, लेकिन उनका अपने देश के साथ गहरा ताल्लुक है। वह सिर्फ हिंदी नहीं बल्कि भोजपुरी में भी बात करती हैं। डेरेन अपनी पत्नी से भोजपुरी सीखते भी हैं। कोरोना के दौरान ही प्रणीता ने जूस बेचने का फैसला किया। वह जब डेरेन के साथ त्रिनिदाद आईं तो उन्हें एहसास हुआ कि वहां ताजा जूस उपलब्ध नहीं है। लोगों को पैकेट वाले जूस ही पीने पड़ते हैं। ऐसे में उन्होंने जूस सेंटर खोला। वह काफी समय से इस सेंटर को चला रही हैं। प्रणीता का जन्म और पालन-पोषण ऑस्ट्रेलिया में हुआ है, लेकिन वह भारतीय मूल की हैं और उनका परिवार बनारस से है। प्रणीता ने विमल कुमार के वीडियो में बताया था कि उनकी इच्छा भी है कि वह भारत में भी एक बार शादी करें। वह चाहती हैं कि उनकी हल्दी-मेहंदी की रस्मों के साथ शादी करें। कोरोना के कारण प्रणीता का परिवार शादी में शामिल नहीं हो सका था। **(जेएनएन)**

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम में पांच नए चेहरे

26 अप्रैल से पांच मैचों की सीरीज, सलीमा टेटे कप्तान

जेएनएन, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने 26 अप्रैल से चार मई तक होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सोमवार को 26 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की, जिसमें पांच नए खिलाड़ियों को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। भारत इस दौरे में कुल पांच मैच खेलेगा। वह पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ेगा और उसके बाद तीन मैच ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगा। सभी पांच मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह दौरा जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। पांच खिलाड़ियों च्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। टीम अनुभवी और नए खिलाड़ियों का मिश्रण है। टीम का नेतृत्व मिडफील्डर सलीमा टेटे करेंगी।

टीमः गोलकीपरः सविता, युवा बिचू देवी खारीबाम। **डिफेंडर :** च्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता, सुमन देवी थौदम, च्योति, अजमीना, साक्षी राणा। **मिडफील्डरः** सलीमा टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव, लालरेम्सियामी। **फॉरवर्डः** नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग, ब्यूटी डुंगडुंग। **स्टैंड बाई :** बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) व मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड)।

एमबाप्पे को 2019 के बाद पहला रेड कार्ड, पर रियाल मैड्रिड जीता

कैमाविंगा के गोल से अलावेस को 1-0 से हराया

मैड्रिड, जेएनएन। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को 2019 के बाद पहली बार रेड कार्ड का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम रियाल मैड्रिड स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अलावेस पर 1-0 से जीत हासिल करने में सफल रही। एमबाप्पे को अलावेस के मिडफील्डर एंटोनियो ब्लैंको को गलत ढंग से टैकल करने के कारण मध्यांतर से ठीक पहले बाहर भेज दिया गया। फ्रांस के स्टार को शुरुआत में पीला कार्ड दिखाया गया था, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने इसे रेड कार्ड में बदल दिया। यह 2019 के बाद पहला अवसर है, जबकि एमबाप्पे को किसी भी प्रतियोगिता में रेड कार्ड मिला। इस कारण वह कम से कम अगले रविवार को एथलेटिक बिलबाओ में होने वाले स्पेनिश लीग मैच में नहीं खेल पाएंगे। एडुआर्डो कैमाविंगा ने 34वें मिनट में रियाल मैड्रिड की तरफ से गोल किया, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे रियाल मैड्रिड और शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना के बीच केवल चार अंक का अंतर रह गया है।

जीन-चृस्तोफे ने छोटी झील पर खिलाड़ियों को दिए टिप्स

भोपाल, खेप्र। आईसीएफ पैरा केनो एक्सपेर्ट कोच, इंटरनेशनल पैरा केनो क्लास्सीफिएर, पैरा केनो कमिटी मेंबर (2012-24) जीन-चृस्तोफे गोन्नेऔद भारत दौरे पर हैं। सोमवार को जीन-चृस्तोफे गोन्नेऔद ने छोटी झील पर पैरा केनो खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों से मुलाकात कर संवाद किया। वे पैरा कैनो खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों से अवगत कराएंगे। यह भारतीय टीम के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि भारत को अगले माह पोलैंड में वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने रवाना होना है। भारतीय कयाकिंग और कैनोइंग एसोसिएशन (IKCA) के चेयरपर्सन मयंक ठाकुर ने बताया कि जीन काफी अनुभवी प्रशिक्षक हैं। पूर्व के वर्षों में हमने कई ट्रेनिंग प्रोग्राम फ्रांस में जाकर उनके साथ अटेंड किए हैं और उनका आना यहां बहुत ही सुखद है। भारतीय पैरा कैनोइंग जो ओलंपिक तक क्वालिफाई कर चुकी है व एशियन गेम्स में भी मेडल होल्डर है। साथ ही एशिया चैंपियनशिप में नंबर वन रही पैरा केनो का भारत व भोपाल में काफी स्कोप है। जीन-चृस्तोफे गोन्नेऔद तीन दिन तक छोटे तालाब स्थित मध्य प्रदेश कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के बोट क्लब पर सुबह शाम खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग देंगे।

अर्नव के दोहरे प्रदर्शन से जीती रेलवे गर्वित

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच अर्नव (24 रन व 3 विकेट) के दोहरे प्रदर्शन की बदौलत रेलवे गर्वित क्रिकेट अकादमी ने छठवीं साद अंसारी मेमोरियल अंडर-14 इंटर क्लब वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट में अरेरा अकादमी को पांच विकेट से शिकस्त दी। ऑल सेंट्स क्रिकेट ग्राउंड पर सोमवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अंकुर क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट खोकर 167 रन बनाए। मोक्ष ने 42 और अर्नव ने 26 रन का योगदान दिया। रेलवे गर्वित क्रिकेट अकादमी के अर्नव ने 3 विकेट झटके। विराट को दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेलवे गर्वित ने 36.3 ओवर में पांच विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। शुभम पांडे ने 33 और अर्नव ने 24 रन बनाए। अंकुर अकादमी के मोहक ने 2 विकेट झटके।

बैडमिंटन में अनन्या, वेटलिफ्टिंग में वंदना पटेल बनीं चैंपियन

भोपाल, खेप्र। अनन्या ने आठवें इंजीनियर्स ओलंपिक के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता में सिंगल्स में खिताब अपने नाम किया, जबकि कैरम में आस्था गुप्ता चैंपियन बनीं। एलएनसीटी द्वारा आयोजित ओलंपिक में दूसरे दिन ई-स्पोर्ट्स फुटबॉल, कैरम, बैडमिंटन और वेटलिफ्टिंग के फाइनल मुकाबले खेले गए। बैडमिंटन सिंगल्स महिला वर्ग में अनन्या ने श्रेयांशी को हराया। मिक्स डबल्स में ओम-आरती की जोड़ी ने रिजवान-समीक्षा को परास्त किया। कैरम में अंकित प्रकाश ने मीसम मोहम्मद को हराया। महिला वर्ग में आस्था गुप्ता ने महक केसवानी को शिकस्त दी। फुटबॉल पुरुष वर्ग में फाइनल में तंबीलियन एफसी ने एलएनसीटी को 4-0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। वेटलिफ्टिंग महिला वर्ग में अंडर-65 किग्रा वेट कैटेगरी वंदना पटेल, अंडर-80 किग्रा में यशस्वी लोधी, ओपन वेट कैटेगर में अपराजिता तिवारी चैंपियन बनीं। पुरुष वर्ग में अंडर-55 में हिमांशु घुसर, अंडर-65 में गुरु प्रसाद, अंडर-75 में कनिष्क नेमा, अंडर-85 में अनुज मालवीय, अंडर-95 में तुषार पांडे और ओपन वेट कैटेगरी में अमर शर्मा ने खिताब जीता।

दैनिक जागरण
रीवा, 15 अप्रैल 2025
सतना जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

प्रवेश महोत्सव का शुभारंभ करेंगे दादाभाई

मुकुन्दपुर। मैहर जिले के अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ज्ञानोदय विद्यालय आमिन में प्रवेश महोत्सव का शुभारंभ डॉ॰राजेन्द्र कुमार सिंह ;दादाभाईद्ध पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं पूर्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री मध्यप्रदेश शासन व वर्तमान विधायक विधानसभा क्षेत्र अमरपाटन के गरिमामयी उपस्थिति में आज समय 4 बजे दिन में सम्पन्न होने जा रहा है।

अम्बेडकर ने समता और बंधुत्व की राह दिखाई : सुरेंद्र शर्मा

सतना। जदयू राष्ट्रीय समिति के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने भारत रत्न बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती पर नमन करते हुए कहा कि बाबा साहेब संविधान शिल्पी के साथ-साथ सामाजिक समरसता और राष्ट्र के समग्र निर्माण के लिए आजीवन समर्पित रहे हैं जिन्होंने समता और बंधुत्व की राई दिखाई छुआछूत , सामाजिक विषमता जैसी बीमारी से राष्ट्र के नागरिकों को दूर रहने का संदेश दिया साथ ही उनका चिंतन राष्ट्र के सशक्त निर्माण का था।

रिश्वत की सौदेबाजी करते कैमरे में कैद हुये पटवारी शिवेन्द्र

सोशल मीडिया में वायरल हुआ वीडियो, तहसीलदार ने लिया संज्ञान

जागरण सतना

शासन के लाख प्रयासो के बाद भी रिश्वत खोरी कम नही हो रही। आये दिन कभी लोकायुक्त तो कभी ईओ डब्ल्यू द्वारा कार्यवाही कर कर्मचारियों को ट्रैप किया जा रहा है लेकिन इसके बाद भी कर्मचारी सुधरने का नाम नही ले रहे। रिश्वत खोरी की सौदेबाजी करने का एक मामला रविवार को सोशल मीडियॉ में वायरल हुआ है जिसके बाद तहसीलदार ने वीडियो पर संज्ञान लेते हुये संबंधित पटवारी के निलंबन की कार्यवाही शुरू कर दी है।

ये है मामला

बताया जाता है कि कोठी तहसील के अंतर्गत आने वाले भवर गांव के हल्का पटवारी शैलेन्द्र सिंह पटेल द्वारा काम एवज में 15 हजार रूपये रिश्वत की मांग की जा रही है। मौके पर लोगो द्वारा तीन हजार रूपये देने का वीडियों भी सोशल मीडियॉ में वायरल हुआ है। जिस प्रकार से भंवर गांव में हल्का पटवारी शिवेंद्र सिंह पटेल द्वारा काम करने के एवज में रिश्वत ली जा रही है वह साफ दर्शाती है कि किसी भी हल्का का कोई भी पटवारी बिना रिश्वत के काम नहीं करता।

पटवारी द्वारा रिश्वत मांगने का वीडियों वायरल हुआ जिस पर संज्ञान लेते हुये भवर हल्का पटवारी शिवेन्द्र सिंह पटेल के विरुद्ध कार्यवाही कर उन्हे निलंबित किया जा रहा है।

कमलेश सिंह भदोरिया
तहसीलदार कोठी

बाबा सहेब के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत

जागरण मैहर। जिला कांग्रेस के तत्वावधान मे भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई के नेतृत्व में भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से ग्राम पंचायत जूरा में मनाई गई। इस अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गयाए जिसमें विशेष रूप से मैहर के प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू एवं सह प्रभारी अजीत सिंह जिला कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेश घई प्रभात द्विवेदी दद्दा रामभद्र पांडे सोमदत्त साकेत शशांक पटेल सहित आदि नेताओं ने शामिल होकर बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। अतिथियों के स्वागत के बाद ने जिला प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ आंबेडकर ने समाज में शिक्षा के महत्व को बहुत अच्छे से समझाया है। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर एक ऐसा भारत बनाना हैए जो रूढ़ीवादी परंपराओं से मुक्त हो। तत्पश्चात जिला अध्यक्ष धर्मेश घई ने सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि बाबा साहब हमारे देश की श्वास नली है आज जो समाज अधिकार संपन्न हुए हैं।

मैहर में पुलिस कर्मियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए हुआ हार्ट फुलनेस कार्यक्रम

आईजी प्रशासन रूचि वर्धन मिश्रा रहीं मौजूद

जागरण सतना। पुलिसकर्मियों के बेहतर स्वास्थ्य एवम तनावमुक्त जीवन के लिए आईजी प्रशासन श्रीमति रूचि वर्धन मिश्रा के मार्गदर्शन व पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल की उपस्थिति में हार्ट फुलनेस सत्र का आयोजन किया गया। 14 अप्रैल को यह आयोजन सुबह साढे 9 बजे से पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आईजी प्रशासन श्रीमति रूचि वर्धन मिश्रा के मार्गदर्शन व पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति चंचल नागर नगर पुलिस अधीक्षक श्री राजीव पाठक एवं एसडीओपी अमरपाटन श्रीमति प्रतिभा शर्मा की उपस्थिति में ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। सबसे पहले सुधीर अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेटकर आईजी प्रशासन श्रीमती रूचि वर्धन मिश्रा का अभिवादन किया। तत्पश्चात श्रीमति रूचि वर्धन मिश्रा द्वारा हार्टफुलनेस ध्यान के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि हार्टफुलनेस ध्यान तकनीक कई तरह के फायदे प्रदान करती है। यह तनाव कम करने ध्यान केंद्रित करने, और भावनात्मक संतुलन को बेहतर बनाने में मदद करती है इससे मन शांत और प्रसन्न होता है हार्टफुलनेस संस्था से आये प्रशिक्षक अतुल देशमुख द्वारा मैडिटेशन सत्र में सम्मिलित पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को ध्यान में उतरने की प्रक्रिया सिखायी गई। ध्यान सत्र में लगभग 60 की संख्या मे पुलिस अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित हुए। जिनके द्वारा प्रशिक्षक की उपस्थिति में मैडिटेशन किया गया ।

ओलंपिक नॉम्स के मल्टी स्पोर्ट कंपलेक्स, स्टेडियम एमपी का पहला खेल प्रोजेक्ट सतना में

स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स व शहर के स्टेडियम का निरीक्षण कर कमियों में नाराज सांसद ने कहा.

अधूरे खेल मैदानों को जल्द पूरा कराएं क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी करेंगे स्टेडियम का उद्घाटन

किस प्रोजेक्ट की कितनी लागत

- धवारी किक्रेट स्टेडियम. 5 करोड़ 98 लाख
- दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम. 10 करोड़ 60 लाख
- स्पोर्ट कॉम्लेक्स सोनौरा. 30 करोड़ 01 लाख

जागरण सतना। शहर में तीन बडे स्टेडियम बन रहे हैं पर हालात ये हैं कि बन कर तैयार नहीं हा पा रहे हैं केवल बन ही रहे हैं। धवारी का क्रिकेट स्टेडियम हो चाहे दादा सुखेंद्र सिंह या फिर निर्माणाधीन मल्टी स्पोर्ट कंपलेक्स स्मार्ट सिटी सोनौरा। सभी के हालात ये हैं कि ये पूरे नहीं हा रहे हैं। सोमवार को सतना सांसद गणेश सिंह ने तीनों ही स्टेडियम का निरीक्षण किया है और चौतरफा कमियों को देख नाराजगी जताई। सांसद ने कहा कि आखिर काम पूरा करने का कोई टाइम लाइन है या सब निर्माणाधीन ही रहेगा तो पूरा कब होगा और खिलाडियों को हम ये मैदान कब देंगे। सांसद ने नगर निगम के कमिश्नर से दो टूक कहा कि ऐसा नहीं चलेगा और आप जिम्मेदारी लो कि आखिर कब ये काम पूरे होंगे। आयुक्त डॉ शेर सिंह मीणा से यह बोला गया है कि अधूरे खेल मैदानों को जल्द पूरा कराया जायए खासकर धवारी स्टेडियम को पूरे नॉम्स के हिसाब से तैयार करें। सांसद ने बताया कि धवारी स्टेडियम का उद्घाटन क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बड़े अधिकारियों के द्वारा कराया जाएगा।

पार्टी में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं : राजा बघेल

जिला कांग्रेस कमेटी के समन्वय समिति की बैठक संपन्न

जागरण सतना। जिला कांग्रेस कमेटी के समन्वय समिति की बैठक प्रभारी राजा बघेल एवं सह प्रभारी कविता सिंह जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा शहर अध्यक्ष मकसूद अहमद विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा सहित समिति के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई सर्वप्रथम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया व उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की प्रेरणा ली गई।

तत्पश्चात बैठक को संबोधित करते हुए राजा बघेल ने कहा की कोई कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों ना हो पार्टी उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी पार्टी में अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी अनुशासन के मामलों में जिला स्तर पर ही कार्रवाई की जाएगी श्री बघेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आवहान करते हुए कहा कि मतदाता सूची के निर्माण में घर-घर पहुंच कर मतदाता सूची में कार्य करेंगे व पार्टी के ब्लॉको की बैठकर कर मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का काम किया जाएगा श्रीमती कविता सिंह ने कहा कि शीघ्र ही ब्लॉको का भ्रमण करेंगे व पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात करेंगे जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मंडल सेक्टर की बैठक कर बूथ स्तर में कार्यकर्ता तैयार करने का काम किया जाएगा व हर बूथो में बैठक की जाएंगे विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने पार्टी कार्यालय बनाने की बात कही व कहा कि शीघ्र ही पार्टी कार्यालय के लिए जमीन चिन्हित की जाएगी व शहर कार्यालय को कमर्शियल रूप दिया जाएगा बैठक में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मकसूद अहमद पूर्व विधायक कल्पना वर्मा अजीत सिंह राजभान सिंह राम शंकर पयसी रश्मि सिंह पटेल प्रदीप समदरिया धर्मेंद्र सिंह मुकेश सेन डाली चौरसिया सहित समिति के सदस्य मौजूद थे।

निजी विद्यालयों की पाठ्य पुस्तक किसी विशेष दुकान से खरीदने नहीं किया जायेगा बाध्य

जागरण सतना। कलेक्टर डा सतीश कुमार एस ने निजी विद्यालयों द्वारा पाठ्यपुस्तके एवम गणवेश किसी विशेष दुकान या संस्थान से खरीदने अभिभावकों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बाध्य करने की सूचनाओं को गंभीरता से लिया है। कलेक्टर ने ऐसी सूचनाओं पर कार्यवाही करने सिटी मजिस्ट्रेट राहुल सिलाडिया और एसडीएम रघुराजनगर एल आर जांगड़े के नेतृत्व में दो दल गठित किए हैं। सिटी मजिस्ट्रेट के निरीक्षण दल में तहसीलदार नजूल सौरभ मिश्रा एबी इ ओ सोहावल टी के मिंज एदिवाकर तिवारी, वाणिज्यिक कर निरीक्षक अजीत सिंह को शामिल किया गया है। जबकि दुसरे दल में एसडीएम रघुराजनगर के साथ नायब तहसीलदार सौरभ द्विवेदी एए पी सी दिवाकर सिंहएए एस ओ अजय तिवारीएकराधान सहायक सुभाष सिंह को शामिल किया गया है। ये जांच दल एसडीएम के निर्देशन में काम करेगे। जांच दल आकस्मिक रूप से स्थल निरीक्षण करने के साथ मान्यता अधिनियम 2017एवम संशोधित नियम 2020 के अनुसार विद्यालय के विरुद्ध आवश्यक शास्ती अधिरोपित कर यह भी देखेगी कि विद्यालय द्वारा चलाई जा रही पुस्तके एन सी ई आरटी अथवा आई एस बी एन नंबर की है या स्वतंत्र प्रकाशक की है । जांच दल निरीक्षण के दौरान निजी विद्यालय फीस अधिनियम 2020 के अंतर्गत वर्ष 2023 - 24,2024-25 और 2025-26 की फीस की जानकारी भी लेगी।

रीछुल घटना की एसडीएम नागोद कर रहे जांच

4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी

सतना। सतना जिले के ग्राम रिछुल में सड़क के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरी 3 बालिकाओं की पानी में डूबने से हुई मृत्यु की घटना की जांच एसडीएम नागोद जितेंद्र वर्मा द्वारा की जा रही है।कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डा सतीश कुमार एस ने दुखद घटना के कारणो की जांच के लिए एसडीएम को तत्काल प्रभाव से विभिन्न बिंदुओं के आधार पर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। जांच के बिंदुओं में सड़क निर्माण कंपनी द्वारा क्या मिट्टी निकालने की अनुमति ली गई थीघ् क्या मिट्टी निकालने के बाद कंपनी द्वारा नियमो एवम शर्तो का पालन किया गयाघ्क्या कंपनी द्वारा काम खत्म करने के बाद गड्डे को बंद करने एसुरक्षित करने या चेतावनी बोर्ड लगाने की कार्यवाही की गई अथवा नहीघ् आदि बिंदुओं पर कलेक्टर ने जांच प्रतिवेदन तलब किया है।इसके साथ ही परिजनों को आर बी सी के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि भी शीघ्र प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम जितेंद्र वर्मा ने बताया कि बच्चियों की मृत्यु पर परिजनों को अंत्येष्ठि सहायता के रूप में 25 हजार रूपए की तात्कालिक सहायता प्रदान की गई थी ।इसके अलावा आर बी सी के तहत पानी में डूबने से हुई मृत्यु पर 4 लाख रुपए प्रत्येक के मान से 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की जा रही है।

सांसद ने ठेकेदारों सहित प्रशासन को लताड़ा घटिया कार्यों को सुधाराने आयुक्त से कहा

सतना। शहर की सडकों का हाल बद से बदतर होता जा रहा है और इस बदहाली के लिए सांसद गणेश सिंह ने ठेकेदारों की मनमानी और प्रशासन की नाकामी को जिम्मेदार ठहराते हुए तीखा हमला बोला है। सडकों पर गड्ढों व धूल का अंबारए डस्ट का गुबार और यातायात की अराजकता ने शहरवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। सांसद ने कहा कि ठेकेदार जब चाहें सडकें खोद देते हैंए बिना किसी योजना या जवाबदेही के। ताजा मामला गौशाला चौक का हैए जहां अचानक सडक खोदकर मिट्टी का ढेर लगा दिया गयाए जिससे मुख्य रास्ता बंद हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ रही है। गणेश सिंह ने शहर में हुए रेस्टोरेशन कार्यों को घटिया और लापरवाही की मिसाल करार दिया। उन्होंने कहा कि सडकों पर गड्ढे ही गड्ढे हैंए जो प्रशासन की नाकामयाबी का सबूत हैं। पूरा शहर धूल के आलम में डूबा हैए जिससे लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं और सांस लेना तक दूभर हो गया है। यातायात व्यवस्था की बात करें तो वह पूरी तरह चरमरा चुकी है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com